हमारा देश हमारा अभिमान

RNI No.: MPHIN/2022/82783

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए

वर्ष 04, अंक 1, मासिक पत्रिका

28 जनवरी 2025

।। हर हर महादेव ।।

ISO 9001:2015 CERTIFIED

निवेश क्रांति के नये नायक डॉ मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का निवेश को लेकर गंभीर दृष्टिकोण

- औद्योगिक प्रगति के पथ पर अग्रसर मध्यप्रदेश में है निवेश के हैं सुनहरे अवसर
- प्रसन्नता है कि 60 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुयेः मुख्यमंत्री डॉ. यादव
- इंजीनियरिंग की ग्लोबल बेस्ट प्रेक्टिसेस का प्रदेश में होगा क्रियान्वयन
- लंदन के वार्विक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप का लिया जाएगा सहयोग
- मुख्यमंत्री ने डबल्यूएमपी ग्रुप के विषय-विशेषज्ञों से किया संवाद
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव से भोपाल में आईटी हब और अंतर्राष्ट्रीय एयर कनेक्टिविटी को लेकर लंदन में हुई चर्चा

प्रयागराज महाकुंभ मेला की महिमा और विशेषता

महाकुंभ का आयोजन बड़े स्तर पर किया जाता है। इस महापर्व का साधु-संत बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस बार महाकुंभ की शुरुआत 13 जनवरी से हो रही है। वहीं, इसका समापन 26 फरवरी को होगा। प्रयागराज में शुरू होने जा रहा महाकुंभ का विशेष महत्व है, क्योंकि प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है। यह संगम विश्वभर में प्रसिद्ध है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, महाकुंभ में स्नान करने से जातक को मोक्ष की प्राप्ति होती है और जीवन के सभी पापों से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। प्रयागराज) में महाकुंभ में त्रिवेणी संगम के तट पर स्नान करने का विशेष महत्व है। इस त्रिवेणी संगम पर स्नान करने को शाही स्नान के नाम से जाता है। क्या आपको पता है कि त्रिवेणी संगम पर शाही स्नान किस कारण से किया जाता है? अगर नही पता, तो ऐसे चलिए आपको इसके महत्व के बारे में बताएंगे। हिंदू धर्म के लिए प्रयागराज का संगम बेहद पवित्र माना जाता है। प्रयागराज में गंगा- यमुना और सरस्वती नदी में होता है। प्रयागराज के संगम में गंगा, सरस्वती और यमुना के मिलन का नजारा देखने को मिलता है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि महाकुंभ, कुंभ और अर्धकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम (Triveni Sangam Importance) में स्नान करने से जातक को मोक्ष की प्राप्ति होती है और पापों से छुटकारा मिलता है। महाकुंभ के दौरान शाही स्नान को महत्वपूर्ण माना गया है। शाही स्नान के लिए साधु और संत अधिक संख्या में स्नान करने के लिए पहुंचते हैं, जिससे उन्हें पुण्य की प्राप्ति होती है। महाकुंभ में साधु और संत का स्नान सम्मान के साथ कराया जाता है। इसी वजह से इसे शाही स्नान कहा जाता है। साधु और संत के बाद श्रद्धालु त्रिवेणी में स्नान करते हैं।

क्या है संगम का अर्थ

संगम का अर्थ मिलन है। संगम ऐसी जगह को कहा जाता है जहां पर जल की 2 या 2 अधिक धाराएं मिल रही होती हैं।

क्यों 1/2 साल बाद लगता है महाकुंभ, कैसे तय होती है इसकी डेट?

महाकुंभ मेले का सनातन धर्म में बड़ा धार्मिक महत्व है, जो इस बार 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में लगने जा रहा है। यह मेला दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेलों में से एक है। इसमें लोग दूर-दूर से भाग लेने के लिए आते हैं। बता दें, महाकुंभ मेला (Mahakumbh Mela 2025) 12 सालों में एक बार आयोजित किया जाता है। इस दौरान करोड़ों श्रद्धालु गंगा, यमुना और सरस्वती के पवित्र संगम तट पर स्नान

करने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि इसमें एक बार स्नान करने से भक्तों के सभी पापों का नाश हो जाता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

प्रयागराज के साथ इन स्थानों में लगता है महाकुंभ

प्रयागराज का इतिहास प्राचीन काल से चला आ रहा है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, कुंभ मेले का संबंध समुद्र मंथन से है। कहते हैं कि देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया था। तब जाकर अमृत का कलश प्राप्त हुआ था।ऐसा माना जाता है कि उस अमृत कलश से कुछ बूंदें पृथ्वी पर चार पवित्र स्थानों यानी प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में गिरी थीं। यही वजह है कि सिर्फ इन्हीं दिव्य स्थानों में कुंभ मेला लगता है।

यह भी है एक कारण

शास्त्रों में प्रयागराज को तीर्थ राज या 'तीर्थ स्थलों का राजा' भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि पहला यज्ञ ब्रह्मा जी द्वारा यहीं किया गया था। महाभारत समेत विभिन्न पुराणों में इसे धार्मिक प्रथाओं के लिए जाना जाने वाला एक पवित्र स्थल माना गया है।

इसलिए 12 साल बाद लगता है महाकुंभ

ऐसा कहा जाता है कि देवताओं और असुरों के बीच अमृत पाने को लेकर लगभग 12 दिनों तक लड़ाई चली थी। इसके साथ ही यह भी कहा जाता है कि देवताओं के बारह दिन मनुष्य के बारह सालों के समान होते हैं। यही वजह है कि12 साल बाद महाकुंभ लगता है।

कुंभ मेले की पौराणिक कथा

कुंभ मेले की उत्पत्ति प्राचीन हिंदू ग्रंथों और धार्मिक पुस्तकों में है। हिंदू पौराणिक कथाओं में बताया गया है कि कुंभ मेला इतना बड़ा धार्मिक आयोजन क्यों है। कहानी यह है कि जब देवता और असुर ब्रह्मांड महासागर का मंथन कर रहे थे, तो इस मंथन से अमृत निकला। इस बर्तन या कुंभ में देवताओं का अमृत या अमृत होता है, और यह इतना जादुई है कि जो कोई भी इसका सेवन करेगा वह अमर हो जाएगा, और उसे कोई नहीं मार सकता।भगवान विष्णु ने दिव्य स्त्री रूप धारण किया जिसे मोहिनी अवतार के नाम से जाना जाता है। उसने असुरों से अमृत का कलश (कुंभ) ले लिया और आकाश की ओर उड़ गई। लेकिन जब वह उड़ रही थी तो इस पवित्र अमृत की कुछ बूंदें पृथ्वी पर गिर गईं। ये स्थान अत्यंत पवित्र हो गये। इन्हीं स्थानों में से एक है प्रयागराज (पूर्व में इलाहाबाद)। अन्य स्थान जहां अमृत की बूंदें गिरीं वे थे उज्जैन, नासिक और हरिद्वार।

ऐसे तय होती है डेट

इसके अलावा ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, एक कारण यह भी है कि जब बृहस्पति ग्रह, वृषभ राशि में हों और इस दौरान सूर्य देव मकर राशि में आते हैं, तो कुंभ मेले का आयोजन प्रयागराज में होता है। ऐसे ही जब गुरु बृहस्पति, कुंभ राशि में हों और उस दौरान सूर्य देव मेष राशि में गोचर करते हैं, तब कुंभ हरिद्वार में आयोजित किया जाता है।

इसके साथ ही जब सूर्य और बृहस्पति सिंह राशि में विराजमान हो, तो महाकुंभ नासिक में आयोजित किया जाता है। वहीं, जब ग्रह बृहस्पति सिंह राशि में हों और सूर्य मेष राशि में हों, तो कुंभ का मेला उज्जैन में लगता है।

शाही स्नान (शाही स्नान)

कुंभ मेले का मुख्य आकर्षण शाही शान या शाही स्नान है। यह शाही शान एक भव्य अवसर है जहां 13 अखाड़ों (हिंदू मठों) के महंत और अनुयायी रथों और विशाल जुलूसों में पहुंचते हैं। वे गंगा में स्नान करते हैं और श्लोक और प्रार्थना करते हैं। इन अखाड़ों का आगमन सभी पर्यटकों के लिए एक अद्भुत दृश्य होता है, क्योंकि भक्त उनके आगमन की घोषणा करने के लिए 'हर हर महादेव' के नारे लगाते हैं और तुरही और हॉर्न बजाते हैं। योगी, ऋषि, साधु और संत उनका अनुसरण करते हैं, और वे राख से ढके होते हैं और गले में माला पहनते हैं। कुंभ मेला 2025 के दौरान शाही स्नान 14 और 19 जनवरी, 4, 12 और 26 फरवरी 2025 को होंगे.

हमारा देश
हमाराअभिमान

28 जनवरी 2025

सुविचार

एक समय में एक काम करो , और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमे डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ . - ...

विवरणिका

संपादकीय	04-05
प्रयागराज महाकुंभ	06-07
ग्वालियर	08-11
मध्य प्रदेश	12-29
कैरियर	30
पर्यटन	31-32
ऑटोमोबाइल	33
सायबर अवेयनेस	34
बिजनेस आईडिया	35
शिक्षा	36
कृषि जगत	37-38
खेल जगत	39
वास्तु	40
स्वास्थ्य	41-43
अंतराष्ट्रीय	44
वेल्थ मैनेजमेंट	45-46
फैशन	47-48
बॉलिवुड	49
रैसिपी	50
युवा	51

विंटर वियर ड्रेस के ये डिजाइंस आपके लिए हैं परफेक्ट

.....पढ़े पेज 48

यदि आप से कोई रिश्वत मांगता हो या आपके के एरिये में कोई प्रशासनिक समस्या हो तो हमें इस नम्बर पर सम्पर्क करें। आप का नाम गुप्त रखा जाएगा और आप की बात उच्च अधिकारियों तक पहुंचाई जाएगी।

हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक
98266 36922

हमारा देश हमारा अभिमान

मासिक पत्रिका के लिए म.प्र. एवं राजस्थान में संवाददाता नियुक्त करना है। इच्छुक व्यक्ति निम्न नम्बर पर सम्पर्क

हमारा देश हमारा अभिमान सम्पादक
98266 36922

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री प्रदीप कुमार शर्मा
- श्री शिवदयाल धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन
- श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री राकेश कुमार सगर
- श्री जयराज कुबेर
- श्री राजेश कुमार त्रिपाठी
- श्री बृजेश श्रीवास्तव
- श्री दीपक कुमार शुक्ला
- श्रीमति निवेदिता गुप्ता
- श्री विनोद कुमार बांगडे
- श्री विनायक शर्मा
- कमांडों कमल किशोर (पूर्व सांस
- श्री के. कान्याल
- श्री मधु सुदन
- श्री अभिनव पल्लव

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

विशेष संवाददाता
- रवि परिहार

कानूनी सलाहकार -एडवोकेट रिचा पांडे (सुप्रीमकोर्ट)
- एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता, ग्वालियर हाईकोर्ट , रजत रघुवंशी, एडवोकेट इंदौर हाइकोर्ट
- एडवोकेट एस.के. पाठक, ग्वालियर
- दीपेंद्र कुमार पाण्डेय, एडवोकेट, उच्च न्यायालय

ब्यूरो : अविनाश जाजपुरा (उज्जैन संभाग)

छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे

मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- श्री डॉ सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायणदास गुप्ता
- श्री पीयूष श्रीवास्तव
- पंडित श्री चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री अशोक कुमार वर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती रितु मुदगल
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- सुश्री पूजा मावई
- श्री संदीप कुमार पांडेय
- श्री मनोज सिंह
- श्री प्रदीप यादव
- श्री निरंजन शर्मा
- श्री विनीत गोयल
- श्री डॉ. सुधीर राजौरिया, हड्डी रोग विशेषज्ञ
- श्री आशीष त्रिवेदी
- श्री डॉक्टर अशोक राजौरिया
- हेमाटोलाजिस्ट और बोन मैरो ट्रांसप्लांट एक्सपर्ट
- श्री डॉक्टर कमल कटारिया
- श्री यशवंत गोयल
- श्री दीपक भार्गव
- श्री अमित जैन इंदौर
- श्री सुरजीत परमार
- श्री संजू जादौन
- श्री डॉक्टर हिमांशु डेंटिस्ट
- श्री रागिनी चतुर्वेदी
- श्री प्रवेंद्र चतुर्वेदी
- श्री प्रखर सिंह

श्री शरद मंगल (गहना ज्वैलर्स)
श्री विजय शर्मा
श्री प्रदीप भदौरिया

सह सलाहकार

रुचि चतुर्वेदी, सोनीष वशिष्ठ, कमल वर्मा, अनिल शर्मा, मंगला चतुर्वेदी , अजय चतुर्वेदी, संजू मिश्रा ,चंचल शर्मा

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर

मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन

मार्केटिंग मैनेजर
- सुनील
- हरशूल

सह मार्केटिंग ब्यूरो ग्वालियर एवं सह संवाद दाता: सुनिता कुशवाह, अर्जना खन्ना, अजय चतुर्वेदी (आशु)

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

क्यों खास है प्रयागराज का महाकुंभ शाही स्नान

महाकुंभ 2025 के शाही स्नान की तिथियां

मकर संक्रांति- 14 जनवरी 2025
मौनी अमावस्या- 29 जनवरी 2025
बसंत पंचमी- 03 फरवरी 2025
माघी पूर्णिमा- 12 फरवरी 2025
महाशिवरात्रि- 26 फरवरी 2025

संपादक
मनोज चतुर्वेदी

महाकुंभ मेले में स्नान करना आत्मा और मन की शुद्धि का प्रतीक है, जो विशेष खगोलीय स्थिति में अमृत के जल से स्नान करने के समान होता है। शाही स्नान, जिसे 'राजयोग स्नान' भी कहा जाता है, महाकुंभ मेले का मुख्य आकर्षण और सबसे प्रमुख धार्मिक अनुष्ठान है। शाही स्नान का आयोजन कुंभ मेले के सबसे पवित्र दिन पर किया जाता है, जब ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति अत्यंत शुभ होती है। शाही स्नान से पापों का नाश होता है और यह मोक्ष प्राप्ति का सबसे सरल मार्ग माना जाता है, जिसे असंख्य यज्ञों और तपस्याओं के बराबर पुण्य प्राप्त होता है।

शाही स्नान महाकुंभ के सबसे प्रमुख और पवित्र अनुष्ठानों में से एक है। यह भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म का अभिन्न हिस्सा बन चुका है और सैकड़ों सालों से इसकी परंपरा चली आ रही है। शाही स्नान को न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्व भी है, जो मानवता के आत्मिक और शारीरिक शुद्धिकरण की प्रक्रिया का प्रतीक है। इसे आत्मा की शुद्धि, जीवन के उद्देश्य की प्राप्ति और पापों से मुक्ति का एक साधन भी माना गया है। इस स्नान के माध्यम से व्यक्ति अपनी आस्था और विश्वास को दृढ़ करता है और धर्म के मार्ग पर अग्रसर होता है।

शाही स्नान का ऐतिहासिक और पुराणिक महत्व

शाही स्नान का महत्व हिन्दू धर्म के पुराणों और धार्मिक ग्रंथों में गहरे तौर पर वर्णित है, जो इसे एक अत्यंत पवित्र और महत्त्वपूर्ण आयोजन के रूप में स्थापित करते हैं। महाकुंभ मेला और अन्य प्रमुख स्नान पर्वों पर शाही स्नान का आयोजन धार्मिक दृष्टि से विशेष माना जाता है, क्योंकि यह स्नान न केवल शरीर की शुद्धि का प्रतीक है, बल्कि आत्मा की शुद्धि और पुण्य की प्राप्ति के लिए भी अत्यधिक प्रभावशाली माना जाता है।पुराणों में शाही स्नान का वर्णनः पुराणों में शाही स्नान के महत्व को व्यापक रूप से बताया गया है। विशेष रूप से भागवद पुराण, महाभारत, और स्कंद पुराण में गंगा स्नान और अन्य नदियों के संगम पर स्नान की महिमा का विस्तार से उल्लेख किया गया है। यह माना जाता है कि जो व्यक्ति विशेष रूप से कुम्भ मेला या शाही स्नान के अवसर पर पवित्र नदियों में डुबकी लगाता है, उसे सारे पापों से मुक्ति मिलती है और वह मोक्ष की प्राप्ति करता है।

भगवान शिव और शाही स्नानः

शाही स्नान का धार्मिक महत्व भगवान शिव के साथ भी जुड़ा हुआ है, क्योंकि महाकुंभ मेला का आयोजन शिव के साथ जुड़े तीर्थों में होता है। शिव महापुराण में उल्लेखित है कि भगवान शिव ने स्वयं गंगा को अपने जटाओं में धारण किया था, और गंगा में स्नान करने से समस्त पापों का नाश होता है। इसके अलावा, महाभारत में भी गंगा स्नान और अन्य पवित्र नदियों के जल में स्नान को पुण्यप्रद बताया गया है।

धार्मिक महत्व

शाही स्नान के धार्मिक महत्व को नकारा नहीं जा सकता। यह केवल शारीरिक स्वच्छता का माध्यम नहीं है, बल्कि यह आत्मा की शुद्धि, पापों से मुक्ति और मोक्ष प्राप्ति का एक अचूक साधन भी है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, कुंभ मेला एक ऐसे समय में आयोजित किया जाता है, जब देवता और असुरों के बीच संघर्ष हुआ था और अमृत की बूंदें पृथ्वी पर गिरी थीं। इन बूंदों के गिरने से उन स्थानों की महिमा और पवित्रता को दोगुना किया गया, जहाँ कुंभ मेला आयोजित होता है।स्नान करने के बाद व्यक्ति के पाप धुल जाते हैं और उसे विशेष आध्यात्मिक आशीर्वाद मिलता है। पुराणों में यह उल्लेख मिलता है कि शाही स्नान का समय ब्राह्म मुहूर्त (सबसे शुभ समय) में होता है, जब सभी देवता अपनी विशेष कृपा से स्नान करने वालों का आशीर्वाद प्रदान करते हैं। धार्मिक दृष्टि से यह मान्यता है कि जो लोग इस स्नान में भाग लेते हैं, उनका जीवन पवित्र हो जाता है और वे मोक्ष की ओर अग्रसर होते हैं।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण

शाही स्नान का आध्यात्मिक दृष्टिकोण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह केवल एक बाहरी शुद्धि का कार्य नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के आंतरिक भावनाओं और मानसिक स्थिति को शुद्ध करने का एक माध्यम भी है। इस स्नान के दौरान मन, वचन और क्रिया की शुद्धि होती है, जो व्यक्ति के जीवन के उद्देश्य को समझने में मदद करती है।इस दौरान साधु-संतों और आध्यात्मिक गुरुओं का आशीर्वाद, मंत्रोच्चारण और पूजा अनुष्ठान होते हैं, जो स्नान के अनुभव को और भी पवित्र बना देते हैं। शाही स्नान का उद्देश्य न केवल शारीरिक शुद्धता प्राप्त करना है, बल्कि यह आत्मिक यात्रा की शुरुआत भी है, जो व्यक्ति को जीवन के वास्तविक उद्देश्य की ओर मार्गदर्शन करती है।

महाकुंभ और शाही स्नानः

पुराणों में इसे विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम के रूप में वर्णित किया गया है, जिसमें आस्था, पवित्रता और मोक्ष की प्राप्ति के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। खासकर स्कंद पुराण में महाकुंभ के दौरान शाही स्नान के आयोजन का उल्लेख किया गया है, जिसमें यह कहा गया है कि संगम में स्नान करने से सभी आत्माएं शुद्ध होती हैं।इतिहास के पन्नों में भी महाकुंभ मेला और शाही स्नान के अवसर पर कई महान संतों, राजाओं और तपस्वियों द्वारा इस स्नान को किया गया है। यह एक प्रकार से आत्मशुद्धि, दैवीय आशीर्वाद और भविष्य में अच्छे कर्मों की शुरुआत का प्रतीक बन चुका है। शाही स्नान के दौरान विभिन्न अखाड़े अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता के अनुसार भाग लेते हैं, और उनका स्नान करने का क्रम तय किया जाता है। यह प्रक्रिया बहुत ही जटिल और परंपरागत होती है, जिसमें कई कारक शामिल होते हैं।

अखाड़ों का क्रम कैसे तय होता है?

महाकुंभ में शाही स्नान के दौरान अखाड़ों का क्रम इस प्रकार तय किया जाता है, जो उनकी धार्मिक स्थिति, परंपराओं और उनकी वरिष्ठता पर निर्भर करता है। यह क्रम मुख्य रूप से अखाड़ा परिषद द्वारा निर्धारित किया जाता है। अखाड़ा परिषद में सभी प्रमुख अखाड़ों के प्रतिनिधि होते हैं और यह परिषद ही निर्णय लेती है कि किस अखाड़े को शाही स्नान करने का सबसे पहला अवसर मिलेगा और किस अखाड़े को बाद में स्नान करना होगा।

इस क्रम को तय करते वक्त कई प्रमुख पहलुओं का ध्यान रखा जाता हैः

धार्मिक वरिष्ठताः प्रत्येक अखाड़े की धार्मिक और ऐतिहासिक स्थिति का मूल्यांकन किया जाता है। जिन अखाड़ों का इतिहास पुराना और गौरवमयी होता है, उन्हें पहले स्नान करने का अवसर मिलता है।

अखाड़े की महत्ताः जैसे "निर्मल अखाड़ा" और "अद्वितीय अखाड़ा" जैसे अखाड़े विशेष महत्व रखते हैं, इन्हें शाही स्नान में प्राथमिकता दी जाती है।

साधु-संतों की स्थितिः यदि किसी अखाड़े का प्रमुख संत या गुरु प्रमुख धार्मिक नेता है, तो उसके अनुसार भी स्नान का क्रम तय किया जाता है।

समाज में प्रतिष्ठाः किसी भी अखाड़े की समाज में प्रतिष्ठा और उसकी संख्या भी इसका निर्धारण करती है कि वह स्नान के लिए कब जाएगा।

हर 12 साल में ही क्यों लगता है कुम्भ मेला? क्या है कुम्भ मेले का महत्व?

डॉ. श्रीमन
नारायण मिश्रा
वरिष्ठ संरक्षक

प्रयागराज में 12 साल के लम्बे इन्तजार के बाद 13 जनवरी 2025 को कुम्भ मेला लगने वाला है। कई श्रद्धालुओं को इस मेले के लगने का बेसब्री से इन्तजार होता है। कुंभ मेला का आयोजन हिंदू धर्म की सबसे पवित्र और प्राचीन परंपराओं में से एक है। इस मेला के आयोजन के पीछे पौराणिक, धार्मिक और खगोलीय कारण हैं। हम इस लेख में वो कारण तो जानेंगे ही, साथ में ये भी जानेंगे कि कुम्भ मेला हर 12 साल पर ही क्यों लगता है...

कुंभ मेला क्यों लगता है?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवता और असुरों ने अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया था। मंथन के दौरान अमृत का एक कलश (कुंभ) निकला, जिसे असुरों से बचाने के लिए देवता भागे। भागने के दौरान अमृत की कुछ बूंदें चार स्थानों हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक में गिर गईं। इसलिए, तब से इन स्थानों को पवित्र माना गया और इन पर कुंभ मेले का आयोजन किया जाने लगा। अमृत की बूंदें हरिद्वार के ब्रह्म कुंड में गिरी थीं। उज्जैन में शिप्रा नदी के किनारे मेला लगता है। नासिक में गोदावरी नदी के तट पर कुंभ मेला आयोजित होता है।

कुम्भ मेला लगने का धार्मिक महत्व और आध्यात्मिक महत्वकुंभ मेला का उद्देश्य श्रद्धालुओं को आत्म शुद्धि का अवसर प्रदान करना है। मान्यता है कि कुंभ मेला के दौरान इन स्थानों पर स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। कुंभ मेले में गंगा, यमुना, और अदृश्य सरस्वती के संगम में स्नान करने से पापों का नाश और आत्मा की शुद्धि होती है। यह मेला साधु-संतों, गुरुओं और श्रद्धालुओं के मिलन का केंद्र है, जहां ज्ञान, भक्ति और सेवा का आदान-प्रदान होता है।

कुंभ मेला हर 12 साल में ही क्यों लगता है?

कुंभ मेला की तिथियां खगोलीय घटनाओं के आधार पर तय होती हैं। बृहस्पति ग्रह और सूर्य की स्थिति का कुंभ मेले से गहरा संबंध है। जब बृहस्पति ग्रह कुंभ राशि में प्रवेश करता है और सूर्य मकर राशि में होता है, तब कुंभ मेले का आयोजन होता है। बृहस्पति को अपनी कक्षा में 12 साल का समय लगता है, इसलिए कुंभ मेला हर 12 साल में एक बार आयोजित होता है। हिंदू ज्योतिष शास्त्र में 12 राशियां होती हैं। 12 राशियां 12 महीनों का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो समय चक्र और मानव जीवन से जुड़े होते हैं। कुंभ राशि में बृहस्पति और सूर्य के आने पर यह मेला आयोजित होता है। इसके अलावा 12 साल का चक्र मानव जीवन में एक विशेष ऊर्जा परिवर्तन को दर्शाता है।

यह समय आत्मशुद्धि, आस्था और ध्यान के लिए उपयुक्त माना गया है।

प्रयागराज महाकुंभ में ये होगा खास
जानें स्नान की महत्वपूर्ण तिथियां

महाकुंभ का आयोजन हर 12 साल में होता है. देश में चार जगहों प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में महाकुंभ का आयोजन होता है. हर 3 साल में कुंभ मेला और 6 साल में अर्ध कुंभ का आयोजन किया जाता है. इस बार महाकुंभ प्रयागराज में संगम तट पर 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि तक कुल 45 दिन चलेगा.

प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ 2025 की तैयारियां अंतिम चरण में हैं. वर्ष 2019 में हुए कुंभ में 25 करोड़ से अधिक स्थानीय व विदेशी श्रद्धालु पहुंचे थे. इस बार ये संख्या इससे काफी अधिक मानी जा रही है. इसलिए तैयारियां भी उसी स्तर पर की जा रही हैं. यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ से जुड़ी तैयारियों के लिए डेडलाइन 10 दिसंबर तय की है. उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि वर्ष 2019 में कुंभ का सफल आयोजन कर यूपी ने मानक स्थापित किया है. इस बार लोगों की अपेक्षाएं और अधिक हैं. 2019 में मेला क्षेत्र 3200 हेक्टेयर में फैला था. इस बार 4000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में इसका विस्तार किया जा रहा है.

गंगा और यमुना का पानी होगा साफ

महाकुंभ 2025 में करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के लिए गंगा-यमुना में बिजनौर से बलिया तक प्रदूषण मुक्त रखने के लिए जीरो डिस्चार्ज का पालन किया जाएगा. कानपुर, लखनऊ, बाराबंकी और अयोध्या से प्रयागराज तक के आवागमन को आसान बनाने के लिए स्टील ब्रिज का निर्माण भी 10 दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं. श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए 7000 से अधिक बसें लगाई जाएंगी. इसें इलेक्ट्रिक बसें भी होंगी. 1.5 लाख से अधिक शौचालय मेला क्षेत्र में स्थापित किए जाएंगे. 10 हजार कर्मचारियों यहां की सफाई व्यवस्था के लिए तैनात होंगे.

एआई टूल से तैयार हो रहा सिक्योरिटी मॉडल

महाकुंभ 2025 में आने-जाने के लिए एयरपोर्ट से मेला क्षेत्र तक वीवीआईपी कॉरिडोर बनाया जाएगा. विशेष स्नान के दिनों में वीआईपी मूवमेंट पर रोक रहेगी. जिससे आम श्रद्धालुओं को दिक्कतें न हों. सिक्योरिटी मॉडल एआई टूल से तैयार करने के निर्देश दिए हैं. मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के लिए तीन पुलिस लाइन, तीन महिला थाना और 10 पुलिस चौकी स्थापित की जाएंगी. कल्पवासी, स्नानार्थी, श्रद्धालु, पर्यटक, सबकी सुरक्षा-सुविधा का ध्यान रखा जाएगा. पुलिस को सभी से सहयोग और अच्छा व्यवहार रखने के निर्देश दिए गए हैं. विशेष स्नान पर्व पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए क्राउड मैनेजमेंट, फायर सर्विस, हेल्प डेस्क, पार्किंग, सीसीटीवी की व्यवस्था रहेगी. एंटी ड्रोन सिस्टम भी मेला क्षेत्र में लगाया जाएगा. सुरक्षा के लिए नए जीआरपी थाने, चौकसी बढ़ाने के लिए रेलवे-यूपी पुलिस के बीच समन्वय स्थापित पर ध्यान दिया जाएगा. बेहतर प्रबंधन के लिए अखाड़ों, आचार्यों, संतों से भी मार्गदर्शन लिया जाएगा.

ये हैं प्रमुख स्नान तिथियां

14 जनवरी मकर संक्रांति
29 जनवरी मौनी अमावस्या
03 फरवरी बसंत पंचमी
12 फरवरी माघ पूर्णिमा
13 फरवरी पौष पूर्णिमा
26 फरवरी महाशिवरात्रि

'सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः' महाकुंभ का ध्येय वाक्य

प्रयागराज महाकुंभ-2025 के लोगो भी जारी किया जा चुका है. महाकुंभ का ध्येय वाक्य सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः (सभी प्रकार की सिद्धि प्रदान करने वाला कुंभ है. इस लोगो में समुद्र मंथन में निकले अमृत कलश को दर्शाया गया है. मंदिर, द्रष्टा, कलश और अक्षयवट के साथ ही हनुमान जी की छवि भी उकेरी गई है. एक साधु द्वारा महाकुंभ के लिए शंखनाद और दो साधुओं को प्रणाम की मुद्रा में दर्शाया गया है. अमृत कलश के मुख को भगवान विष्णु, गर्दन को रुद्र,आधार को ब्रम्हा, बीच के भाग को समस्त देवियों और अंदर के जल को संपूर्ण सागर का प्रतीक माना जाता है. तीनों नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी 'संगम'को भी इसमें जगह दी गई है.

कब-कब हैं मुख्य स्नान पर्व

हर 12 साल में महाकुंभ का आयोजन होता है. देश में चार जगहों प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में महाकुंभ का आयोजन होता है. हर 3 साल में कुंभ मेला और 6 साल में अर्ध कुंभ का आयोजन होता है. इस बार महाकुंभ प्रयागराज में संगम तट पर 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि तक चलेगा. मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा, महाशिवरात्रि को विशेष स्नान पर्व होगा.

डिजिटल कुंभ म्यूजियम बनाएगी योगी सरकार

प्रयागराज में पर्यटन विभाग 'डिजिटल कुंभ म्यूजियम' बनाने की तैयारी कर रहा है. वहां श्रद्धालु डिजिटल माध्यमों से समुद्र मंथन देख सकेंगे. इसमें कुंभ, महाकुंभ सहित अन्य धार्मिक-आध्यात्मिक स्थलों की जानकारी भी दी जाएगी. प्रयागराज में शिवालय पार्क के पास अरैल रोड नैनी में डिजिटल कुंभ म्यूजियम बनेगा. इसके लिए 21.38 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं. संग्रहालय 10 हजार वर्ग मीटर में होगा. इसमें एक साथ 2000 से 2500 लोग घूम सकेंगे. डिजिटल म्यूजियम में समुद्र मंथन की 14 रत्नों वाली गैलरी बनाई जाएगी. डिजिटल स्क्रीन सहित अन्य माध्यमों से प्रयागराज महाकुंभ-कुंभ, हरिद्वार, नासिक, उज्जैन कुंभ के बारे में बताया जाएगा.

महाकुंभ-2025 से पहले यूपी के सभी 18 मंडलों में 'कुंभ समिट' कराया जा रहा है. 8 अक्टूबर को लखनऊ से इसकी शुरुआत हो चुकी है. 11-12 अक्टूबर को झांसी मंडल का समिट बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में हो चुका है. ये आयोजन 14 दिसंबर तक चलेगा

ये हैं कुंभ समिट की तिथियां

14-15 अक्टूबर को वाराणसी मंडल में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
17-18 अक्टूबर को चित्रकूट मंडल में कुंभ समिट श्रीरामभद्राचार्य विश्वविद्यालय में होगा
21-22 अक्टूबर को कानपुर मंडल में छत्रपति साहू जी महाराज विश्विद्यालय
24-25 को अयोध्या मंडल में यह समिट राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय
05 व 06 नवंबर को मेरठ के स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय
08-09 नवंबर को अलीगढ़ के मंगलायतन विश्वविद्यालय 11-12 नवंबर को आगरा के दयालबाग इंस्टीट्यूट
14-15 नवंबर को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय 18-19 नवंबर को आजमगढ़ मंडल के दुर्गा जी स्नातकोत्तर महाविद्यालय
21-22 नवंबर को मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय सहारनपुर मंडल 25-26 नवंबर को तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय मुरादाबाद 28-29 नवंबर को बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय
02-03 दिसंबर को मीरजापुर मंडल का कुंभ समिट राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सोनभद्र
05-06 दिसंबर को देवीपाटन मंडल का आदिशक्ति मां पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल
09-10 दिसंबर को बस्ती मंडल का कुंभ समिट संत कबीर अकादमी मगहर संतकबीर नगर
13-14 दिसंबर को प्रयागराज के उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में कुंभ समिट होगा

प्रयागराज कुंभ मेला 2025 तक कैसे पहुंचें

प्रयागराज कुंभ मेला 2025 साल के सबसे प्रतीक्षित आध्यात्मिक आयोजनों में से एक है, और लाखों भक्तों और आगंतुकों के त्रिवेणी संगम के पवित्र स्थल पर इकट्ठा होने की उम्मीद है। चाहे आप भारत के भीतर से आ रहे हों या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा कर रहे हों, प्रयागराज पहुँचने की योजना बनाना एक सुचारू और पूर्ण तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने की कुंजी है। इस गाइड में, हम कुंभ मेला 2025 तक आसानी से पहुँचने में आपकी मदद करने के लिए सभी आवश्यक यात्रा विकल्पों को शामिल करते हैं ।

हवाई मार्ग सेः प्रयागराज कुम्भ मेले के लिए उड़ान

जो लोग सबसे तेज़ और सबसे सुविधाजनक यात्रा विकल्प की तलाश में हैं, उनके लिए प्रयागराज के लिए उड़ान भरना एक बढ़िया विकल्प है। प्रयागराज हवाई अड्डा (बमरौली हवाई अड्डा) , जिसे इलाहाबाद हवाई अड्डे के रूप में भी जाना जाता है , भारत भर के प्रमुख शहरों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

घरेलू उड़ानें

प्रयागराज प्रमुख भारतीय शहरों से सीधे जुड़ा हुआ हैः

दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर, कोलकाता, लखनऊ

इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी कई घरेलू एयरलाइंस प्रयागराज के लिए नियमित उड़ानें प्रदान करती हैं, खासकर कुंभ मेला 2025 जैसे पीक सीज़न के दौरान । अंतिम समय की भीड़ और अधिक कीमतों से बचने के लिए अपने टिकट पहले से ही बुक करना उचित है।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानें

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए, वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा या लखनऊ का चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा सबसे नज़दीकी विकल्प हैं। दोनों हवाई अड्डे दुनिया भर के प्रमुख शहरों से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। वहाँ से, आप प्रयागराज पहुँचने के लिए आसानी से घरेलू उड़ान ले सकते हैं या ट्रेन या बस जैसे अन्य परिवहन विकल्प चुन सकते हैं।

हवाई अड्डा स्थानान्तरण

प्रयागराज एयरपोर्ट पर पहुंचने पर, आप प्रीपेड टैक्सी, निजी कैब और बसों सहित विभिन्न एयरपोर्ट ट्रांसफर सेवाओं में से चुन सकते हैं। कई टूर ऑपरेटर अपने कुंभ मेला पैकेज के हिस्से के रूप में पहले से व्यवस्थित परिवहन भी प्रदान करते हैं ।

ट्रेन सेः भारतीय रेलवे पर एक आध्यात्मिक यात्रा

प्रयागराज पहुँचने के लिए ट्रेन यात्रा सबसे लोकप्रिय और किफायती तरीकों में से एक है, खासकर कुंभ मेले के दौरान। प्रयागराज जंक्शन (PRYJ) , जिसे पहले इलाहाबाद जंक्शन के नाम से जाना जाता था , एक प्रमुख रेलवे हब है जो शहर को भारत के लगभग सभी हिस्सों से जोड़ता है।

प्रमुख रेल मार्ग

प्रयागराज के लिए विभिन्न शहरों से कई एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें चलती हैं जैसेः

दिल्ली : प्रयागराज एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस, हमसफर एक्सप्रेस

मुंबई : महानगरी एक्सप्रेस, कामायनी एक्सप्रेस

कोलकाता : हावड़ा एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस

चेन्नई : गंगा कावेरी एक्सप्रेस

भारतीय रेलवे आमतौर पर कुंभ मेले के दौरान तीर्थयात्रियों की आमद को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज के लिए विशेष ट्रेनें चलाता है। अपनी टिकटें पहले से बुक कर लेना अत्यधिक अनुशंसित है, क्योंकि ट्रेनें महीनों पहले ही पूरी तरह से बुक हो जाती हैं।

स्टेशन से स्थानीय परिवहन

एक बार जब आप प्रयागराज जंक्शन पहुंच जाते हैं, तो आपको आपके आवास या सीधे कुंभ मेला स्थल तक ले जाने के लिए ऑटो-रिक्शा, बस और टैक्सी सहित कई परिवहन विकल्प उपलब्ध होते हैं।

सड़क मार्ग सेः प्रयागराज कुंभ मेले तक ड्राइव करें

अगर आप ज़्यादा लचीले यात्रा विकल्प को पसंद करते हैं, तो प्रयागराज तक सड़क मार्ग से जाना एक अच्छा विकल्प है। शहर राजमार्गों के व्यापक नेटवर्क के ज़रिए पड़ोसी क्षेत्रों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है, जिससे यहाँ कार या बस से पहुँचा जा सकता है।

बस सेवाएं

प्रयागराज के लिए सरकारी और निजी दोनों तरह की बसें नियमित रूप से चलती हैं। यूपी राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) जैसे राज्य परिवहन निगम और निजी ऑपरेटर दिल्ली, वाराणसी, लखनऊ और कानपुर जैसे प्रमुख शहरों से प्रयागराज के लिए एसी और नॉन-एसी बसें चलाते हैं। बस टिकट पहले से बुक करने से परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित होती है, खासकर कुंभ मेले के चरम दिनों के दौरान।

निजी कार या टैक्सी

परिवारों या समूहों के साथ यात्रा करने वालों के लिए, निजी कार या टैक्सी किराए पर लेना अधिक आरामदायक और व्यक्तिगत यात्रा अनुभव प्रदान कर सकता है। कई टूर ऑपरेटर कुंभ मेला पैकेज के हिस्से के रूप में कार किराए पर लेने की सेवाएँ प्रदान करते हैं , जिसमें हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों या आस-पास के शहरों से पिक-अप और ड्रॉप-ऑफ विकल्प शामिल हैं।

प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग

दिल्ली से प्रयागराज : एनएच 19 के माध्यम से लगभग 700 किमी (लगभग 11 घंटे की ड्राइव)

लखनऊ से प्रयागराज : एनएच 30 के माध्यम से लगभग 200 किमी (लगभग 4-5 घंटे की ड्राइव)

वाराणसी से प्रयागराज : एनएच 19 के माध्यम से लगभग 120 किमी (लगभग 3 घंटे की ड्राइव)

कानपुर से प्रयागराज : लगभग 200 किमी (लगभग 4-5 घंटे की ड्राइव)

नाव सेः प्रयागराज पहुंचने का एक अनूठा अनुभव

जो लोग ज़्यादा अनोखे और सुंदर रास्ते की तलाश में हैं, उनके लिए कुंभ मेले में नाव से यात्रा करना एक अविस्मरणीय अनुभव है। हालाँकि यह परिवहन का सबसे आम तरीका नहीं है, लेकिन तीर्थयात्री गंगा नदी के ज़रिए नाव से प्रयागराज पहुँच सकते हैं ।यह विकल्प आम तौर पर कुछ टूर ऑपरेटरों द्वारा पेश किए जाने वाले विशेष कुंभ मेला पैकेज का हिस्सा होता है । नाव से पहुँचने पर आप पवित्र नदी को उसकी पूरी भव्यता में अनुभव कर सकते हैं और पवित्र शहर के पास पहुँचने पर आध्यात्मिक रूप से तैयार हो सकते हैं।कुंभ मेले के दौरान प्रयागराज के भीतर भ्रमणप्रयागराज पहुंचने के बाद, शहर और विशाल कुंभ मेला मैदान में विभिन्न स्थानीय परिवहन विकल्पों के साथ घूमना आसान हो जाता है। आयोजन स्थल के पास बड़ी भीड़ और सीमित वाहनों की आवाजाही को देखते हुए, सार्वजनिक परिवहन सबसे व्यावहारिक विकल्प हैः

ऑटो-रिक्शा : ये व्यापक रूप से उपलब्ध हैं और शहर में छोटी यात्राओं के लिए आदर्श हैं।

साइकिल रिक्शा : परिवहन का एक अधिक पारंपरिक साधन, साइकिल रिक्शा कुंभ मेला मैदान के पास भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में जाने के लिए एक सुविधाजनक और किफायती तरीका हो सकता है।

बसें : सरकार द्वारा संचालित स्थानीय बसें प्रयागराज और कुंभ मेला स्थल के प्रमुख स्थानों के बीच यात्रियों को ले जाती हैं।

पैदल चलना : कुंभ मेले का अनुभव करने का सबसे आध्यात्मिक और संतुष्टिदायक तरीका पैदल चलना है। पैदल चलने से आप मेले के दृश्यों, ध्वनियों और माहौल में पूरी तरह डूब सकते हैं।

आपकी भी रुचि हो सकती हैः

महाकुंभ मेला 2025 के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

कुंभ मेला 2025 स्नान तिथियां (शाही स्नान / गैर-शाही स्नान तिथियां)

कुंभ मेला 2025 में आवास

कुंभ मेला पैकेज बुकिंग

कुंभ मेले में गाइड सेवाएं

कुंभ मेले में कार / टैक्सी किराये की सेवाएं

प्रयागराज कुंभ मेला 2025 के लिए महत्वपूर्ण यात्रा युक्तियाँ

जल्दी बुक करें : चाहे आप हवाई यात्रा कर रहे हों, ट्रेन से या सड़क मार्ग से, जल्दी बुकिंग करवाना बहुत ज़रूरी है। इससे आपको सबसे बढ़िया डील मिलेगी और आखिरी समय में होने वाली परेशानियों से बचा जा सकेगा, खास तौर पर कुंभ मेले के व्यस्त मौसम में।

भीड़ के लिए योजना बनाएं : कुंभ मेला लाखों लोगों के साथ एक विशाल आयोजन है। लंबी कतारों, भीड़ भरे परिवहन और संभवतः लंबे समय तक प्रतीक्षा करने के लिए तैयार रहें, खासकर स्नान के चरम दिनों के दौरान।

आवश्यक वस्तुएं साथ रखें : यात्रा के दौरान पानी की बोतलें, हल्का नाश्ता और दवाइयां जैसी आवश्यक वस्तुएं साथ रखना सुनिश्चित करें, विशेषकर जब आप सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर रहे हों या मेला परिसर में लंबी दूरी तक पैदल चल रहे हों।हमेशा अपडेट रहें : सड़क और यातायात की स्थिति के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन कार्यक्रम में किसी भी अंतिम-मिनट के बदलाव के बारे में हमेशा अपडेट रहें। सरकारी वेबसाइट और ऐप अक्सर कुंभ मेले के दौरान लाइव अपडेट प्रदान करते हैं।

कानूनी व्यवस्था का पालन करना ही सभी नागरिकों के लिए परम कर्त्तव्य। ग्वालियर संभाग के डी आई जी अमित सांघी जी ने हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के संपादक मनोज चतुर्वेदी से विशेष चर्चा में कहा। **पूर्ण चर्चा अगले अंक**

सिविल अस्पताल हजीरा के आईसीयू में मरीजों की भर्ती शुरू

ग्वालियर : उप नगर ग्वालियर के हजीरा स्थित सिविल अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में गुरुवार को 4 मरीज उपचार के लिए भर्ती किए गए। इसी के साथ यह आईसीयू विधिवत रूप से शुरू हो गई। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अपने ज्येष्ठ भ्राता स्व. देवेन्द्र सिंह तोमर की स्मृति में जनसहयोग से इस सिविल अस्पताल हजीरा में आईसीयू की स्थापना कराई है। गत 4 जनवरी को ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अपनी माताश्री श्रीमती सुधा तोमर से इस आईसीयू का लोकार्पण कराया था। आईसीयू प्रभारी डॉक्टर वीरपाल सिंह यादव के मुताबिक आईसीयू सर्व सुविधा युक्त और अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है। गंभीर रूप से पीड़ित भर्ती मरीजों के लिए आईसीयू सुविधा मिल जाने से हजीरा सहित उपनगर ग्वालियर

क्षेत्र के निवासियों में खुशी की लहर है। यहाँ के निवासी ऊर्जा मंत्री श्री तोमर को दिल से दुआएं दे रहे हैं। तानसेन नगर निवासी श्री अनिल अपनी नानी को यहां भर्ती कराया। इसी तरह पीएचई कॉलोनी निवासी श्री राहुल बैस ने अपने स्वजन को इलाज के लिये आईसीयू में भर्ती कराया। इन सभी का कहना था कि यहां की व्यवस्थाओं से वह संतुष्ट व खुश हैं।

सुविधा पेट्रोल पंप पर कलेक्टर एवं एसपी की मौजूदगी में मीना बनी "शक्ति दीदी"

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में 4 अन्य पेट्रोल पंप पर शक्ति दीदियों ने शुरू किया काम, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने "शक्ति दीदी" के रूप में जिला प्रशासन ने की है यह पहल, शहर के पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर की भूमिका निभायेंगीं "शक्ति दीदी"

ग्वालियर के पड़ाव आरओबी के समीप स्थित वैश्य एण्ड मुखर्जी पेट्रोल पंप पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने श्रीमती जयश्री हालदार को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी।

ग्वालियर शहर के पाँच व्यस्ततम पेट्रोल पंप पर नए साल के दूसरे दिन गुरुवार को पाँच महिलाओं ने 'शक्ति दीदी' के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर का मोर्चा संभाल लिया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह की मौजूदगी में कम्पू ईदगाह स्थित सुविधा पेट्रोल पंप पर श्रीमती मीना जाटव को 'शक्ति दीदी' की जैकेट पहनाई। इसके साथ ही मीना ने फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में वाहनों में तेल भरने का काम शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में ग्वालियर जिले में "शक्ति दीदी" के नाम से जिला प्रशासन द्वारा यह प्रेरणादायी पहल की गई है।

प्रथम चरण में जिन महिलाओं को "शक्ति दीदी" के रूप में फ्यूल वर्कर के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराया गया है, वे ऐसी महिलायें हैं जो अपनो द्वारा उपेक्षित हैं अथवा जिनके पति का असमय निधन हो चुका है। खुशी की बात है कि पेट्रोल पंप संचालकों ने इस सराहनीय पहल में सहयोग करने का भरोसा दिलाया है और कहा है कि वे अपने पेट्रोल पंपों पर शक्ति दीदी के रूप में केवल एक ही महिला नहीं अन्य जरूरतमंद महिलाओं को भी शक्ति दी दी बनाकर रोजगार देंगे।

जिला प्रशासन की इस पहल के पहले चरण में शहर के चार अन्य पेट्रोल पंपों पर भी गुरुवार को "शक्ति दीदी" के रूप में अलग-अलग महिलाओं ने फ्यूल डिलेवरी वर्कर का मोर्चा संभाला। पड़ाव आरओबी के समीप स्थित वैश्य एण्ड मुखर्जी पेट्रोल पंप पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने श्रीमती जयश्री हालदार को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपी। इसी तरह संस्कृति पेट्रोल पंप न्यू कलेक्ट्रेट पर अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने श्रीमती रानी शाक्य, दर्शन फ्यूल स्टेशन पिंटो पार्क पर अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने श्रीमती प्रीति माझी एवं सांई राम पेट्रोल पंप चेतकपुरी पर एडीएम श्री टी एन सिंह ने श्रीमती निशा परिहार का स्वागत कर उन्हें शक्ति दीदी का दायित्व सौंपा। महिला फ्यूल वर्कर के रूप में तैनात शक्ति दीदी की ड्यूटी की अवधि प्रातः 9 बजे से सायंकाल 5 बजे तक रहेगी।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने सुविधा पेट्रोल पंप की "शक्ति दीदी" श्रीमती मीना जाटव का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि वे पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें। जिला प्रशासन सहयोग के लिये सदैव तत्पर रहेगा। साथ ही पुलिस के सहयोग से आपकी सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जायेगा। उन्होंने इस अवसर पर शहरवासियों का आह्वान किया कि वे पेट्रोल पंपों पर अपने वाहन में तेल भरवाते समय फ्यूल वर्कर की भूमिका निभा रही शक्ति दीदी का सम्मान और हौसला अफजाई करें, जिससे उनका मनोबल बढ़े।

उन्होंने पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों एवं पेट्रोल पंप संचालकों से भी कहा कि वे शक्ति दीदी को फ्यूल डिलेवरी वर्कर का काम करने के लिये अच्छा प्रशिक्षण दिलाएँ, जिससे उन्हें काम करने में कोई परेशानी न हो। साथ ही कहा कि शक्ति दीदी को निर्धारित वेतन के साथ-साथ बीमा व भविष्य निधि कटौत्रा का लाभ एवं साप्ताहिक अवकाश अवश्य दिया जाए।

पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने सभी शक्ति दीदियों को आश्वस्त किया है कि पुलिस द्वारा उनकी सुरक्षा व सुविधा का पूरा ध्यान रखा जायेगा। नजदीकी थाने के गश्ती व बीट स्टाफ के फोन नम्बर महिला वर्कर को उपलब्ध कराए जायेंगे। साथ ही बीट स्टाफ नियमित रूप से पेट्रोल पंप का भ्रमण भी करेगा। यहां काम करने वाली महिलाओं को प्रशिक्षण, वेतन, बीमा, और भविष्य निधि जैसी सुविधाएं मिलेंगी। उनकी सुरक्षा के लिए पुलिस गश्ती और निगरानी का प्रबंध रहेगा। यह योजना महिलाओं के लिए नए रोजगार अवसर प्रदान करने के साथ उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रेरणादायक कदम है।पेट्रोल पंप पर काम के पहले दिन की शुरुआत करने वाली कोटेश्वर चंदन नगर निवासी मीणा जाटव ने बताया कि कलेक्टर मैडम ने पेट्रोल पंप पर मेरी जॉब लगवाई है। मीना ने कहा कि पति ने उसे छोड़ रखा है। पिछले 4 साल से वह अपने तीन साल के बच्चे के साथ माता-पिता के घर रह रही है। उसकी डिलीवरी भी उसके माता-पिता के घर पर ही हुई है, उसका पति उसे मारता-पीटता था। लेकिन अब उसकी जॉब लग गई है, तो अब वह अपने और अपने बच्चे का अच्छी तरह से ख्याल रख सकेगी।

कोई भी अपराधी कानून से ना बच पाए यही हमारा ध्येय है । नया वर्ष का प्रारंभ शांति पूर्ण हो यही हमारा ध्येय था और इसी क्रम में मंकर संक्रान्ति भी हर्षोल्लास से मने इस की भी तैयारी। यह बात अति. भी अपराधी कानून से ना बच पाए यही हमारा ध्येय है । नया वर्ष का प्रारंभ शांति पूर्ण हो यही हमारा ध्येय था और इसी क्रम में मंकर संक्रान्ति भी हर्षोल्लास से मने इस की भी तैयारी। यह बात निरंजन शर्मा अति.पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ग्वालियर जी ने हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के संपादक मनोज चतुर्वेदी से विशेष चर्चा में कहा।

गिट्टी के अवैध परिवहन में लिप्त पाँच ट्रक जब्त

खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन व परिवहन के खिलाफ कार्रवाई जारी

ग्वालियर खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत जिला प्रशासन, खनिज एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने गुरुवार को बिलौआ एवं बिजौली थाना क्षेत्र में गहन जाँच की। इस दौरान बिना रॉयल्टी के गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पाँच ट्रक जब्त किए गए हैं। जब्त किए गए ट्रक पुलिस की अभिरक्षा में खड़े कराए गए हैं। साथ ही इस अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अवैध उत्खनन व परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई करने के निर्देश खनिज अधिकारी को दिए हैं।

मेले में आकर्षण का केन्द्र बनी जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने किया प्रदर्शनी का शुभारंभ

संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में की समीक्षा

ग्वालियर व्यापार मेले में 20 से 27 जनवरी तक होगा दंगल

कवि सम्मेलन एवं वृहद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी होगा

ग्वालियर व्यापार मेले में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली दंगल प्रतियोगिता का आयोजन होने के साथ ही कवि सम्मेलन और वृहद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जायेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन संस्कृति विभाग के माध्यम से और दंगल प्रतियोगिता का आयोजन खेल विभाग के माध्यम से किया जायेगा। मेले में आने वाले सैलानियों के आकर्षण के लिए मेले में हर प्रकार के आयोजन और व्यवस्थायें सुनिश्चित की जायेंगीं। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने गुरुवार को मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में आयोजित बैठक में यह बात कही।

मेला प्राधिकरण के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में मेले में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में भी आवश्यक समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी मेला श्रीमती अंजू अरुण कुमार, एडिशनल एसपी श्री अखिलेश रैनवाल, एसडीएम श्री अशोक चौहान, एसडीएम श्री नरेन्द्र यादव, मेला सचिव श्री टी आर रावत सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने बैठक में कहा कि झूला सेक्टर की नियमित जाँच की जाए। इसके साथ ही किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो। इसके लिये आवश्यक सावधानियां बरती जाएं। जो झूला संचालक सुरक्षा के लिये दिए गए निर्देशों का पालन न करें, उनके विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही फायर ब्रिगेड एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सुरक्षा के लिये की गई व्यवस्थाओं की मॉकड्रिल भी करें।

संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि मेला परिसर के साथ-साथ पार्किंग एवं झूला सेक्टर में भी पुलिस की उपस्थिति दिखाई दे। मेले में किसी भी प्रकार से आने वाले सैलानियों और दुकानदारों को परेशानी न हो। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रैनवाल ने बताया कि मेले में लगभग 125 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है जो निरंतर सुरक्षा व्यवस्था में लगे हुए हैं। संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने यह भी निर्देशित किया है कि सभी पार्किंग स्थलों पर पार्किंग की दरों के साथ फ्लैक्स

भी प्रदर्शित किए जाएं।

मेले की दुकानों का आवंटन ऑनलाइन होगा

संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा है कि आगामी वर्ष में ग्वालियर व्यापार मेले की दुकानों का आवंटन ऑनलाइन किया जायेगा। इसके लिये श्रम विभाग के माध्यम से दुकानों के सर्वेक्षण का कार्य भी कराया जा रहा है। सर्वेक्षण के उपरांत विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर आगामी वर्ष में दुकानों का आवंटन ऑनलाइन हो, यह सुनिश्चित किया जायेगा।

मेले में होगा दंगल

संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने बैठक में कहा है कि ग्वालियर मेले में प्रतिवर्ष होने वाली दंगल प्रतियोगिता का आयोजन भी इस वर्ष 20 जनवरी से 27 जनवरी के मध्य किया जायेगा। खेल विभाग के माध्यम से आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में स्थानीय एवं बाहर से आने वाले पहलवान अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने खेल विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रतियोगिता की सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ली जाएं। प्रतियोगिता में आने वाले पहलवानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए।

विभागीय प्रदर्शनियां 3 जनवरी तक करें पूर्ण

संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने विभागीय प्रदर्शनी की समीक्षा के दौरान कहा है कि सभी विभाग अपनी-अपनी विभागीय प्रदर्शनियां 3 जनवरी तक पूर्ण करें, ताकि मेले में आने वाले सैलानी उसका अवलोकन कर शासन की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर सकें। उन्होंने सीईओ जिला पंचायत श्री विवेक कुमार से कहा है कि 3 जनवरी तक जिन विभागों की प्रदर्शनी पूर्ण न हो, उनकी रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि विभागीय अधिकारियों के विरूद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

फायर सेफ्टी का रखें विशेष ध्यान

संभागीय आयुक्त श्री खत्री ने समीक्षा बैठक के दौरान यह भी निर्देशित किया है कि मेले में फायर सेफ्टी पर विशेष ध्यान दिया जाए। संबंधित विभागीय अधिकारी मेले में लगी दुकानों का निरीक्षण कर अग्नि सुरक्षा प्रबंधनों की जांच करें। प्रत्येक 10 दुकानों के मध्य फायर एनओसी लेने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा है कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

ग्वालियर में कबड्डी के मैच के दौरान कुर्सियां चल गईं। ग्वालियर टीम और दर्शकों ने इंदौर के खिलाड़ियों से की मारपीट

ग्वालियर ग्वालियर में कबड्डी के मैच के दौरान कुर्सियां चल गईं। ग्वालियर टीम और दर्शकों ने इंदौर के खिलाड़ियों से मारपीट की। इंदौर के एक खिलाड़ी ने रेफरी को चांटा मार दिया था, इसके बाद ही झगड़ा शुरू हुआ।

शहर के फूल बाग मैदान में 50वीं राज्य स्तरीय जूनियर अंडर-20 चैम्पियनशिप (महापौर खेल महोत्सव) का शुभारंभ गुरुवार को ही हुआ। ग्वालियर और इंदौर के बीच कबड्डी का नॉकआउट मुकाबला हुआ। आखिरी 1 मिनट का खेल बाकी था। दोनों टीमों का स्कोर 25-25 पॉइंट पर पहुंच गया।मुकाबला रोमांचक होने पर आसपास खड़े दोनों टीमों के सपोर्टर दर्शक अपनी टीम की जीत के लिए नारे लगाने लगे। इस बीच असिस्टेंट रेफरी संस्कार सिंह ने इंदौर के एक खिलाड़ी को नियमों के तहत आउट कर ग्राउंड के बाहर जाने का इशारा किया। इतने में इंदौर टीम के 11 नंबर टी-शर्ट पहने खिलाड़ी ने असिस्टेंट रेफरी को धक्का मार कर गाल पर चांटा मार दिया। असिस्टेंट रेफरी के साथ हुई अभद्रता पर दर्शकों ने इंदौर के खिलाड़ियों की तरफ दौड़ लगाकर कुर्सियों के साथ लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। घटना के वीडियो सामने आए हैं। इसमें ग्वालियर टीम के खिलाड़ी भी कुर्सी लेकर इंदौर टीम के खिलाड़ियों मारते नजर आ रहे हैं। आयोजकों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसके पहले ही सभी इधर-उधर हो लिए। इंदौर टीम के खिलाड़ी भी ग्राउंड से जान बचाकर भागे।इंदौर के कोच बोले- मैच सुरक्षा के बीच हों मैच रेफरी संस्कार सिंह का कहना है कि उनके साथ इंदौर के खिलाड़ी ने मारपीट की। इसके बाद दर्शकों ने अपना आपा खो दिया। वहीं, इंदौर टीम के कोच मोहित का आरोप है कि ग्वालियर की टीम के खिलाड़ियों ने अपनी हार को करीब देखते हुए उनके खिलाड़ियों के साथ मारपीट की है।

पुलिस को देखकर उभरी चिंता की लकीरें गुलदस्ता मिला तो खुशी में बदली

ग्वालियर बड़ी संख्या में पुलिस को नजदीक आते देखकर भेलपुरी दुकान के मालिक के माथे पर चिंता की लकीरें उभर आईं। पर पुलिस ने दुकान पर जाकर गुलदस्ता भेंट किया और कहा कि हम सब आपके स्वागत के लिए आए हैं तो दुकान मालिक का चेहरा खुशी से खिल गया। यह सुखद वाकया गुरुवार को दोपहर श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला के छत्री नं. 12 के समीप स्थित मुम्बई वाले की भेलपुरी दुकान का है। दुकानदारों व सैलानियों को सुरक्षा का भरोसा दिलाने के लिए पुलिस अधिकारी व लगभग 30 जवान मेले के विभिन्न सेक्टर में भ्रमण पर निकले थे। इसी दौरान छत्री नं. 12 के समीप स्थित मुम्बई वाले की भेलपुरी नाम से संचालित दुकान पर सैलानियों की भीड़ लगी थी। पर दुकान के आस-पास जरा सी भी गंदगी नहीं थी और दुकान के सामने एक बड़ी सी डस्टबिन रखी थी। यह देखकर एसडीओपी श्री संतोष पटेल ने दुकान मालिक को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही मेला देखने आए सैलानियों ने तालियां बजाकर दुकानदार का स्वागत किया

जल्दी से जल्दी अपराधी को सजा दिलवाने के लिए ही हम हमेशा तत्पर्य रहते है । यह बात जयराज कुबेर जी ग्वालियर पुलिस अधीक्षक अजाक ने हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के संपादक मनोज चतुर्वेदी से विशेष चर्चा में कहा। **पूर्ण चर्चा अगले अंक मै**

ग्वालियर में 12वीं के छात्र ने कर दिया कमाल

बनाया लोगों को लेकर उड़ने वाला ड्रोन

ग्वालियर में सिंधिया स्कूल के एक छात्र ने कमाल कर दिखाया है. उसने कड़ी मेहनत के बल पर अनूठा ड्रोन बनाने में सफलता हासिल की. ड्रोन को एक व्यक्ति बैठकर उड़ सकता है. फोर्ट में स्थित सिंधिया स्कूल के मेघावी छात्र का नाम मेधांश त्रिवेदी है. मेधांश त्रिवेदी ड्रोन का सफल परीक्षण भी कर चुका है. होनहार छात्र को सफलता तीन महीने की मशक्कत के बाद मिली. ड्रोन को तैयार करने में करीब साढ़े तीन लाख रुपये का खर्च आया.

एमएलडीटी 1 की जानें विशेषता

फिलहाल 4 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरने में सक्षम

60 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से मंजिल तक पहुंच सकता है

अनूठे ड्रोन की चौड़ाई 1.8 मीटर और लंबाई 1.8 मीटर है

ड्रोन में करीब 45 हॉर्स पावर से ज्यादा की क्षमता

80 किलो वजन को लेकर 6 मिनट तक हवा में भर सकता उड़ान

इंटर के छात्र ने किया कमाल

मेधांश ने अनूठे ड्रोन को एमएलडीटी 1 नाम दिया है. होनहार छात्र ने बताया कि चीन के ड्रोन देखकर मन मे भी कुछ अलग करने का विचार आया. टीचर मनोज मिश्रा ने विचार को मूर्त रूप देने में छात्र को प्रोत्साहित किया. मेधांश का कहना है कि तकनीकी रूप से भी टीचर ने मदद की. छात्र का सपना अब एयर टैक्सी कंपनी शुरू करने का है. उसने लोगों के लिए सस्ता हेलीकॉप्टर भी उपलब्ध कराने की मंशा जताई है. ड्रोन बनाने के दौरान कठिनाइयों का सामना करना पड़ा. आखिरकार शिक्षक और परिवार की मदद से छात्र सपने को साकार करने में सफल हुआ.

एमएलडीटी 1 सामान्य ड्रॉन से एकदम अलग है. सिंधिया स्कूल के स्थापना दिवस समारोह पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और इसरो चीफ एस सोमनाथ ने मेधांश के इनोवेशन की जी खोलकर प्रशंसा की थी. मेधांश ने बताया कि ड्रोन बिना व्यक्ति के चार किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है. हालांकि सुरक्षा के चलते 10 मीटर तक ही उड़ा रहे हैं. छात्र ने बताया कि फंडिंग की व्यवस्था होने पर ड्रोन को हाइब्रिड मोड पर लॉन्च करने का काम होगा. अभी एमएलडीटी 1 में एग्रीकल्चर ड्रोन की चार मोटर लगा है.

ऐसे मिली ड्रोन बनाने की प्रेरणा

मेधांश वर्तमान में सिंधिया स्कूल के इंटर का छात्र है. छात्र का कहना है कि आने वाले समय में आम लोगों के काम आने वाले ड्रोन का निर्माण भी होगा. ड्रोन का इस्तेमाल सामान दूसरी जगह पहुंचाने और एग्रीकल्चर में किया जा सकेगा. टीचर मनोज मिश्रा मेधांश की तारीफ करते हैं. उन्होंने बताया कि मेधांश कक्षा 7 से नए-नए आविष्कार के बारे में जानकारी लेता रहता था.

मकसद कुछ अलग करने की थी. उन्होंने बताया कि खुद भी मॉडल तैयार करते हैं. मॉडल और चीन के मानव ड्रोन को देखने के बाद मेधांश को ड्रोन बनाने की प्रेरणा मिली. मेधांश की प्रतिभा को देखकर स्कूल के स्टाफ भी मदद को आगे आए हैं. बता दें कि सिंधिया स्कूल का संचालन सिंधिया राज परिवार करता है. ज्योतिरादित्य सिंधिया स्कूल के संरक्षक हैं.

जगदाले कॉलेज के स्टूडेंट्स ने ज्वॉइन करी, इंदौर पुलिस की सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों की पाठशाला

स्टूडेंट्स ने साइबर अपराधों व महिला अपराधों की जानकारी के साथ ही पढ़ा, नशे से होने वाले दुष्प्रभावों का भी पाठ।

इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों, महिला अपराधों एवं नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज दिनांक 17.12.24 को डीसीपी क्राइम नगरीय इंदौर श्री राजेश कुमार त्रिपाठी, पुलिस टीम के साथ देवी अहिल्या कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (जगदाले कॉलेज) उषागंज इंदौर में पहुंचे। लायन्स क्लब ऑफ इन्दौर ईस्ट के सौजन्य से आयोजित उक्त जागरूकता कार्यक्रम में डीसीपी क्राइम श्री राजेश त्रिपाठी व टीम के उनि शिवम ठक्कर, सउनि गयेन्द्र यादव ने उपस्थित कॉलेज के छात्र एवं छात्राओं एवं शिक्षकगणों को वर्तमान समय के सायबर अपराधों के प्रकारों, इनके करने के तरीके तथा इनसे किस प्रकार बचा जाए आदि के संबंध में विस्तृत रूप से बताया। उन्हें विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन फ्रॉड, फाइनेंसियल फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट जैसे विभिन्न फ्रॉड और सोशल मीडिया का दुरुपयोग करके अपराधी किस प्रकार हमें फंसाते हैं यह जानकारी देते हुए, इनसे बचने के लिए सावधानीपूर्वक इनका इस्तेमाल करने और अपनी निजी जानकारी किसी से शेयर न करने के बारे में समझाईश दी। टीम द्वारा सभी स्टूडेंट्स को महिला अपराधों व उनकी सुरक्षा के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी के साथ ही वर्तमान परिवेश में जो नशे की गिरफ्त में लोग आते जा रहे हैं उस को ध्यान में रखते हुए उन्हें नशे के दुष्परिणामों आदि के संबंध में बताते हुए सभी को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया।इस दौरान लायन्स क्लब ऑफ इन्दौर ईस्ट के संस्थापक अध्यक्ष ला.शरद मेहता, क्लब की अध्यक्ष ला.आरती मेहता, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभिषेक कौशल, महाविद्यालय की संचालन समिति की सदस्य श्रीमती मूर्ति जगदाले, उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक व नोडल अधिकारी डॉ. मनोहर दास सोमानी सहित कॉलेज के अन्य स्टाफ व स्टूडेंट्स ने, इंदौर पुलिस की इस जागरूकता मुहिम का लाभ लेकर, इन कार्यक्रमों की तारीफ की।

234 किलो चांदी, कैश और हीरे की अंगूठी... भोपाल में RTO के पूर्व कॉन्सटेबल के घर छापेमारी में बड़ा खुलासा

भोपाल में लोकायुक्त ने आरटीओ के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा के अरेरा कॉलोनी स्थित घर और दफ्तर में पड़े छापे में 234 किलो चांदी मिली है, जिसकी कीमत 2 करोड़ 10 लाख रुपये है.

मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व सिपाही सौरभ शर्मा के भोपाल स्थित घर पर गुरुवार (19 दिसंबर) को हुई लोकायुक्त के छापेमारी में लगातार बड़े खुलासे हो रहे हैं. सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी में अब तक 234 किलो चांदी मिली है, जिसकी कीमत 2 करोड़ 10 लाख रुपये है. साथ ही 17 लाख की ब्रान्डेड घड़ियां, 15 लाख की लेडीज़ पर्स, दो अलमारी से नगदी के साथ 11 लाख रुपये हीरे की अंगूठी मिली है.

बता दें, प्रदेश की राजधानी भोपाल में लोकायुक्त ने आरटीओ के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा के अरेरा कॉलोनी स्थित घर और दफ्तर में गुरुवार को छापा मारा था. इस कार्रवाई के दौरान लोकायुक्त की टीम को सौरभ घर पर नहीं मिला. कहा जा रहा है कि वह इन दिनों दुबई में है. लोकायुक्त को शिकायत मिली थी कि सौरभ शर्मा ने आरटीओ कांस्टेबल रहते हुए आय से अधिक कमाई की और कई सम्पत्तियां बनाईं. जिनकी कीमत आज करोड़ों में है.

सौरभ ने डेढ़ साल पहले 12 साल नौकरी करने के बाद वीआरएस ले लिया था. शर्मा ने 12 साल की नौकरी में करोड़ों की संपत्ति बना ली थी और उसके होटल और स्कूल बिजनेस में भी निवेश की बातें सामने आई हैं. सौरभ शर्मा के पिता परिवहन विभाग में थे और उनकी जगह ही इस संविदा नियुक्ति मिली थी.

भोपाल में मिली लावारिस कार किसकी?

वहीं गुरुवार की रात करीब दो बजे आयकर विभाग की टीम ने एक लावारिस इनोवा क्रिस्टा को जप्त की थी, जिसके अंदर से 52 किलो सोना और और 10 करोड़ रुपये कैश बरामद किया गया. बताया जा रहा है कि एक खाली पड़े प्लॉट पर यह इनोवा क्रिस्टा लावारिस खड़ी थी. जिसकी सूचना आयकर विभाग को मिली और उसे आधार पर छापेमारी कार्रवाई की गई. बताया जा रहा है यह गाड़ी चेतन गौर नाम के शख्स की है.

घर का रसोइया ही निकला चोर दो सालो में की लाखो की चोरी

अनिल नागोरी के घर पर हुई चोरी का पुलिस ने किया पर्दाफाश

ब्यूरो रिपोर्ट- अविनाश जाजपुरा | नीमच

नीमच पुलिस ने एक बड़ी चोरी का खुलासा किया है। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के नेतृत्व में नीमच के केंट थाना पुलिस ने 28 दिसंबर को फरियादी अनील नागोरी के घर से लाखों रुपये, सोने और हीरे के ज्वैलरी की चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया ।इस पूरे मामले का खुलासा एसपी अंकित जायसवाल ने बुधवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर किया | चोरी करने वाला और कोई नहीं घर में काम करने वाला नौकर ही निकला। चोरी उसके घर में काम करने वाले नौकर दलीपसिंह पिता किशोरसिंह राजपूत निवासी डूंगरपुर राजस्थान ने की थी, जो करीब दो साल से उनके घर में रसोई बनाने का काम कर रहा था।आरोपी ने पिछले दो सालों में लगभग 18 लाख रुपये, 330 ग्राम सोना और 76 हीरे की चोरी की थी। आरोपी छोटी-छोटी चोरी करता रहता था, जैसे कि सोने की अंगूठियां, कंगन और नगदी चुराना। 28 दिसंबर को उसने बड़ी चोरी की वारदात की और लाखों रुपये चुरा लिए, जिसके बाद अनील नागोरी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्द होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो घर में रसोई बनाने वाले नौकर पर शक हुआ और जब पूछताछ की गई तो कई प्रकार के बड़े खुलासे हुए । घर में काम करने वाले नौकर ने 2 साल में धीरे-धीरे लाखों रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया । इस मामले में एक और आरोपी, टोनी उर्फ पुरुषोत्तम सिंह शेखावत, जो राजस्थान के डूंगरपुर का निवासी है और चुराई गई ज्वैलरी को खरीदने का काम करता था वह फिलहाल फरार है, और पुलिस उसे जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास में जुटी है। आपको यह जानकर हैरानी होगी की आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम दे देकर एक आल्टो कर, एक टाटा लिलेंड ट्रक वही एक प्लाट खरीद लिया था | पुलिस ने सभी जप्त कर लिए है और आरोपी को सलाखों के पीछे पंहुचा दिया और एक और आरोपि की सरगर्मी से तलाश कर रही है |

जीवन की धुंध

यह धुंध सी क्यों छाई है ? इस दिल और दिमाग पर मेरे एक मायूसी क्यों छाई है ? इस ठहरे विश्वास पर मेरे रास्ता वही और रोज का सफर फिर क्यों विचलित कर रही प्रत्याशा और पथ को मेरे तो क्या..तू धैर्य पकड़ और बढ़ा कदम
हिम्मत ,सब्र और रख दम
बढ़ते - बढ़ते महसूस तो कर
धुंध आगे दिखती ज्यादा
और यहाँ है कम ।
मानव जीवन और कठिनाइयाँ
भीड़ भरी हो या हो तन्हाइयाँ
थोड़ा कष्ट तो देती हैं
कोशिश करअपना इनको
देख फिर से और सुलझा इनको
और हां ये धुंध नहीं प्रकृति का संदेश है
सर्दी ने अपना बदला अब वेश है
सृष्टि के नए वेश के लिए
खुद को तू तैयार रखरंग- रूप और वेश
बदलना तो है प्रकृति का हक ।
पर देख ....
समझ न पाए कोई चेहरे से भाँप न पाए कोई
तेरे जुनून और चिंतन पर लगे पहरे से
राह पकड़े बढ़ता चल विजयी तू होगा कहता
चल प्रकृति हो या बाधाओं की चुनौती
लेता चल , तू लेता चल ।।

मध्यप्रदेश में निवेश क्रांति के नये 'नायक' मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

डॉ मोहन यादव के प्रयासों से वैश्विक निवेशकों की पहली पसंद बना मध्यप्रदेश

हर मुख्यमंत्री की इच्छा होती है कि उनके राज्य में भरपूर निवेश आए, नए उद्योग स्थापित हों, रोजगार के नए अवसर मिलें, लेकिन सही निवेश नीति और दृढ़ इच्छाशक्ति के अभाव में अक्सर निवेश के समझौते धरातल पर नहीं उतर पाते. नतीजा निवेश के संजोए सपने टूटने से प्रदेश आर्थिक रुप से तो पिछड़ता ही है वहीं निवेशकों के सामने राज्य की छवि को भी दाग लगता है।

लेकिन मध्यप्रदेश सरकार के सकारात्मक और सार्थक प्रयासों से साल 2024 राज्य में निवेश क्रांति के नये युग की शुरुआत के तौर पर याद किया जाएगा। कभी बीमारु और पिछड़े राज्यों में शामिल रहा मध्यप्रदेश आज एक नई पहचान के साथ समृद्ध सशक्त और आत्मनिर्भर से आगे विकसित राज्यों की श्रेणी में अपनी जगह बना चुका है इसका श्रेय निश्चित रुप से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को दिया जाना चाहिए जिन्होंने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में ही मध्यप्रदेश को निवेशकों की पहली पसंद बना दिया। यकीनन डॉ. मोहन यादव ने अपनी पहचान एक विजनरी लीडर के तौर पर स्थापित की है। उन्होंने मध्यप्रदेश के समग्र और सर्वांगीण विकास का बीड़ा उठाया और अमूमन बड़े शहरों में होने वाली इन्वेस्टर समिट का स्वरुप पूरी तरह बदल दिया। डॉ मोहन यादव ने रीजनल इन्वेस्टर्स समिट के नए आइडिया के साथ काम शुरु किया और संभागीय स्तर पर देश विदेश के जाने माने उद्योग घरानों से लेकर तेजी से उभरने वाले निवेशकों को भी साथ लिया।

दरअसल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जानते थे कि प्रदेश का अगर तेजी से विकास करना है यहां के निवासियों को आर्थिक रुप से सशक्त करना है तो यहां निवेशकों के लिए सारे द्वार खोलने होंगे। उन्हें आमंत्रित करने के साथ उनके पास पहुंचकर भी अपनी विशेषताएं बतानी होंगी। निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के फायदे बताने होंगे तभी लक्ष्य प्राप्त होगा, तभी तो हर

रीजनल समिट से पहले मुख्यमंत्री अपनी टीम के साथ देश के कई बड़े शहरों के दौरे पर भी गए. वहां के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट और वहां की सरकारों के सफल प्रोजेक्ट को उन्होंने देखा समझा. साथ ही स्थानीय निवेशकों, उद्योगपतियों और युवा उद्यमियों के साथ उन्होंने वन टू वन चर्चा की। इसी का नतीजा रहा कि रीजनल कान्क्लेव में निवेशकों ने न केवल रुचि दिखाई बल्कि अपने साथ निवेश प्रस्ताव लेकर भी पहुंचे। सीएम डॉ मोहन यादव ने सबसे पहले राजा विक्रमादित्य की नगरी उज्जैन से रीजनल कॉन्क्लेव की शुरुआत की. पहली ही समिट को मिले सकारात्मक परिणामों ने उनका हौसला बढ़ाया और तभी तो देखते ही देखते हर महीने समिट करने की जो प्लानिंग बनाई गई वो सफल रही। जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा होते हुए ये सिलसिला नर्मदापुरम तक पहुंच गया और अब 16 जनवरी को प्रदेश के दूरस्थ, आदिवासी बाहुल्य किंतु प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध शहडोल में अगली रीजनल कान्क्लेव होने जा रही है। इन समिट के दौरान मिले निवेश प्रस्ताव मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के इस प्रयास के सफल होने को साबित करते हैं। रीजनल कान्क्लेव से करीब 2.7 लाख करोड़ के प्रस्ताव मिले तो मुंबई, बेंगलुरु, कोयम्बटूर, कोलकाता दौरे में एक लाख करोड के निवेश का प्रस्ताव आया. इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जब जर्मनी और यूके दौरे पर पहुंचे तो वहां विदेशी धरा पर भी वो मध्यप्रदेश का परचम लहरा कर आए. ऐसा पहली बार हुआ जब विदेश दौरे में राज्य को करीब 76 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हो साथ ही मुख्यमंत्री ने अपने वादे को सही साबित करते हुए निवेशकों को वहीं से जमीन भी अलॉट कर दी. वहीं भोपाल में खनन कॉन्क्लेव में करीब 20 हजार करोड़ के प्रस्ताव मिले. इस तरह देखा जाए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अपने बलबूते पर करीब 4 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव ला चुके हैं और उनमें से कई पर काम भी शुरु हो गया

प्रदेश के निवेश क्रांति के ब्रांड एंबेसडर के रुप में डॉ मोहन यादव आज निवेशकों का भरोसा जीतने में कामयाब हो चुके हैं. जिन्होंने उद्योग धंधे स्थापित करने में आने वाली कठिनाईयों को तुरंत दूर कर साबित किया कि निवेश के लिए मध्यप्रदेश से बेहतर स्थान और कोई नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने त्वरित फैसले लेने वाले अपने अलग अंदाज में काम किया ताकि मिशन निवेश में कोई चूक न हो. उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को नोडल अधिकारी बनाकर बड़ा दायित्व सौंपा है जो निवेशकों की समस्या का समाधान करेंगे।

इसमें कोई दो मत नहीं कि मध्यप्रदेश वाकई हर मामले में कई दूसरे राज्यों के मुकाबले निवेशकों के लिए ज्यादा फायदेमंद है, देश का हृदय प्रदेश होने के साथ भौगोलिक परिस्थितियां, प्राकृतिक संसाधन यानि जल जंगल जमीन से समृद्ध राज्य में हर सेक्टर में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। जहां का युवा अपने प्रदेश में रहकर ही रोजगार पाना चाहता है। मध्यप्रदेश की पहचान अब केवल पीथमपुर और मंडीदीप नहीं है बल्कि यहां आईटी पार्क स्थापित हो रहे हैं. राज्य में धार्मिक पर्यटन को और विस्तार दिया जा रहा है तो देश के युवाओं को इको टूरिज्म भी लुभा रहा है। प्रदेश अब एजुकेशनल हब के साथ फार्मा, एग्रीकल्चर, मैन्युफैक्चरिंग और मेडिकल के क्षेत्र में भी अपनी नई पहचान कायम कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेश लाने के लिए इस एक साल के भीतर जो भगीरथी प्रयास किये हैं उसका वृहद स्वरुप अब फरवरी में भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में देखने मिलेगा. यानि रीजनल कान्क्लेव के छोटे-छोटे यज्ञों के बाद 24-25 फरवरी को देश और दुनिया के इन्वेस्टर्स निवेश के इस महायज्ञ में शामिल होंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि जिन उम्मीदों के साथ मोहन सरकार इस ग्लोबल कान्क्लेव का आयोजन करने जा रही है उसमें आशातीत सफलता मिले। ये अवसर मध्यप्रदेश वासियों के लिए भी एक टर्निंग प्वाइंट साबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का लक्ष्य प्रदेश को विकसित राज्यों की श्रेणी में सबसे आगे रखने का है। अब देखना है कि इस वैश्विक सम्मेलन में प्रदेश सरकार कौनसे नए कीर्तिमान रचती है।

एमपी में बढ़ रहा साइबर क्राइम पुलिस के लिए बन रहा चुनौती, DGP ने तैयार किया खात्मे का 'ब्लू प्रिंट'

साइब्रर क्राइम मध्य प्रदेश पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है. इससे निपटने के लिए डीजीपी कई योजना बना रहे हैं. नए साल पर उनका संकल्प प्रदेश को साइबर क्रइम मुक्त बनाने का है. मध्य प्रदेश में साइबर क्राइम का मामला बढ़ता जा रहा है. इस बीच प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने नए साल पर पुलिस विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों को एमपी में बढ़ रहे साइबर अपराध, नशा और यातायात दुर्घटना को गंभीर चुनौती बताते हुए साल 2025 में इन पर रोक लगाने की अपील की है. डीजीपी का संदेश सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. मध्य प्रदेश के डीजीपी कैलाश मकवाणा ने साल 2025 के शुभकामना संदेश में मध्य प्रदेश पुलिस की दिशा तय करने के संकेत दे दिए हैं. डीजीपी ने अपने संदेश में कहा, "साल 2024 मध्य प्रदेश पुलिस के लिए चुनौती पूर्ण रहा है लेकिन कई उल्लेखनीय उपलब्धियां भी पुलिस ने हासिल की हैं. मध्य प्रदेश में साल 2024 में हुए लोकसभा चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है". डीजीपी साल 2025 को लेकर पुलिस को टास्क भी दिया है.डीजीपी ने कहा है कि मध्य प्रदेश में बढ़ रहे साइबर अपराध, नशा और यातायात दुर्घटना गंभीर चुनौती है.

ऑनलाइन ठगी प्रकरण में उत्तर प्रदेश के 02 अन्य आरोपीगण क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में गिरफ्तार

प्रकरण में देश के विभिन्न राज्यों से पूर्व के 11 आरोपी सहित अभी तक कुल 13 आरोपी हो चुके है गिरफ्तार।

महिला फरियादिया के साथ 01 करोड़ 60 लाख रू की हुई थी ऑनलाइन ठगी।

महिला फरियादी से ठगी गई राशि में से 25 लाख रुपए आरोपी के बैंक खाते में हुए थे ट्रांसफर।

आरोपी के खाते से महिला फरियादी के अलावा कुल 1 करोड़ 66 लाख रूपये के हुए थे फ्रॉड ट्रांजैक्शन।

आरोपी गैंग के द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में डिजिटल अरेस्ट की वारदातों को दिया था अंजाम।

डिजिटल अरेस्ट के एक ही प्रकरण में देश के अलग–अलग राज्यों से लगातार निकल रहे कनेक्शन।

क्राईम ब्रांच इंदौर के द्वारा ऑनलाइन ठग गैंग के विरूद्ध कार्यवाही हेतु स्पेशल टीम का गठन कर, लगातार की जा रही है कार्यवाही।

इंदौर पुलिस द्वारा आरोपीयो का रिमांड प्राप्त कर की जा रही है विस्तृत पूछताछ, जिसमें कई खुलासे होने की है सम्भावना।

इंदौर कमिश्नरेट में लोगों से छलकपट कर अवैध लाभ अर्जित करते हुये ऑनलाइन ठगी करने वाले की पहचान कर विधिसंगत कार्यवाही करते हुये उनकी धरपकड़ करने हेतु प्रभावी कार्यवाही के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में ऑनलाइन ठगी की शिकायतों में क्राइम ब्रांच इंदौर की स्पेशल टीम को लगाया गया था। इसी अनुक्रम में इंदौर क्राइम ब्रांच द्वारा संचालित NCRP पोर्टल पर 59 वर्षीय महिला इंदौर निवासी फरियादिया ने शिकायत की थी कि उन्हें अज्ञात ठग गैंग के द्वारा स्काइप एवं व्हाट्सएप वीडियो कॉल कर अलग–अलग शासकीय विभाग(CBI,RBI, पुलिस आदि) का अधिकारी बताकर मनीलोंडरिंग केस में जेल जाने का डर बताकर, फरियादी की निजी एवं बैंकिंग जानकारी प्राप्त करते हुए, बैंक अकाउंट, FD , शेयर्स आदि के रुपयों की जांच करने के नाम से ऑनलाइन 1 करोड़ 60 लाख रुपए प्राप्त करके फरियादी के साथ ऑनलाइन ठगी की गई उक्त शिकायत में क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस के द्वारा अपराध धारा 318(4), 308(2), 316(5), 111(4), 3(5) BNS के तहत् अपराध पंजीबद्ध करके सूरत (गुजरात) एवं मध्यप्रदेश के आरोपीगण (1). प्रतीक जरीवाला (2) अभिषेक जरीवाला, (3). चंद्रभान बंसल(4). राकेश कुमार बंसल,(5).विवेक रंजन उर्फ पिंटू गिरी निवासी जिला खेड़ा गुजरात, (6). अल्ताफ कुरैशी निवासी जिला आनंद ,(गुजरात) एवं बांग्लादेश , असम, बंगाल के बॉर्डर पर स्थित कुच बेहर के आरोपी (7). अभिषेक चक्रवर्ती निवासी कूच बेहर (पश्चिम बंगाल), (8) रोहन शाक्य निवासी सीहोर (9) आयुष राठौर निवासी सिहोर, (10) निलेश गोरेले निवासी भोपाल, (11) अभिषेक त्रिपाठी निवासी भोपाल को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। उक्त फर्जी डिजिटल अरेस्ट प्रकरण में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं अन्य तकनीकी जानकारी के आधार पर उत्तर प्रदेश के आरोपी (12).मनोज कुमार उम्र 30 वर्ष निवासी श्रावस्ती (उ.प्र.), आरोपी (13). आगम साहनी उम्र 21 वर्ष निवासी लखनऊ (उ.प्र.) को गिरफ्तार किया गया।आरोपी मनोज से पूछताछ करते बताया कि श्रावस्ती उत्तर प्रदेश का निवासी है और होलसेल व्यापार करता है जिसने डिजिटल अरेस्ट गैंग के लिये अपने व्यापार का करेंट बैंक अकाउंट ठगी के लिए उपयोग करना बताया। आरोपी आगम साहनी से पूछताछ करते बताया कि लखनऊ उत्तर प्रदेश का निवासी है और ऑनलाइन ठग गैंग के संपर्क में होकर ठगी के लिए लोगों के बैंक खाते उपलब्ध कराने का कार्य करना बताया।दोनों आरोपियों उत्तर प्रदेश के निवासी होकर ठग गैंग के कहने एवं गंग से कुल 3 लाख रुपए नगद कमीशन के प्राप्त करने के इरादे से सारे फ्रॉड ट्रांजैक्शन किए जिसमे महिला फरियादी के साथ ठगी गई राशि में से 25 लाख रुपए आरोपी मनोज के खाते में ट्रांजैक्शन होने के अलावा 1 करोड़ 66 लाख अन्य ठगी की राशि भी आई थी, और कमीशन के रूप में दिए गए तीन लाख रुपए ठग गैंग के द्वारा कैश देना कबूला और सिमकार्ड तोड़कर फेक दी ताकि पुलिस आरोपियों पर शक न कर सके।उक्त प्रकरण में आरोपियों द्वारा पूछताछ मे अंतराज्यीय ऑनलाइन ठग गैंग के सदस्य के रूप में कार्य करना स्वीकार किया है। क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस के द्वारा आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड प्राप्त कर प्रकरण में पूछताछ व विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग द्वारा एक लाख 69 हजार 609 पेंशनर्स हितग्राहियों को 7123.58 लाख रुपये दिये गये

इंदौर जिले में बीते वर्ष एक लाख 69 हजार 609 हितग्राहियों को 7123.58 लाख रुपये की पेंशन उपलब्ध कराई गई। इंदौर जिले में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग इंदौर के संयुक्त संचालक द्वारा मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के अंतर्गत बीते वर्ष की उपलब्धियों, भौतिक वित्तीय प्रगति के विषय में बताया गया है कि गत वर्ष 2024 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के माध्यम से 27 हजार 760 हितग्राहियों को 600 रुपये प्रतिमाह के हिसाब कुल 1165.92 लाख रुपये दिये गये। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना में 13 हजार 295 हितग्राहियों को 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 558.39 लाख रुपये प्रदत्त किये गये। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्त पेंशन योजना में 1205 हितग्राहियों को 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से रूपये 50.61 लाख रुपये प्रदत्त किये गये। कन्या अभिभावक पेंशन योजना के 4244 हितग्राहियों को 600 रुपये के हिसाब से 178.248 लाख रुपये दिये गये। मंदबुद्धि/बहुविकलांग आर्थिक सहायता में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 2881 हितग्राहियों को रूपये 121.002 लाख रुपये प्रदत्त किये गये। समग्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 39 हजार 734 हितग्राहियों को 1668.828 लाख रुपये दिये गये। सामाजिक सुरक्षा परित्यक्ता पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 648 हितग्राहियों को 27.216 लाख रुपये दिये गये। सामाजिक सुरक्षा निःशक्त पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 10 हजार 580 हितग्राहियों को 444.36 लाख रुपये प्रदत्त किये गये। सामाजिक सुरक्षा दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 2133 हितग्राहियों को 89.586 लाख रुपये दिये गये।

सामाजिक सुरक्षा कल्याणी पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 66 हजार 855 हितग्राहियों को 2807.91 लाख रुपये दिये गये। मुख्यमंत्री अविवाहित पेंशन योजना में 600 रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 274 हितग्राहियों को 11.508 लाख रुपये दिये गये। कुल पेंशनर्स हितग्राही एक लाख 69 हजार 609 थे, जिन्हें 7123.58 लाख रुपये प्रदत्त किये गये।इसी प्रकार राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना में 20 हजार रूपये प्रतिमाह के हिसाब से 225 हितग्रहियों को 45 लाख रुपये दिये गये।

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में खुल रहे प्रगति के द्वार

24- 25 फरवरी को राजधानी भोपाल में आयोजित होगी ग्वोबल इंवेस्टर समिट

गीता का एक प्रसिद्ध श्वलोक है 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन...' कर्म पर आधारित यह श्लोक मध्य प्रदेश में चारों ओर हो रही प्रगति को दर्शाता है. कभी पिछड़े राज्यों में शामिल रहा मध्य प्रदेश आग अग्रणी विकासशील राज्यों की कतार में सबसे आगे खड़ा है. पूरे प्रदेश में विकास के अनगिनत काम हो रहे हैं. कहीं फसलों की सिंचाई के लिए काम हो रहा है, कहीं नए-नए, बड़े-बड़े आधुनिक पुल बन रहे हैं, तो कहीं बड़ी-बड़ी इमारतों का निर्माण हो रहा है. हर तरफ बस और बस विकास की बयार ही बहती दिखाई दे रही है. इस विकास की बयार के पीछे जिस शख्स का चेहरा उभर रहा है, वह सूबे के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का है. उनकी सरकार को भले ही एक साल हो गया हो, लेकिन ऐसा लगता है, जैसे उनका मुख्यमंत्री बनना कल ही की बात हो. और, इस एक साल में करोड़ों की जनता के लिए वे 'यादव भैया', बच्चों के लिए 'यादव चाचा' बनकर उभरे हैं. महाकाल की नगरी उज्जैन के इस राजनीतिक संत ने कर्म को ही अपने जीवन का आधार बनाया है. इसी का परिणाम है कि राज्य दिन-रात प्रगति के रास्ते पर रफ्तार से दौड़ रहा है.

कभी कन्या पूजन करते, कभी बेटियों को जिंदगी की दो बूंद पिलाते, तो कभी गरीबों का सुख-दुख बांटते मुख्यमंत्री यादव ने साबित कर दिया है कि उनकी 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास' में गहरी आस्था है. सीएम यादव जानते हैं कि बिना आर्थिक प्रगति राज्य उस उंचाई को नहीं छू सकता, जिसका वे सपना देख रहे हैं. इसलिए उन्होंने इस एक साल में कई रीजनल कॉन्क्लेव कर निवेशको-उद्योगपतियों को प्रदेश में निवेश करने के लिए प्रेरित किया. केवल इतना ही नहीं, वे प्रदेश की आर्थिक प्रगति के लिए यूके और जर्मनी भी गए. वहां भी उन्होंने विदेशी और एनआरआई निवेशकों के सामने प्रदेश की स्वर्णिम तस्वीर प्रस्तुत की. इस तरह एक तरफ रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से निवेश के करोड़ों रुपये के प्रस्ताव आए, तो दूसरी तरफ विदेशी निवेश के प्रस्ताव भी मिले. इन प्रस्तावों से जो निवेश प्रदेश में होगा, उससे इस राज्य की सूरत ही बदल जाएगी. इससे एक ओर मध्य प्रदेश की खूबसूरती में चार-चांद लगेंगे, तो दूसरी ओर रोजगार तलाश रहे युवाओं को काम भी मिलेगा. उन्हें काम मिलेगा तो उनके घर खुशहाली आएगी. एक बार सबसे निचले स्तर पर खुशहाली आ गई, तो राज्य को विकसित प्रदेश बनने में समय नहीं लगेगा. यही वह लक्ष्य है, जिसे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव हासिल करना चाहते हैं.

ग्लोबल इंवेस्टर समिट से होने वाले फायदे

अपने इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब यादव भैया राजधानी भोपाल में 24-25 फरवरी को ग्लोबल इंवेस्टर समिट करने जा रहे हैं. इस समिट के होने से प्रदेश को कई फायदे होंगे. सबसे पहला फायदा तो ये कि प्रदेश विश्व पटल पर छा जाएगा. क्योंकि, इस समिट में- विश्व के कई महत्वपूर्ण राष्ट्रों से निवेशक-उद्योगपति आएंगे. यह कार्यक्रम विश्व विख्यात इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर में आयोजित किया जाएगा. प्रदेश की इस 8वीं ग्लोबल इन्वेस्टर समिट (जीआईएस-2025) में निवेशकों-उद्योगपतियों के सामने औद्योगिक ईको-सिस्टम और प्रदेश में उपलब्ध निवेश संभावनाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समग्रता के साथ प्रस्तुत किया जाएगा. मेहमानों को एवीजीसी शो, एमपी पैवेलियन, एक जिला-एक उत्पाद (ओडीओपी) पैवेलियन, फ्रेंचाइजी एमपी शो के माध्यम से राज्य की विशेषताओं से रूबरू कराया जाएगा. इसका सीधा असर मेहमानों पर ये होगा कि वे स्वर्णिम मध्य प्रदेश में निवेश करने और लाभ कमाने के लिए प्रेरित होंगे. उन्हें प्रेरित करने के लिए मोहन यादव सरकार कई तरह की सुविधाएं भी देगी. उद्योगपतियों के निवेश करने से प्रदेश का इंफ्रास्ट्रक्चर भी वैश्विक स्तर का हो जाएगा. इसका सीधा असर प्रदेश के शिक्षा, रोजगार, उद्योग सिस्टम पर होगा. इस तरह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक तीर से कई लक्ष्य भेदना चाहते हैं. ताकि, प्रदेश का विकास शीघ्र से शीघ्र हो. राज्य विकासशील की पंक्ति से निकलकर विकसित प्रदेशों में गिना जाए.

अविस्मरणीय यादें ले जाएंगे मेहमान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का उद्देश्य सम्मेलन में शामिल होने जा रहे मेहमानों को यह भी बताना है कि 'एमपी अजब है, सबसे गजब है.' इसलिए उन्होंने सभी मेहमानों के रहने-खाने, पर्यटन स्थलों पर घूमने की विशेष व्यवस्था कराई है. इस व्यवस्था से मेहमान प्रदेश की संस्कृति, वन, पर्यटन, सौंदर्य, ग्रामीण जीवन से रूबरू होंगे. प्रदेश की खूबसूरती उन्हें बार-बार यहां आने के लिए प्रेरित करेगी. साथ ही, मेहमान जीवन में कभी न भूलने वाली यादों को अपने साथ ले जाएंगे. इस वैश्विक निवेश सम्मेलन के मद्देनजर सूबे के मुखिया यादव देश के बड़े उद्योगपतियों और निवेशकों के साथ चर्चा करेंगे. इस दौरान वे मध्य प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य की खुबियों, अब तक हुई प्रगति और राज्य को 2047 तक विकसित प्रदेश बनाने के लिए तैयार किए गए रोड मैप बताएंगे.

प्रदेश को पहचानना होगा मुश्किल

इस ग्लोबल इंवेस्टर समिट से प्रदेश में लाखों करोड़ों रुपये का निवेश आने की पूरी संभावना है. यह बात इसलिए दृढ़ता से कही जा सकती है, क्योंकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यूके-जर्मनी दौरा कई मायनों में सफल रहा. मध्य प्रदेश को यूके से 60 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव मिले. इसका सीधा सा अर्थ है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव निवेशकों को उनका लक्ष्य और होने वाले फायदे समझाकर संतुष्ट कर सके. इसलिए कहा जा सकता है कि इस समिट में भी वे निवेशकों-उद्योगपतियों को अपना सपना साकार करने के लिए प्रेरित कर सकेंगे. अगर इस सम्मेलन में निवेशकों ने बड़े प्रस्ताव दे दिए, तो यकीन मानिए मध्य प्रदेश में वो विकास होगा, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी. प्रदेश न केवल उद्योग, बल्कि हर सेक्टर में अभूतपूर्व प्रगति करता दिखाई देगा. यह कहना अतिशियोक्ति नहीं होगी कि कुछ वर्षों बाद प्रदेश को पहचानना भी मुश्किल हो जाएगा. यहां होने वाला विकास सबको हैरानी में डाल देगा. इतना ही नहीं. इस विकास से राज्य की प्रति व्यक्ति आय में जबरदस्त इजाफा होगा. प्रदेश का युवा जब अंतरराष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ शिक्षा हासिल करेगा तो उसमें सोच नई होगी, वह नए-नए आविष्कार पर ध्यान लगाए, उसके मस्तिष्क में विकास के नए-नए उपाए जन्म लेंगे. तब उसे ये चिंता नहीं रहेगी कि शिक्षा के बाद उसे रोजगार या स्वरोजगार मिलेगा या नहीं. इस तरह यह ग्लोबल इंवेस्टर समिट कई मायनों महत्वपूर्ण है. इसकी सफलता से प्रदेश के कई सेक्टर अपने आप विकसित हो जाएंगे.

टूरिज्म-बिजनेस-हेल्थ सेक्टर सूरत बदलने की संभावना

ग्लोबल इंवेस्टर समिट में जब प्रदेश की एयर कनेक्टिविटी को प्रस्तुत किया जाएगा तो टूरिज्म-बिजनेस-हेल्थ सहित कई सेक्टर की सूरत बदलने की पूरी-पूरी संभावना होगी. मेहमानों को बताया जाएगा कि इंदौर और भोपाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे बन चुके हैं. साथ ही, प्रदेश में पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा भी है. इससे भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, ग्वालियर, सिंगरौली और खजुराहो जैसे प्रमुख शहर पूरी तरह से कनेक्ट हैं. इस सेवा से प्रदेश के टाइगर रिजर्व, महाकाल और ओंकारेश्वर को भी जोड़े जाने की योजना है. यानी, आप व्यापार भी कीजिए और पर्यटन भी कीजिए. दूसरी ओर, हेल्थ सेक्टर में काम करने वालों के लिए भी पूरे प्रदेश में आना-जाना आसान हो जाएगा.

राष्ट्र की मजबूती के लिए सनातन धर्म का पालन करना ही सर्वोपरि : श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद

राष्ट्र की मजबूती के लिए सनातन धर्म का पालन करना ही सर्वोपरि : श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद। श्री माथुर चतुर्वेदी महापरिषद,का राष्ट्रीय अधिवेशन एवं राष्ट्रीय महापरिषद की समन्वय समिति की बैठक दिनांक 11/01/2025 एवं 12/01/2025 को मित्तल धर्मशाला एवं होटल सेवरान में हुआ सम्पन्न , जिसमें संपूर्ण भारत वर्ष से महापरिषद के राष्ट्रीय सभापति आदरणीय नीरज चतुर्वेदी , राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री प्रणव जी चतुर्वेदी , श्री निशीथ जी चतुर्वेदी सहित करीब 100 पदाधिकारीयो ने भाग लिया।दो दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत 11 जनवरी को प्रातः 9 बजे से हुई ,उसी क्रम में सभी आगंतुक मुरैना के आस पास स्थित मितवाली,पड़ाबली एवं चौसठ योगिनी का भ्रमण भी किया सायं 5 बजे से राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग में समाज के विकास राष्ट्रीय एकता और विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।दूसरे दिवस 12 जनवरी को प्रातः 10 बजे से राष्ट्रीय अधिवेशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया ,जिसमें चतुर्वेदी महापरिषद के विभिन्न संरक्षक गणों को सम्मानित करते हुए माननीय सभापति जी पिछले दिनों किए गए कार्यों एवं आगामी वर्ष के कार्यक्रमों की जानकारी दी ! दोपहर 3 बजे सुरुचि पूर्ण भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम के आयोजक मुरैना निवासी श्री रामनिवास जी चतुर्वेदी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ।इसमें सुखदेव चतुर्वेदी ,डॉक्टर राजीव चतुर्वेदी, निशीथ चतुर्वेदी,डॉक्टर मुकेश चतुर्वेदी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली विधानसभा चुनाव मै वी के पी ने झोंकी ताकत । मध्यप्रदेश से बीजेपी के कद्दावर नेता और पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी बीजेपी के लिए संभाली बी जी पी के लिए प्रचार की जिम्मेदारी दिल्ली में महरौली जिले की पालम विधानसभा-37 से भाजपा प्रत्याशी श्री कुलदीप सोलंकी के समर्थन में आयोजित पन्ना प्रमुख सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री कैलाश चौधरी जी, धर्मदेव सोलंकी जी पूर्व विधायक, मनोज शर्मा जी प्रभारी, सुमन डागर जी, जीतेन्द्र पाटीदार जी विस्तारक, पवन राठी जी पूर्व निगम पार्षद, सतपाल जी , सीमा जी, सुषमा राठी जी, राजकुमार जी सहित सहित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहें

उज्जैन जिले के विशेष व्यंजन के लिए भी स्टॉल लगाए जाएंगे। रंगोली पेंटिंग के साथ खेलकूद प्रतियोगिताएं

हास्य परिहास के कार्यक्रम और अन्य आनंद उत्सव के कार्यक्रम भी आयोजित

उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह ने की मीटिंग साथ मै थी जिला पंचायत सी ओ उज्जैन जयति सिंह ।।उज्जैन कलेक्टर बैठक ली और मीटिंग लेते हुए कहा कि सभी अधिकारी दी गई जिम्मेदारी को समय सीमा में पूर्ण करें। सफाई व्यवस्था और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही बड़नगर में एसडीएम को निर्देश दिए कि हेलीपैड और उद्घाटन स्थल पर व्यवस्थाओं के लिए पूर्व तैयारी सुनिश्चित कर लें और सभी तैयारियां कल शाम तक पूर्ण हो जाए।राहगीरी आनंद उत्सव का कार्यक्रम रविवार सुबह 6:00 बजे से कोठी रोड पर आयोजित होगा। इसमें माननीय मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जी सम्मिलित होंगे। इसके संबंध में कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिए की राहगीरी के पहले और उसके होने के बाद स्वच्छता का पूर्ण ध्यान रखा जाए।इसके साथ ही निगम आयुक्त ने बताया कि राहगीरी में 38 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जिसमें अनेक सांस्कृतिक सामाजिक संस्थाओं के द्वारा कार्यक्रम आयोजित होंगे। उज्जैन जिले के विशेष व्यंजन के लिए भी स्टॉल लगाए जाएंगे। रंगोली पेंटिंग के साथ खेलकूद प्रतियोगिताएं, हास्य परिहास के कार्यक्रम और अन्य आनंद उत्सव के कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इसके लिए सभी संस्थाओं से चर्चा हो चुकी है और विभिन्न संस्थाओं के द्वारा भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई जा रही है।

मादक पदार्थ की खेप पकडी

इंदौर में पुलिस द्वारा लगातार मादक पदार्थों की तस्करी करने वालो के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है जिसके चलते रोजाना नशे के लिए उपयोग में लिए जाने वाली विभिन्न मादक वस्तुओं की तस्करी में लिप्त लोगो को पकड़ा जा रहा है इसी क्रम में इंदौर कक्राइम ब्रांच ने दो ऐसे युवको को पकड़ा है जो वैसे तो किसान हैं लेकिन लालच के चलते अब वे तस्कर बन गए हैं दोनो युवको ने जल्दी पैसा कमाने के लालच में अपने ही खेत में गांजा उगाना शुरू कर दिया और उसे बेचने लगे डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश त्रिपाठी ने बताया कि उनकी तटीम को मुखबिर से सूचना मिली थी जिसके बाद मोटरसाइकिल सवार दो

लोगो को मुकेश ओर अंबाराम को पकड़ा गया जिसके पास बोरे में 24 किलो गांजा बरामद हुआ दोनो आरोपियों से इस मामले में आगे की पूछताछ की जा रही है

केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव

पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना की 16 परियोजनाओं को मिली मंत्रि-परिषद की प्रशासकीय स्वीकृति

- पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना।
- 20 वर्ष पुरानी डीपीआर में होगा बदलाव।
- 10 जिलों में 3 लाख हेक्टेयर में होगी सिंचाई।

परियोजना अंतर्गत कुल 19 परियोजनाओं का कार्य होगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना के अंतर्गत प्रशासकीय स्वीकृति से शेष रही 16 परियोजनाओं के समूह को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इनकी लागत 28 हजार 798 करोड़ और सैंच्य क्षेत्र 04 लाख 72 हजार 970 हेक्टेयर होगा।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि स्वीकृत परियोजना से मध्यप्रदेश में मालवा एवं चंबल क्षेत्र के 10 जिले गुना, शिवपुरी, मुरैना, उज्जैन, सीहोर, इंदौर, देवास आगर मालवा, शाजापुर एवं राजगढ़ के 1865 ग्रामों के 4 लाख 73 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में नवीन सिंचाई क्षमता निर्मित होगी। साथ ही चंबल दाईं मुख्य नहर प्रणाली के आधुनिकीकरण से भिंड, मुरैना एवं श्योपुर जिलों के 1205 ग्रामों में 3 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा सुनिश्चित होगी।मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना सह पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के लिए सचिव भारत सरकार एवं दोनों राज्यों के अपर मुख्य सचिव के बीच मध्यप्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 28 जनवरी 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह परियोजना केंद्र द्वारा वित्त पोषित है, जिसकी लागत का वहन 90% केंद्र और 10% राज्यों द्वारा किया जाएगा।अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने बताया कि प्रयोजन अंतर्गत मध्यप्रदेश की परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए कुल अनुमानित लागत 35 हजार करोड़ आकलित की गई है। परियोजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश में कुल 21 परियोजना प्रस्तावित थी, जिनमें से पाडोन-एक एवं पाडोन-दो सिंचाई परियोजना के कमांड क्षेत्र को इकजाई कर पाडोन वृहत सूक्ष्म सिंचाई परियोजना एवं पावा सिंचाई परियोजना तथा कटीला सिंचाई परियोजना के कमांड क्षेत्र को इकजाई कर कटीला पावा वृहत सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, इस प्रकार 19 परियोजनाओं का कार्य सम्मिलित है। इनमें से 2 परियोजना उज्जैन जिले की चितावद वृहत सिंचाई परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति 2066.93 करोड़ रूपये 5 अक्टूबर 2023 को और सेवरखेड़ी, सिलारखेड़ी सिंचाई परियोजना के लिये 614.53 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी जा चुकी है। मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ (शिवना) सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति प्रक्रियाधीन है। शेष 16 परियोजनाओं को मंत्रि-परिषद द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

यह है नदियां

चंबल नदी

महू के दक्षिण में विंध्य पर्वतमाला में निकलती है। अपने उद्गम से यह उत्तर की ओर दक्षिण-पूर्वी राजस्थान राज्य में बहती है।

पार्वती नदी

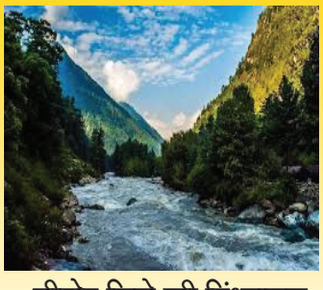

सीहोर जिले की विंध्याचल पहाड़ियों से निकलती है। यहां से गुना व फिर राजस्थान में प्रवेश कर पाली के पास चंबल नदी में मिलती है।

कालीसिंध नदी

देवास जिले के बागली गांव में विंध्याचल की पहाड़ियों से निकलती है। राजगढ़ से होते हुए राजस्थान पहुंचती है और चंबल में मिलती है।

इन परियोजनाओं को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

मध्यप्रदेश राज्य की परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिये कुल अनुमानित लागत 35000 करोड़ आकलित की गई है। मंत्रि-परिषद द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं में धनवाडी वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना , नैनागढ बैराज वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, सोनपुर वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, कटीला-पवा वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, श्यामपुर बैराज वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, पार्वती कॉम्प्लेक्स वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, जेठला (वैलेंसिंग रिजरवायर) वृहद सूक्ष्म उदवहन सिंचाई परियोजना, कुम्भराज वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, पाडोन वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना (पाडोन-1 एवं पाडोन-2 बैराज), रंजीत सागर काम्पलेक्स वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, कालीसिंध कॉम्प्लेक्स वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, लखुंदर काम्पलेक्स वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, बछौड़ा देपालपुर वृहद सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, सीकरी सुल्तानपुर मध्यम सूक्ष्म सिंचाई परियोजना, सोनचिरी मध्यम सूक्ष्म सिंचाई परियोजना एवं चम्बल नहर प्रणाली के नवीनीकरण और आधुनिकीकरण शामिल है।

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर ग्वालियर के समाजसेवी संस्थान सामाजिक सदस्यों ने कड़ाके की सर्दी से बचने के लिए कम्बल बांटे। इसमें शिव मोहन अग्रवाल ,प्रमोद पसरिचा,मनोज मुस्कान,मनोज चतुर्वेदी,मुकेश खंडेलवाल,अनिल शर्मा, अनूप साहू, संजय सपरा उपस्थित थे

देश के 80 प्रतिशत से अधिक घड़ियालों का घर है चंबल नदी

भोपाल वन्य जीवन से समृद्ध मध्यप्रदेश बाघ प्रदेश, चीता प्रदेश, तेंदुआ प्रदेश के साथ अब घड़ियाल प्रदेश भी है। यहाँ गिद्धों का आदर्श रहवास है। देश में घड़ियालों की संख्या 3044 है और उसमें से मध्यप्रदेश में 2456 है। इस प्रकार देश में 80 प्रतिशत से अधिक घड़ियालों का घर है मध्यप्रदेश। यहाँ पर डॉल्फिन का भी रहवास है। मध्यप्रदेश में अथक प्रयासों से घड़ियालों के संरक्षण का कार्य किया गया। उनके प्राकृतिक रहवास को सुरक्षित बनाया गया और अवैध शिकार पर रोक लगायी गयी। साथ ही अवैज्ञानिक मछली पकड़ने के तौर-तरीकों को बंद किया गया।

435 किलोमीटर क्षेत्र को किया चंबल घड़ियाल अभयारण्य घोषित

चंबल नदी के 435 किलोमीटर क्षेत्र को चंबल घड़ियाल अभयारण्य घोषित किया गया है। चंबल नदी मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सीमा पर बहती है। नदी में घड़ियालों की वृद्धि की वजह देवरी ईको सेंटर है। इस सेंटर में घड़ियाल के अण्डे लाये जाते हैं और उनसे बच्चे निकलने के बाद उनका पालन किया जाता है। बच्चों की आयु 3 साल होने पर उन्हें नदी में छोड़ दिया जाता है। प्रतिवर्ष 200 घड़ियाल को "ग्रो-एण्ड-रिलीज" कार्यक्रम के तहत नदी में छोड़ा जाता है। स्वच्छ नदियों में रहना और नदियों को स्वच्छ रखना घड़ियालों की विशेषता है। इसी वजह से कई राज्यों से इसकी माँग की जाती है। चंबल नदी के घड़ियाल प्रदेश एवं देश की नदियों की शान बढ़ा रहे हैं। जलीय जीव घड़ियाल नदियों का ईको सिस्टम मजबूत करते हैं। देश में वर्ष 1950 और 1960 के दशक के बीच घड़ियालों की आबादी में 80 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आयी। भारत सरकार ने 1970 के दशक में इसे संरक्षण प्रदान किया। संरक्षण समूहों ने प्रजनन और पुनः प्रवेश कार्यक्रम शुरू किये। हालांकि, वर्ष 1997 और वर्ष 2006 के बीच घड़ियालों की आबादी में गिरावट आयी।घड़ियाल को गेवियलिस गैंगेटिकस, जिसे गेवियल या मछली खाने वाला मगरमच्छ भी कहा जाता है। वयस्क मादा घड़ियाल 2.6 से 4.5 मीटर (8 फीट 6 इंच से 14 फीट 6 इंच) लम्बी होती है और नर घड़ियाल 3 से 6 मीटर (9 फीट 10 इंच से 19 फीट 8 इंच) लम्बे होते हैं। वयस्क नर के थूथन के अंत में एक अलग सिरा होता है, जो घड़ा नामक मिट्टी के बर्तन जैसा दिखता है, इसलिये इसका नाम घड़ियाल पड़ा। घड़ियाल अपने लम्बी, संकरी थूथन और 110 आपस में जुड़े तीखे दाँतों की वजह से मछली पकड़ने में सहायक होते हैं।राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य की स्थापना के लिये 30 सितम्बर, 1978 में भारत सरकार की प्रशासनिक स्वीकृति मिली थी। घड़ियालों का कुनबा बढ़ाने के लिये मुरैना में चंबल घड़ियाल सेंक्चुरी के देवरी घड़ियाल सेंटर में हेचिंग सेंटर शुरू किये जायेंगे। इन नदियों के किनारे बसे 75 गाँव के लोगों को जागरूक किया गया है। गाँव के 1200 लोग घड़ियाल मित्र के रूप में वन विभाग के साथ काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी भी चाहते हैं सुशासन के लिए डिजिटाइजेशन बढ़े

पारदर्शिता, तत्परता और जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का लक्ष्य होगा पूर्ण,मुख्य सचिव कार्यालय में भी शुरू हुई ई-ऑफिस प्रणाली

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सुशासन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश सरकार निरंतर अपनी सभी व्यवस्थाओं को ऑनलाईन करना चाहती है। डिजिटाइजेशन के माध्यम से सभी योजनाओं को बेहतर ढंग से लागू करने, विभागों का समन्वय बढ़ाने और जन कल्याण की गति तेज करने में आसानी होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी डिजिटाइजेशन के अभियान को आज के युग में पारदर्शिता की दृष्टि से और कार्यों की तत्परता की दृष्टि से आवश्यक मानते हैं। यह सुशासन की दिशा में एक ठोस कदम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से ई-ऑफिस क्रियान्वयन प्रणाली का शुभारंभ करते हुए कहा कि अनेक जन हितैषी कार्यक्रमों, गरीब, महिला, किसान और युवा वर्ग के कल्याण को फोकस

करते हुए मध्यप्रदेश सरकार डिजिटाइजेशन के माध्यम से आगे बढ़ना चाहती है। मुख्यमंत्री कार्यालय सहित मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने भी मुख्य सचिव कार्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली में कार्य प्रारंभ कर दिया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा की कि आम जनता को ई-ऑफिस से राहत मिलेगी। विभिन्न विभागों द्वारा 1 जनवरी 2025 से समस्त नस्तियों को ई-ऑफिस के माध्यम से संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे विभागों के कार्य प्रचलित नस्तियों के स्थान पर ही ई-ऑफिस के माध्यम से होंगे। इसके लिए विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित भी किया गया है। इस प्रणाली का शीघ्र ही समस्त विभागों द्वारा क्रियान्वयन हो, इस उद्देश्य से विभाग प्रक्रिया पूर्ण करेंगे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ई-ऑफिस प्रणाली की शुरूआत के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों और अमले को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। ई-ऑफिस प्रणाली के शुभारंभ अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

अद्वैत वेदान्त दर्शन के अध्ययन के लिए इस वर्ष 20 शिविर

भोपाल : आचार्य शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन और शिक्षाओं से युवाओं को परिष्कृत और सुसंस्कृत बनाने के लिए आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास वर्ष-2025 में 20 अद्वैत जागरण युवा शिविर आयोजित करेगा। 10 आचार्यों की दिव्य सान्निध्य में देश-विदेश के 18 वर्ष से 40 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभाशाली युवा अद्वैत वेदान्त अध्ययन कर सकेंगे। शिविर में शामिल होने के लिए इच्छुक युवा www.oneness.org.in पर जाकर पंजीयन करा सकते हैं। वर्ष-2025 का प्रथम शिविर 17 से 26 जनवरी तक आयोजित होगा। इसमें चिन्मय गार्डन, कोयम्बटूर, तमिलनाडु की स्वामिनी विमलानंद सरस्वती मनीषा पंचकम के माध्यम से युवाओं को अद्वैत से जोड़ेंगी। इसके बाद 1 से 10 फरवरी एवं 1 अगस्त से 10 अगस्त तक आर्ष विद्या गुरुकुलम्, कोयम्बटूर, तमिलनाडु में स्वामी परमात्मानंद सरस्वती तत्वबोध पर, 8 से 17 फरवरी तक श्री श्री ओंकारेश्वर आश्रम, मध्यप्रदेश में स्वामी प्रबुद्धानंद सरस्वती तत्वबोध पर, 15 से 24 फरवरी एवं 22 जून से 1 जुलाई तक अद्वैत आश्रम, मायावती, उत्तराखंड में स्वामी शुद्धिदानंद विवेक चूड़ामणि पर, 01 से 10 अप्रैल तक |

मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत छात्रवृत्ति का भुगतान अब UNIPAY से होगा

अब तक 29 लाख से अधिक बालिकाओं को 813.64 करोड़ रूपये की छात्रवृत्ति स्वीकृत

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि नव वर्ष से मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत पंजीकृत पात्र बालिकाओं को छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन राशि का भुगतान UNIPAY के माध्यम से किया जायेगा। यह व्यवस्था लागू हो जाने से अब छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन राशि का भुगतान बालिका के खाते में सीधे UNIPAY के माध्यम से हो सकेगा। भुगतान की सूचना भी मोबाईल में एसएमएस से बालिका को प्राप्त हो सकेगी। इस तरह भुगतान की प्रकिया अब और अधिक सटीक हो गयी है।

मुख्यमंत्री लाडली लक्ष्मी योजना में बालिका को कक्षा 6, कक्षा 9, कक्षा 11 एवं कक्षा 12 में छात्रवृत्ति देने एवं स्नातक प्रथम एवं अंतिम वर्ष में प्रोत्साहन राशि दिये जाने का प्रावधान है। अब तक लगभग 29 लाख से अधिक बालिकाओं को 813.64 करोड़ रूपये की छात्रवृत्ति स्वीकृत की जा चुकी है। पूर्व में यह राशि जिलों के

द्वारा आहरित कर सम्बंधित बालिका के खाते में डिपोजिट की जाती थी, इसमें समय लगता था और बालिका को सूचना भी नहीं प्राप्त हो पाती थी। UNIPAY के माध्यम से भुगतान प्रक्रिया प्रभावी और पारदर्शी हो गयी है। महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि विभाग लाड़ली बहना योजना की हितग्राहियों को UNIPAY पेमेंट पोर्टल के माध्यम से सहायता राशि का हस्तांतरण करता है। इसके लिए प्रत्येक हितग्राही का बैंक खाता आधार लिंक एवं डीबीटी इनेबिल्ड होना चाहिए, इसके पोर्टल का संचालन एमपीएसईडीसी द्वारा किया जा रहा है। इसमें कोई मैन्युअल हस्तक्षेप नहीं है। एमपीएसईडीसी के पोर्टल पर पेमेंट आर्डर जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी द्वारा जनरेट किया जाता है। पेमेंट आर्डर जनरेट होने के बाद एमपीएसईडीसी के UNIPAY पेमेंट पोर्टल से बैंकिंग पार्टनर को हितग्राही के आधार के रेफरेंस नंबर के साथ पेमेंट भेजा जाता है। इसके बाद बैंक यह पेमेंट आर्डर और NPCI को भेजता है NPCI इसे हितग्राही के पसम्बंधित बैंक को भेजता है।

एम.पी.ऑनलाइन से भी कर सकेंगे नए बिजली कनेक्शन का आवेदन : ऊर्जा मंत्री

जनवरी माह के अंतिम सप्ताह से मिलने लगेगी सुविधा

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को नए वर्ष में यह सौगात दी है कि वे अब एम.पी. ऑनलाइन से भी ऑनलाइन आवेदन कर नया बिजली कनेक्शन ले सकेंगे। इसके लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने एम.पी. ऑनलाइन से अनुबंध किया है। बिजली उपभोक्ताओं को यह सुविधा जनवरी के अंतिम सप्ताह से मिलना शुरू हो जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल एवं निदेषक (वाणिज्य) श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव की उपस्थिति में मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य) श्रीमती स्वाति सिंह एवं एम.पी.ऑनलाइन के बिजनेस हेड श्री संदीप राजपाल द्वारा कंपनी मुख्यालय में अनुबंध हस्ताक्षरित किया गया।इसके अनुसार अब एम.पी.ऑनलाइन के माध्यम से भी आवेदन करने पर नया बिजली कनेक्शन मिलने के साथ ही गैर कृषि उपभोक्ताओं का ईकेवाईसी, पीएम-सीएम किसान सम्मान निधि लाभार्थी का सत्यापन तथा पूर्व से विद्यमान कनेक्शन में भार वृद्धि, नाम परिवर्तन इत्यादि की सुविधा भी इसके माध्यम से मिलने लगेगी।

"गांव की बेटी योजना" एवं "प्रतिभा किरण योजना" में आवेदन प्रारंभ

छात्रवृत्ति के आवेदन ऑनलाइन

भोपाल उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित "गाँव की बेटी योजना" एवं "प्रतिभा किरण योजना" के अंतर्गत शैक्षणिक-सत्र 2024-25 में प्रवेशित छात्राओं के ऑनलाईन नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन के लिए छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन सुविधा प्रारंभ कर दी गई हैं।उच्च शिक्षा विभाग से संबद्ध समस्त विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में अध्ययनरत शैक्षणिक-सत्र 2024-25 में प्रवेशित समस्त पात्र छात्राएं "गांव की बेटी योजना" एवं "प्रतिभा किरण योजना" के अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी। छात्राएं पोर्टल https://hescholarship.mp.gov.in पर ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगी। समस्त विश्वविद्यालय के कुलसचिवों एवं शासकीय/अशासकीय महाविद्यालय के प्राचार्यों को सत्र 2024-25 में प्रवेशित छात्राओं के आवेदन सुनिश्चित कराने के लिए भी निर्देश जारी किये गये है।

समय पर पूर्ण करें चिकित्सकीय पदों पर भर्ती प्रकिया : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

33 हजार से अधिक पदों पर की जा रही है भर्ती

भोपाल : उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में ईएसबी एवं पीएससी के अंतर्गत प्रक्रियाधीन विभिन्न चिकित्सकीय एवं सहायक चिकित्सकीय पदों में भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि सभी भर्ती प्रक्रियाएं निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए मैन-पॉवर की समय पर नियुक्ति अत्यंत आवश्यक है।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मेडिकल कॉलेजों में पे-प्रोटेक्शन के विषय पर आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर, सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करते हुए इसे शीघ्र कैबिनेट अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीधी भर्ती एवं बैकलॉग पदों पर अब तक की गई कार्रवाई की पदवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि भर्ती प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सभी कैबिनेट स्वीकृत समस्त पदों पर भर्ती तय समय सीमा में पूरी की जाये। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर उसे तत्काल संज्ञान में लाया जाए। सभी औपचारिकताएं समयबद्ध ढंग से पूरी हों।

देश में प्रथम मध्यप्रदेश: खनिज ब्लॉकों की सबसे अधिक नीलामी, मिला 10 हजार करोड़ से अधिक राजस्व

नवाचारों से मध्यप्रदेश बनेगा माइनिंग केपिटल

भोपाल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नवाचारों से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार माइनिंग में नवाचार कर रही है। प्रदेश में सबसे पहले क्रिटिकल मिनरल के 2 ब्लॉक्स को नीलामी में रखा गया है। सबसे अधिक खनिज ब्लॉक्स की नीलामी कर मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर आ गया है। प्रदेश की समृद्ध खनिज सम्पदा और नई खनन नीतियों से राज्य की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। खनिज संसाधनों के उपयोग से न केवल राजस्व में बढ़ोत्तरी होगी, बल्कि रोजगार के नये अवसर भी पैदा होंगे। प्रदेश में कोयला, चूना पत्थर, डोलोमाइट और बॉक्साइट जैसे खनिजों का विशाल भण्डार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश खनन के क्षेत्र में अधिक राजस्व प्राप्त कर नई ऊँचाइयाँ छू रहा है।

प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2023-24 के मुकाबले खनिज राजस्व संग्रह में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, प्रदेश में पहली बार खनिज राजस्व संग्रह 5 अंकों में पहुंच गया। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस अवधि में 4 हजार 958 करोड़ 98 लाख रुपये प्राप्त हुए थे। जबकि वर्ष 2024-25 में यह प्राप्ति 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त किया गया है।

मध्यप्रदेश खनिज ब्लॉक्स की नीलामी में सर्वप्रथम

मध्यप्रदेश मुख्य खनिज ब्लॉकों की सर्वाधिक संख्या में नीलामी करने में देश में प्रथम स्थान पर है। भारत सरकार द्वारा वर्तमान में स्ट्रैटेजिक एवं क्रिटिकल मिनरल पर देश की आत्म-निर्भरता बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे इन खनिजों की आयात पर निर्भरता कम हो सके। प्रदेश द्वारा इस खनिज समूह के अंतर्गत अभी तक ग्रेफाइट के 8 खनिज ब्लॉक, रॉक-फॉस्फेट खनिज के 6 ब्लॉक सफलतापूर्वक नीलाम किये गये हैं। मुख्य खनिज के 20 ब्लॉकों की नीलामी के लिये विभाग द्वारा 9 अगस्त, 2024 को निविदा आमंत्रण सूचना-पत्र (NIT) जारी की गयी है, जिसकी कार्यवाही प्रचलन में है। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण खनिज गोल्ड के 4 ब्लॉक, मैग्नीज खनिज के 16 ब्लॉक एवं कॉपर का एक ब्लॉक अभी तक सफलतापूर्वक नीलाम किये गये हैं। भारत सरकार द्वारा जनवरी-2024 में एक्सप्लोरेशन नीति प्रभावशील की गयी। इस नीति के तहत मध्यप्रदेश राज्य द्वारा क्रिटिकल मिनरल के 2 ब्लॉक नीलामी में रखे गये हैं। मध्यप्रदेश केंद्र सरकार की इस नीति का क्रियान्वयन करने वाला पहला राज्य बन गया है। खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में भी प्रदेश प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में स्ट्रेटेजिक एवं क्रिटिकल मिनरल, मुख्यतः रॉक-फास्फेट, ग्रेफाइट, ग्लूकोनाइट, प्लेटिनम एवं दुर्लभ धातु (आरईई) के लिये कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 11 क्षेत्रों पर अन्वेषण कार्य किया गया।

प्रदेश में जिला खनिज विभाग के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य, जिसमें पेयजल, चिकित्सा, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, स्वच्छता, कौशल विकास और वृद्ध, विकलांग कल्याण के लिये 16 हजार 452 परियोजनाएँ स्वीकृत की गयी हैं, जिनकी लागत 4406 करोड़ रुपये है। इनमें से 7 हजार 583 परियोजना लागत 1810 करोड़ रुपये का कार्य पूर्ण हो गया है।

अवैध खनन को रोकने के लिये ई-चेकगेट की स्थापना

प्रदेश में खनिज के अवैध परिवहन रोकने के लिये एआई आधारित 41 ई-चेकगेट स्थापित किए जा रहे हैं। ई-चेकगेट पर वेरीफोकल कैमरा, आरएफआईडी रीडर और ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रीडर की सहायता से खनिज परिवहन में संलग्न वाहन की जाँच की जा सकेगी। परियोजना में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में खनिज परिवहन के लिये महत्वपूर्ण 4 स्थानों पर ई-चेकगेट स्थापित कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अवैध परिवहन की निगरानी के लिये राज्य स्तर पर भोपाल में कमाण्ड एवं कंट्रोल सेंटर तथा जिला भोपाल एवं रायसेन में जिला कमाण्ड सेंटर स्थापित किया गया है। इस वर्ष तक सभी 41 ई-चेकगेट की स्थापना किये जाने का लक्ष्य है।

अवैध खनन की रोकथाम के लिये उपग्रह और ड्रोन आधारित परियोजना प्रारंभ की गयी है। इस परियोजना के माध्यम से 7 हजार खदानों को जियो टैग देकर खदान क्षेत्र का सीमांकन किया गया है। यह परियोजना पूर्ण रूप से लागू होने पर अवैध खनन को चिन्हित कर प्रभावी कार्यवाही हो सकेगी। परियोजना के लागू होने पर स्वीकृत खदान के अंदर 3-डी इमेजिंग तथा वॉल्यूमेट्रिक एनालिसिस कर उत्खनित खनिज की मात्रा का सटीक आँकलन किया जा सकेगा। माइनिंग में नवाचारों से प्रदेश की आर्थिक प्रगति सुनिश्चित होगी, साथ ही इससे मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर खनिज उत्पादक राज्य के रूप में नई पहचान मिलेगी।

निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन

मध्यप्रदेश सरकार निजी क्षेत्र को प्रदेश के प्रचुर खनिज संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिये प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में हाल ही में भोपाल में आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव में कई बड़ी कम्पनियों ने माइनिंग सेक्टर में निवेश की इच्छा जताई है। कॉन्क्लेव में 20 हजार करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। राज्य सरकार ने खनिज क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये कई सुधार किये हैं। इनमें पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया, पर्यावरण-अनुकूल खनन और स्थानीय समुदायों को मुनाफे में भागीदारी देने जैसे कदम शामिल हैं।

प्रदेश में है देश का एकमात्र हीरा भण्डार

प्रदेश के पन्ना जिले में देश का एकमात्र हीरे का भण्डार है। हीरा खदान से प्रतिवर्ष एक लाख कैरेट हीरे का उत्पादन होता है। मलाजखण्ड कॉपर खदान भारत की सबसे बड़ी ताम्बा खदान है। इस खदान से प्रतिदिन 5 से 10 हजार ताम्बा निकाला जाता है। भारत के कुल ताम्बा भण्डार का 70 प्रतिशत ताम्बा मध्यप्रदेश में है। राज्य में स्थित सासन कोयला खदान भी अपने विशाल खनन उपकरणों के लिये प्रसिद्ध है। मध्यप्रदेश देश का चौथा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक राज्य है। प्रदेश में लाइम-स्टोन, डायमण्ड और पाइरोफ्लाइट जैसे खनिज संसाधन हैं।

मध्यप्रदेश के जिलों में खनिज के भण्डार हैं, जिसमें सतना, रीवा और सीधी में लाइम-स्टोन, बॉक्साइट, ग्रेफाइट, गोल्ड और ग्रेनाइट, सिंगरौली में कोयला, गोल्ड और आयरन, शहडोल, अनूपपुर और उमरिया में कोयला, कोल बेड, मिथेन और बॉक्साइट, छतरपुर, सागर और पन्ना में डायमण्ड, रॉक फास्फेट, आयरन, ग्रेनाइट, लाइम, डायस्पोर और पाइरोफ्लाइट, जबलपुर और कटनी में बॉक्साइट, डोलोमाइट, आयरन, लाइम-स्टोन, मैग्नीज, गोल्ड और मार्बल, नीमच और धार में लाइम-स्टोन, बैतूल में कोयला, ग्रेफाइट, ग्रेनाइट, लीड और जिंक, छिंदवाड़ा में कोयला, मैग्नीज और डोलोमाइट, बालाघाट में कॉपर, मैग्नीज, डोलोमाइट, लाइम-स्टोन और बॉक्साइट, मण्डला और डिण्डोरी में डोलोमाइट और बॉक्साइट, ग्वालियर और शिवपुरी में आयरन, फ्लेग-स्टोन और क्वार्ट्ज, झाबुआ और अलीराजपुर में रॉक फस्फेट, डोलोमाइट, लाइम-स्टोन, मैग्नीज और ग्रेफाइट के भण्डार हैं।

हर पात्र उपभोक्ता तक समय पर खाद्यान पहुंचाना हमारा लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप हर पात्र उपभोक्ता तक खाद्यान पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। इस लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। अधिकारियों को सख्त हिदायत दी गयी है कि इस कार्य में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी। साथ ही निष्ठा के साथ कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। केन्द्र और राज्य सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोये। इसलिये प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में गरीबों को निःशुल्क खाद्यान वितरित किया जा रहा है। इस योजना में अंत्योदय श्रेणी में लगभग 14 लाख परिवारों के 52 लाख सदस्यों एवं प्राथमिकता श्रेणी में लगभग एक करोड़ 15 लाख परिवारों के 4 करोड़ 93 लाख सदस्यों को लाभान्वित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से 27 हजार 627 दुकानों से 1 करोड़ 28 लाख परिवार के 5 करोड़ 46 लाख 42 हजार से अधिक सदस्यों को खाद्यान उपलब्ध कराया जा रह है। इसके माध्यम से हितग्राहियों को पोषण, खाद्य सुरक्षा तथा संबल प्राप्त हो रहा है। वन नेशन वन राशन कार्ड योजना ने हितग्राहियों की एक बड़ी समस्या का निराकरण किया है। पूर्व में रोजगार व अन्य कारणों से हितग्राही को राशन प्राप्त करने में असुविधा होती थी, किंतु वर्तमान में योजना का लाभ प्रदेश के 32,247 लोगों ने अन्य राज्यों में एवं प्रदेश के अंदर 12 लाख 73 हजार 221 तथा अन्य राज्यों के 3,153 लोगों ने प्रदेश में लाभ लिया है।मध्यप्रदेश शासन द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सम्मिलित एक करोड़ 28 लाख 86 हजार पात्र परिवारों को लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से खाद्यानों का वितरण किया जा रहा है। इसमें अंत्योदय श्रेणी एवं प्राथमिकता श्रेणी के पात्र परिवारों को गेंहू, चावल का प्रतिमाह वितरण किया जाता है। पूर्व में प्रदेश को केन्द्र सरकार से गेहूं एवं चावल 40:60 के अनुपात में प्राप्त हो रहा था। वर्तमान में गेहूँ एवं चावल का आवंटन 60:40 अनुपात से प्राप्त हो रहा है। इसी अनुपात में वितरण कराया जा रहा है।पात्र परिवारों को अपनी ग्राम पंचायत से ही राशन सामग्री प्राप्त करने के लिये प्रत्येक ग्राम पंचायत में उचित मूल्य दुकान खोलने का लक्ष्य है। विगत एक वर्ष में 281 नवीन उचित मूल्य दुकान ग्रामीण क्षेत्रों में खोली गई है।पूरे देश में मध्यप्रदेश की सर्वाधिक कोल्ड भण्डारण क्षमता 4 करोड़ मे.टन से अधिक है। अनाज भण्डारण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर होकर प्रथम स्थान पर है। कोविड काल में गेंहू खरीदी में वर्ष 2020-21 में 129.42 लाख मे.टन उपार्जन किया गया, जोकि देश में सर्वाधिक खरीदी का रिकार्ड एवं देश में प्रथम स्थान रहा। रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के बाद किसानों को 125 रूपये प्रति क्विंटल की दर से राज्य सरकार द्वारा लगभग 604 करोड़ बोनस राशि का भुगतान किसानों को किया गया है।पात्र परिवारों को वितरित राशन की जानकारी एसएमएस से दी जा रही है। मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना के अंतर्गत 89 आदिवासी विकासखण्डों के ग्रामों में राशन वितरण की व्यवस्था है। मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के अंतर्गत 894 बेरोजगार युवाको को ऋण के माध्यम से वाहन उपलब्ध कराकर राशन सामग्री का प्रदाय किया जा रहा है। योजना के माध्यम से जहां बेरोजगार युवकों को रोजगार मिल रहा है, वहीं राशन सामग्री परिवहन की ठेकेदारी व्यवस्था भी खत्म हो रही है। वर्तमान में 894 वाहनों से 27 हजार 627 दुकानों पर लगभग 3 लाख मीट्रिक टन राशन सामग्री का परिवहन किया जा रहा है। युवाओं को लगभग 16 करोड़ रूपये प्रति माह भुगतान भी किया जा रहा है।उपभोक्ताओं को घर के पास ही राशन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना से 20 अनुसूचित जनजाति बहुल जिलों में 89 विकासखण्डों के 6575 शासकीय उचित मूल्य दुकान विहीन ग्रामों में 7 लाख 13 हजार परिवारों को वाहन द्वारा राशन का वितरण किया जा रहा है। इस कार्य में लगे वाहनों का संचालन अनुसूचित जनजाति के युवकों द्वारा ही किया जाता है। इससे पंचायत मुख्यालय तक की दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं रही है और हितग्राहियों के धन और समय की बचत हुई है। नागरिक आपूर्ति निगम की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के लिये निगम द्वारा बैंक ऑफ महाराष्ट्र के सॉफ्टवेयर के स्थान पर अपनी जरूरत के अनुसार एनआईसी से बनवाये गए सॉफ्टवेयर का उपयोग करने का निर्णय लिया गया है। इससे निगम को करोड़ो रूपये की बचत होगी।कल्याणकारी योजना अंतर्गत अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्र/छात्राओं को 1 रूपये किलो की दर से खाद्यान्न का प्रदाय करने के साथ ही प्रधानमंत्री उज्जवला योजना अंतर्गत 89 लाख से अधिक परिवारों को निःशुल्क घरेलू गैस कनेक्शन दिये गये हैं। राज्य शासन द्वारा 24 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को 450 रूपये में रसोई गैस का सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। योजनान्तर्गत जुलाई 2023 से नवम्बर 2024 तक लगभग 741 करोड़ रूपये का अनुदान लाड़ली बहनों के खाते में जमा कराया गया है। योजना का क्रियान्वयन सतत् रूप से किया जा रहा है।दशहरा एवं दिवाली पर्व पर उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए मिठाई, नमकीन, बर्तन, पेन्ट एवं सराफा व्यापारियों के यहाँ नाप-तौल उपकरणों की जाँच के लिये 9 से 30 अक्टूबर तक विशेष अभियान चलाया गया। उपभोक्ताओं को सही कीमत और सही वजन की सामग्री मिलनी चाहिये। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिये विशेष अभियान चलाया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत निःशुल्क फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जा रहा है। आँगनवाड़ी केन्द्रों और मध्यान्ह भोजन के लिये भी फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जा रहा है। प्रदेश में प्रतिमाह लगभग 1.75 लाख मीट्रिक टन फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जा रहा है। इससे लगभग 5 करोड़ 45 लाख हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं।विभाग द्वारा पिछले 20 वर्ष में उल्लेखनीय कार्य किये गए हैं। लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं समर्थन मूल्य पर खाद्यान उपार्जन का एण्ड-टू-एण्ड कम्प्यूटराईजेशन किया गया। वन नेशन वन राशनकार्ड के तहत पात्र परिवारों को देश एवं प्रदेश की किसी भी उचित मूल्य दुकान से राशन सामग्री बितरण की सुविधा उपलब्ध करायी गयी।खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 के लिए धान, ज्वार और बाजरा की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करने के लिये उपार्जन नीति घोषित कर दी गयी है। ज्वार और बाजरा की खरीदी 20 दिसम्बर तक और धान की खरीदी 20 जनवरी 2025 तक की जायेगी। इसी प्रकार अच्छा कार्य एवं समय पर मिलिंग करने वाले मिलर्स को प्रोत्साहित करने के लिए खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 की प्रस्तावित मिलिंग नीति के संबंध में विभाग के द्वारा एक बैठक कर उनके भी सुझाव प्राप्त किये गये ताकि आने वाले समय में मिलिंग एवं भण्डारण के लेकर मिलर्स को मिलिंग करने में आसानी हो सके। विभाग के इस प्रयास से किसानों की परेशानियां कम होगी तथा उन्हें उपार्जन में आसानी होगी।खाद्य विभाग में अप्रैल 2023 से सितम्बर 2024 तक प्राप्त शिकायतों में से 97.24 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है। सी.एम. हेल्प लाइन पोर्टल पर इस अवधि में 4 लाख 48 हजार 552 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 4 लाख 36 हजार 202 शिकायतों का निराकरण किया जा चुका है। खाद्य विभाग ने 17 माह में से 14 माह में 'ए' ग्रेड प्राप्त किया है। इस तरह से खाद्य विभाग अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करते हुए शासन की जनहितैषी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने में तत्पर है।

सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने वर्ष 2024 में लिखा नया अध्याय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अथक प्रयासों के फलस्वरुप वर्ष 2024 में मध्यप्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र में नया अध्याय लिखा गया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई के "नदी जोड़ो" के सपने को साकार करते हुए प्रदेश में देश की दो बड़ी अति महत्वाकांक्षी एवं बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजनों का आगाज हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में 17 दिसंबर को जयपुर में पार्वती- कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना पर मध्य प्रदेश, राजस्थान और केन्द्र सरकार के बीच अनुबंध सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) हस्ताक्षरित किए गए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 25 दिसंबर को खजुराहो, छतरपुर में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास किया। केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना, देश में भूमिगत दाब युक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे पहली और बड़ी सिंचाई परियोजना है।

मध्यप्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है। इसे सबसे ज्यादा फिक्र अपने अन्नदाता की रहती है। सरकार निरंतर हर खेत तक पानी पहुंचाने के कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी राम सिलावट के नेतृत्व में प्रदेश के जल संसाधन विभाग की विभिन्न वृहद, मध्यम एवं सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से मध्य-प्रदेश में निरंतर सिंचाई का रकबा बढ़ रहा है। किसान पहले दो फसल ले पाते थे, अब तीसरी फसल भी लेने लगे हैं। साथ ही कृषि उत्पादन में भी वृध्दि हुई है। प्रदेश की धरती सुजलाम सुफलाम हो रही है।

सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश में सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2003 में जहां प्रदेश का सिंचाई रकबा लगभग 3 लाख हेक्टेयर था, आज बढ़कर लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। प्रदेश की निर्मित और निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं से प्रदेश में वर्ष 2025-26 तक सिंचाई का रकबा लगभग 65 लाख हेक्टेयर होने की संभावना है। सरकार ने वर्ष 2028-29 तक प्रदेश की सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और उसके लिए प्रदेश में तेज गति से कार्य किया जा रहा है। सरकार ने विभाग के लिए बजट में भी पर्याप्त राशि का प्रावधान किया है। वर्ष 2024-25 के बजट में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं संधारण के लिए 13 हजार 596 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

इस परियोजना से मध्यप्रदेश के 10 जिलों छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और 44 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। फसलों के उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण से हरित ऊर्जा में 103 मेगावॉट योगदान के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बेहतर जल प्रबंधन एवं औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास होगा और रोजगार को बढ़ावा भी मिलेगा। इस परियोजना से उत्तर प्रदेश में 59 हजार हेक्टेयर वार्षिक सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी एवं 1.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मौजूदा सिंचाई का स्थिरीकरण किया जायेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के महोबा, झांसी, ललितपुर एवं बांदा जिलों में सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। परियोजना से मध्यप्रदेश की 44 लाख और उत्तर प्रदेश की 21 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी

शहरों की तर्ज पर बने डुप्लेक्स जैसे आवासों में रहेंगे अब सहरिया जनजाति के लोग

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 जनवरी 2024 को शिवपुरी जिले के हातोद ग्राम पंचायत में 2 सहरिया जनजाति की महिलाओं से संवाद किया था, जिसमें पोहरी ब्लॉक की बूड़दा पंचायत की श्रीमति ललिता ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से हातोद जैसी आवासीय कॉलोनी खुद की बूड़दा पंचायत में भी बनवाने की गुजारिश की थी। बूड़दा पंचायत के सहरिया जनजाति के लिए ये एक सपना जैसा था जो अब साकार हुआ है। शिवपुरी जिले की चौथी कॉलोनी एवं पोहरी ब्लॉक की पहली जनमन आवासीय कॉलोनी बनकर तैयार हो गई है।

मुख्य कार्यपाल अधिकारी जनपद पंचायत ने बताया कि कॉलोनी में 32 सहरिया हितग्राहियो के आवास बनाए गए हैं। इन आवासों की ख़ास बात ये है कि ये आवास शहरों की तर्ज पर डुप्लेक्स जैसे बनाये गए है। इन आवासों में अब विशेष पिछड़ी जनजाति के सहरिया हितग्राही निवास करेंगे। इसके अतिरिक्त इन आवास में घर-घर नल एवं विद्युत कनेक्शन की सुविधा दी गयी है, साथ ही सड़क, सामुदायिक भवन, चौपाल आदि की सुविधा भी दी जाएगी।

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बूड़दा पंचायत की जनमन कॉलोनी की पूर्णता में आ रही समस्त अड़चनों का समयसीमा में निराकरण किया और कॉलोनी की गुणवत्ता के लिए सूक्ष्मता से मॉनिटरिंग की। उनका कहना है कि समस्त जनमन कॉलोनी में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा गया है और आवास बेहद सुन्दर बनाए गए हैं। कॉलोनी का प्रथम आवास पूर्ण करने वाली श्रीमति ललिता का कहना है कि देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी का बहुत धन्यवाद, जिन्होंने हमारे लिए इतनी सुन्दर आवास

कॉलोनी बनवाई, उन्होंने हमारे घर का सपना पूरा किया है।कॉलोनी को पूर्ण करने में पोहरी ब्लॉक के सहायक यंत्री, इंजीनियर, सचिव आदि का मुख्य योगदान रहा है। इसके साथ ही राजस्व विभाग द्वारा स्थल चिन्हांकन में योगदान दिया गया। पीएम-जनमन योजना को 15 नवंबर 2023 को बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए शुरू किया गया था। शिवपुरी जिले की जनपद शिवपुरी ने पीएम जनमन योजना में देश का पहला आवास और पहली कॉलोनी बनाकर, देश में प्रदेश का नाम रोशन किया था। साथ ही सर्वप्रथम 100 आवास, एक हजार आवास तथा 2 हजार आवास भी शिवपुरी जिले में पूर्ण किये गये हैं।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने भौंरी के शिक्षण संस्थानों का भ्रमण किया

भोपाल : उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार द्वारा भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों के साथ बैठक में चर्चा उपरांत भोपाल शहर को सेंट्रल रीजन के शैक्षणिक हब के रूप में विकसित करने पर निर्णय लिया गया, साथ ही शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों से एग्रो टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर की स्थापना करने पर भी चर्चा की गई।उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भौंरी स्थित शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में आईसर भोपाल में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिसमें केंद्र एवं राज्य के शैक्षणिक संस्थानों निफ्ट भोपाल, आरजीपीवी भोपाल, एसपीए भोपाल, आईसीएमआर-निरह भोपाल, एनएफएसयू भोपाल, एनआईटीटीटीआर भोपाल आदि संस्थानों के निदेशक एवं कुलगुरू तथा राज्य शासन के अधिकारी प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।उपरोक्त बैठक में सभी ने उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार को शिक्षा में नवाचार, न्यू एजुकेशन पॉलीसी के म.प्र. के शैक्षणिक संस्थानों में लागू करने तथा भोपाल को शैक्षणिक केन्द्र स्थल (हब) के रूप में विकसित करने की पहल करने के लिए धन्यवाद दिया।प्रो. गोवर्धन दास, निदेशक, आईसर भोपाल ने भौंरी क्षेत्र में एग्रो टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर की स्थापना करने का प्रस्ताव दिया जिस पर उपस्थित सभी निदेशकों एवं कुलगुरू ने सहमति दी।उक्त सुझाव पर माननीय मंत्रीजी ने एग्रो टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर की स्थापना भौंरी क्षेत्र में ही करने और साथ ही यहां एक कन्वेन्शन सेंटर को भी स्थापित करने की सलाह दी एवं बैठक से पूर्व दौरा की गई आईआईएसईआर भोपाल और निफ्ट से सटे

विश्वविद्यालय और शिक्षक, हमारी संस्कृति के अनुरूप देश और समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए युवा पीढ़ी को करें तैयार : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए समरस, समावेशी राष्ट्र के संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने अपनी अद्भुत दूरदृष्टि से हमें संविधान के रूप में जाति, लिंग, भाषा, धर्म, धन और शक्ति बल आदि के भेदभावों से मुक्त समावेशी, समरस समाज की धरोहर सौंपी है। राज्यपाल श्री पटेल शुक्रवार को महू में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय के 6वें दीक्षांत समारोह में अध्यक्षीय उद्बोधन दे रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के पूर्व कुलाधिपति डॉ. प्रकाश सी बरतूनिया, विधायक सुश्री उषा ठाकुर उपस्थित थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारा संविधान प्रेरणादायक जीवंत दस्तावेज और स्वतंत्र भारत का आधुनिक धर्म ग्रंथ है, जिसका समर्पित भाव से पालन, हर भारतीय का परम कर्तव्य है। विद्यार्थियों का दायित्व है कि संविधान का अपने आचरण, व्यवहार में समर्थन और संरक्षण करें। समाज के तुलनात्मक रूप से वंचित, पिछड़े वर्गों, समुदायों के भाई बहनों के विकास की जवाबदारी, जिम्मेदारी के साथ स्वीकार करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बाबा साहेब के सपनों के अनुरूप राष्ट्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा शिक्षण संस्थानों को ऐसे नागरिकों को तैयार करने का अवसर दिया है। यह जरूरी है कि विश्वविद्यालय और शिक्षक, हमारी संस्कृति के अनुरूप देश और समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सामाजिक समृद्धि और समानता के प्रति समर्पित युवा ध्वज वाहक तैयार करें।राज्यपाल ने शिक्षकों से अनुरोध किया कि शिक्षण प्रणाली को वह विद्यार्थियों की उद्यमिता को बढ़ावा देने, नवाचार की प्रेरणा देने, चिंतन, नेतृत्व के गुणों के साथ सामाजिक सरोकारों में सहभागिता के संस्कार प्रदान करने वाली बनाएं। युवा ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है, देश जब आजादी की 100वीं सालगिरह मनाएगा, देश का नेतृत्व युवा कर रहे होंगे, उस समय विकसित भारत का स्वरूप कैसा हो उसके लिए युवाओं को आज से ही कार्य करना होगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि बाबा साहेब अंबेडकर ने विपरीत परिस्थितियों में शिक्षा दीक्षा ग्रहण करने को गौरव की बात बताते हुए अनुकरणीय बताया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने जो सीखा, वो समाज को समर्पित किया। देश का संविधान इस बात का प्रमाण है जिसमें भारत की विविधता भरी संस्कृति, जनजाति नागरिक आदि को एक साथ

जोड़ा गया है। बाबा साहेब ने चित्रों के संयोजन से संविधान को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री रहने के दौरान इस विश्वविद्यालय में कई संकाय शुरू किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जरूरत के मुताबिक और नए संकाय खोले जाएँगे। जनवरी माह में राज्यपाल की अध्यक्षता में कुलगुरूओं की बैठक में इस पर निर्णय लिए जाने का मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि युवाओं के कौशल विकास और स्पष्ट दिशा देने के साथ ही विश्वविद्यालय की आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास किए जाएँगे। मुख्यमंत्री ने दीक्षांत समारोह के माध्यम से विद्यार्थियों को उपाधि देने के सिलसिले को आरम्भ करने में राज्यपाल की पहल का अभिनंदन भी किया। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा दीक्षा के ज़रिए अपना भविष्य उज्जवल बनाने की शुभकामनाएं भी दीं।

समारोह को सारस्वत अतिथि श्री बरतूनिया ने भी संबोधित किया

दीक्षांत समारोह में संस्थान के 16 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। अम्डेकर विश्वविद्यालय के द्वारा विगत 5 वर्षों में 100 से अधिक शोधार्थियों ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। वहीं बीते सत्र में विश्वविद्यालय से 851 विद्यार्थियों ने डिग्री हासिल की है। इसमें से पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर डिग्री प्रदान की गई। आरंभ में अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती, भगवान बुद्ध और बाबासाहेब की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। स्वागत उद्बोधन विश्वविद्यालय के कुलगुरु श्री रामलाल अत्राम ने दिया।

जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान में अब जुड़ गया है जय अनुसंधान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस बाल प्रतिभाओं के विकास का बेहतरीन मंच,राज्य सरकार विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध,मुख्यमंत्री ने किया राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ,डोंगला में स्थापित वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला के ऑटोमेशन का वर्चुअल किया शुभारंभ

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय विज्ञान और परंपरा के गहरे संबंध हैं। भारत ने हमेशा अपने नेतृत्व से विज्ञान और नवाचार को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच ने भारतीय विज्ञान और अनुसंधान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान, जय किसान' का आह्वान कर भारत को एक नई ऊर्जा दी। इस नारे ने न केवल भारत की रक्षा और कृषि को मजबूत किया, बल्कि राष्ट्र को आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित भी किया। इसके बाद पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने इस कड़ी में 'जय विज्ञान' को जोड़ा, जो भारत की वैज्ञानिक सोच और उपलब्धियों को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस श्रृंखला में 'जय अनुसंधान' जोड़ते हुए विज्ञान और नवाचार को एक नई दिशा दी है। कोविड-19 महामारी के दौरान मात्र एक वर्ष में स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण करना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। यह उपलब्धि भारत के वैज्ञानिक सामर्थ्य और नेतृत्व की कुशलता को प्रदर्शित करती है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के समय में हुए परमाणु परीक्षण (पोखरण) और प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हुई वैज्ञानिक प्रगति, दोनों ही यह दिखाते हैं कि भारत ने हर चुनौती को अवसर में बदलकर दुनिया के सामने अपनी योग्यता और क्षमता को सिद्ध किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रवींद्र भवन में 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस को बाल प्रतिभाओं के विकास का बेहतरीन मंच बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन जिले के डोंगला में स्थापित वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला में हुए नवीनीकरण कार्य एवं नए उपकरणों के साथ ऑटोमेशन कार्य का वर्चुअल शुभारंभ किया। उन्होंने वीर भारत न्यास के रिसर्च जर्नल 'युगयुगीन भारत का पुरोवाक्' का विमोचन किया, साथ ही वीर भारत न्यास द्वारा बनाई गई महादेव फिल्म सीरीज का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जितेन्द्र सिंह का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया। वीडियो संदेश में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंह ने राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में आए बच्चों को श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने की प्रेरणा देकर उनका उत्साहवर्धन किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। विज्ञान और संस्कृति का यह समन्वय भारत को एक बार फिर से वैश्विक मंच पर सबसे आगे लाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने बच्चों और शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत का भविष्य आप सबके हाथों में है। विज्ञान, संस्कृति और परंपरा का संतुलन ही हमारे विकास का आधार है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में 6 खाड़ी देशों और भारत के विभिन्न राज्यों से आये 700 बच्चों और शिक्षकों की भागीदारी ने इसे विशेष और ऐतिहासिक बना दिया है। यह आयोजन नई पीढ़ी को विज्ञान और नवाचार के प्रति प्रेरित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डोंगला वेधशाला के ऑटोमेशन के शुभारंभ पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह पहल छात्रों और शोधकर्ताओं के लिये खगोलीय रहस्यों को बेहतर तरीके से समझने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि भारत का खगोल विज्ञान प्राचीन काल से उन्नत थे। उन्होंने कहा कि नवग्रह की पूजा, ज्योतिष और खगोलीय घटनाओं का अध्ययन हमारी सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रीनविच समय की अवधारणा को पुनः परिभाषित करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने समय और खगोलीय पिण्डों की परिक्रमा का अध्ययन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से किया था, जिसे आज के परिप्रेक्ष्य में पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता है। रात के बारह बजे दिन की शुरूआत किसी भी दृष्टिकोण से वैज्ञानिक नहीं लगती। उन्होंने बाल वैज्ञानिकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि हर हाथ को काम, हर खेत को पानी के साथ अब हर युवा को अनुसंधान के अवसर देने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी कोशिश है कि हम भारत के प्राचीन इतिहास और ज्ञान को न केवल संरक्षित करें, बल्कि इसे आधुनिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करें। विज्ञान और संस्कृति की जुगलबंदी ने भारत को हजारों वर्षों से समृद्ध बनाए रखा। इसे पुनर्परिभाषित करने का समय आ गया है।

मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार और वीर भारत न्यास के सचिव डॉ. श्रीराम तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में पहली बार राज्य की प्राचीन भारतीय विरासत, साहित्य, संस्कृति, विज्ञान, कृषि, जल संरक्षण और उद्योग-व्यापार के समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विज्ञान और संस्कृति को एक साथ जोड़ने के प्रयासों को नई ऊंचाई दी है। इसी क्रम में वीर भारत न्यास द्वारा दो महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। पुरोवाक् रिसर्च जर्नल भारतीय सभ्यता, संस्कृति और इतिहास के विभिन्न आयामों पर केंद्रित होगा। इसका पहला अंक भारत की ऐतिहासिक, पुरातात्विक और समाज वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समकालीन प्रासंगिकता को रेखांकित करता है। यह पत्रिका संस्कृति और विज्ञान के बीच के संबंधों को एक नए दृष्टिकोण से सामने लाने का प्रयास करेगी। वीर भारत यूट्यूब चैनल की नई सीरीज 'महा देव' शिव से जुड़े ब्रह्मांडीय और वैज्ञानिक पहलुओं पर आधारित है। महादेव का आदि ज्योर्तिलिंग अब तक के 84 कल्पों के महादेवों, ज्योतिर्लिंगों, एकादश रुद्रों, और ब्रह्मांडीय घटनाओं पर आधारित यह प्रस्तुति एक नई सोच को सामने लाएगी। इसके अलावा अपने शौर्य, रचनात्मकता तथा सामाजिक-सांस्कृतिक संस्कारों से भारत को समृद्ध करने वाली विविध जनजातियों पर केन्द्रित सीरिज 'युग युगीन भारतवंशी' जिसमें सृष्टि की पुराकथा तथा पुराण कथाओं के भीतर अंतर्निहित विज्ञान और दर्शन सम्मत अवधारणाओं का संग्रह यह सीरीज़ प्राचीन भारतीय जनजातियों और उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक योगदान को रेखांकित करती है। वीर भारत न्यास की यह पहल भारतीय परंपरा और आधुनिकता के संगम की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी।

अपर मुख्य सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे ने बाल विज्ञान कांग्रेस के आयोजन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में लगातार नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं 1993 बैच के आईएएस अधिकारी हैं उन्हें इस बात की खुशी है कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की शुरूआत भी इसी वर्ष उनके गृह नगर ग्वालियर में हुई थी। उन्होंने कहा कि भोपाल जैसी हरित एवं स्वच्छ राजधानी राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के आयोजन के लिए एक सर्वथा आदर्श स्थल है।

आईआईटी इंदौर के निदेशक डॉ. सुहास जोशी ने बताया कि डोंगला की टेलिस्कोप के ऑटोमेशन के लिए आईआईटी इंदौर ने सॉफ्टवेयर डेवलप किया है। इस सुविधा से देश का कोई भी नागरिक घर बैठे इसका उपयोग कर सकता है। उन्होंने आईआईटी इंदौर में साइंस एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी बाल वैज्ञानिकों को आईआईटी इंदौर भ्रमण करने का आमंत्रण भी दिया।विज्ञान भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री डॉ. शिव कुमार शर्मा ने कहाकि शोध एवं नवाचारों से नए-नए तथ्य सामने आते हैं। विज्ञान भारती विज्ञान एवं तकनीक को समाज के आनंद और खुशी के लिए खोज करने को बढ़ावा देती है। ऐसे अविष्कारों को बढ़ावा देती है, जो समाज में सकारात्मकता, शांति, सुख, समृद्धि में इजाफा करें, साथ ही पर्यावरण की वर्तमान चुनौती और समस्याओं का समाधान निकालें। उन्होंने कहा कि आशा है कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में पूरे देश से आए बाल वैज्ञानिक इन 4 दिनों में इस दिशा में अग्रसर होंगे।

सचिव, केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी डॉ. अभय करंदीकर ने कहा कि राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की शुरूआत वर्ष 1993 में मध्यप्रदेश के ग्वालियर से ही हुई थी। यह केन्द्र सरकार का एक फ्लैगशिप प्रोग्राम है। यह उन बाल वैज्ञानिक प्रतिभाओं को निखरने का अवसर देती है, जो वर्तमान की ज्वलंत समस्याओं का निदान करेंगी।

प्रदर्शनी का अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के शुभारंभ से पहले रवीन्द्र भवन परिसर में आयोजित बाल वैज्ञानिकों की मॉडल प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने बच्चों द्वारा प्रदर्शित विज्ञान मॉडल्स का बारीकी से अवलोकन किया, विजिटर बुक में रिमार्क लिखे और बाल वैज्ञानिकों की मुक्त कंठ से सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से आयोजित विज्ञान चित्र प्रदर्शनी का भी शुभारंभ कर अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बच्चों के बीच पहुंचे और उनके साथ मैत्री संवाद किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ सेल्फी भी ली।

विधान सभावार विजन आधारित तैयार करें रोडमैप - मुख्यमंत्री डॉ.यादव

जन समस्याओं के निराकरण के लिए करें जन-संवाद

रैन बसेरों का निरीक्षण करें

विधानसभा वार समीक्षा की जाए

मुख्यमंत्री ने बैठक में दिए निर्देश

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी विधायकों को अपने क्षेत्र के विकास का विजन डॉक्यूमेंट (रोडमैप) बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सभी विधायक क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ जन समस्याओं के निराकरण को लेकर जन-संवाद करें। जनकल्याण अभियान के मिल रहे परिणामों का आकलन करें और सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसके लिए जरूरी है कि जनता के बीच जाएं, उनसे संवाद करें, उनकी समस्याएं जानें और निराकरण के लिए तुरन्त कदम उठाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को इंदौर संभाग में चल रही विकास गतिविधियों एवं वृहद् निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी सहित अन्य क्षेत्रीय विधायकों एवं जन-प्रतिनिधियों ने बैठक में अपने-अपने क्षेत्र से वर्चुअली सहभागिता की। मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव श्री एस.एन, मिश्रा, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन, प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी, प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ल, प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गाँव में रात्रि विश्राम करें अधिकारी और जन-प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में वर्चुअली जुड़े मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधियों से कहा कि वे सरकार की योजनाओं का फीडबैक लेने के लिए अधिकाधिक फील्ड दौरे करें। जन-प्रतिनिधि, क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ दूरस्थ गाँव (विशेषकर जनजातीय ग्राम) में रात्रि विश्राम करें। वहां ग्रामीणों से बात करें, उनकी कठिनाईयों का समाधान करें। मुख्यमंत्री ने दिन-ब-दिन बढ़ती सर्दी के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे रैन बसेरों का औचक निरीक्षण करें। जरूरतमंदों को कंबल एवं गर्म वस्त्र प्रदाय करें। किसी को भी सर्दी से कठिनाई न होने पाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए विधायक यदि चाहें, तो कोई नवाचार भी कर सकते हैं। ऐसी नवाचारी गतिविधियों को अमल में लाएं, जिससे जनता को अधिकतम लाभ हो। उन्होंने कहा कि अब सभी संभागों के प्रभारी अपर मुख्य सचिव जिलेवार समीक्षा बैठक करेंगे। इससे सभी विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र की प्रमुख मांगों एवं संवदेनशील विषयों को रखने का पर्याप्त अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि सभी कलेक्टर्स अब विधानसभावार समीक्षा बैठक करें। जिले के सभी विधायकों से चर्चा करें और उनके विधानसभा क्षेत्र का विजन डाक्यूमेंट बनाने में सहयोग भी करें।

पुराने मंजूर सीएम राइज स्कूल का निर्माण पूरा कराएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीएम राइज स्कूलों के निर्माण की समीक्षा में कहा कि पुराने मंजूर सीएम राइज स्कूलों का जितना भी निर्माण कार्य अभी शेष है, पहले उन्हें विशेष प्राथमिकता से पूरा कर लिया जाए। इसके बाद नये सीएम राइज स्कूलों के निर्माण का प्रस्ताव लिये जाए।

ताप्ती-चिल्लूर वृहद परियोजना की पूर्णता के लिये महाराष्ट्र सरकार से करेंगे चर्चा

जल संसाधन विभाग की समीक्षा में खंडवा जिले की ताप्ती-चिल्लूर वृहद सिंचाई परियोजना के बारे में जानकारी दी गई। इस पर खंडवा जिले के हरसूद से विधायक एवं जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने मुख्यमंत्री से इस परियोजना को जल्द से जल्द मंजूरी देने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन देते हुए कहा कि जल्द से जल्द इस पर काम शुरू किया जाएगा। यदि आवश्यकता हुई, तो वे स्वयं महाराष्ट्र शासन से भी इस परियोजना के संबंध में चर्चा करेंगे। उल्लेखनीय है कि करीब 26 हजार 279 करोड़ रूपए लागत वाली इस वृहद सिंचाई परियोजना के पूरा होने पर संबंधित क्षेत्र के 81 हजार 600 हेक्टेयर रकबे में फसल सिंचाई एवं वाटर रिचार्जिंग की स्थायी सुविधा उपलब्ध हो जाएगी।

जल जीवन मिशन के कामों में तेजी लाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर संभाग में जल जीवन मिशन के तहत संचालित कामों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करें। जल जीवन मिशन सीधा जनता से जुड़ा अभियान है। यदि इस अभियान के क्रियान्वयन में कोई समस्या आ रही है, तो आपसी संवाद एवं समन्वय से उसका समाधान निकाला जाए। उन्होंने कहा कि वे 20 जनवरी तक पूरे प्रदेश में जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। बताया गया कि इंदौर संभाग के अंतर्गत अधीन जिलों में नल-जल योजना के अंतर्गत खोदी गई 3205.83 कि.मी. रोड के विरूद्ध अब तक 3166.81 कि.मी. रोड का रेस्टोरेशन कार्य गुणवत्तापूर्वक पूरा कर लिया गया है। शेष रोड का रेस्टोरेशन कार्य पाइप लाईन की टेस्टिंग के बाद पूरा कर लिया जाएगा।

इंदौर-उज्जैन के वर्तमान फोरलेन को बनाया जाएगा सिक्स लेन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर-उज्जैन के फोरलेन को सिक्स लेन में बदलने के संबंध में अब तक हुई प्रगति की जानकारी ली। बताया गया कि इस काम के लिए निर्माण एजेंसी से अनुबंध कर लिया गया है। तय निर्माण एजेंसी द्वारा अनुबंध के अनुसार प्री-कंस्ट्रक्शन गतिविधियां भी तेजी से संचालित की जा रही है। इंदौर सांसद ने इंदौर-देपालपुर मार्ग को फोरलेन बनाए जाने की मांग रखी। बैठक यह भी बताया गया कि मध्यप्रदेश में वर्तमान 6 एक्सप्रेस-वे नियोजित हैं,जिसमें नर्मदा प्रगति पथ, विंध्य एक्सप्रेस-वे, मालवा-निमाड़ विकास पथ, बुंदेलखंड विकास पथ, अटल प्रगति पथ और मध्य भारत विकास पथ का निर्माण प्रगतिरत है।

अपने सुझाव परिसीमन आयोग को भी दे सकते हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में वर्चुअली जुड़े सांसद एवं विधायकों से कहा कि यदि वे क्षेत्रीय आबादी या भौगोलिक स्तर पर जनहित में अपने जिले या तहसील का संभाग या जिला परिवर्तन कराना चाहते हैं, तो वे अपने सुझाव लिखित में राज्य सरकार द्वारा गठित परिसीमन आयोग को दे सकते हैं। प्राप्त सुझाव पर परिसीमन आयोग ही अंतिम निर्णय लेगा।

बड़ी ग्राम पंचायतों को नगर परिषद में बदलने के दे दें प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार बड़ी ग्राम पंचायतों को नगर परिषद में बनाने के मामलों में गंभीर है। सभी विधायक अपने क्षेत्र की ऐसी सभी बड़ी ग्राम पंचायतों को नगर परिषद में बदलने का प्रस्ताव दे दें। आबादी को लाभ और जनहित में सरकार प्रस्तावों पर समुचित निर्णय लेगी।

यातायात सुधार की मुहिम को गति देकर और अधिक प्रभावी बनाया जायेगा

इंदौर में 72 बेसमेंट को किया गया पार्किंग में परिवर्तित,कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

इंदौर शहर में यातायात सुधार की मुहिम लगातार जारी है। इस मुहिम को गति देकर और अधिक प्रभावी बनाए जाएगा। मुहिम के तहत जिला प्रशासन, नगर निगम, यातायात पुलिस, इंदौर विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण सहित अन्य विभागों के संयुक्त प्रयासों से सड़कों एवं चौराहों के तकनीकी सुधार, सौंदर्यीकरण, सड़कों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण हटाकर उन्हें बाधा मुक्त करने, बेसमेंट को पार्किंग में परिवर्तित करने सहित अन्य गतिविधियां चल रही है। अभियान को गति देने के लिए आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, डीसीपी ट्रैफिक श्री अरविंद तिवारी, अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती ज्योति शर्मा तथा श्री रोशन राय, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और यातायात विशेषज्ञ मौजूद थे। बैठक में शहर के मुख्य मार्गों पर यातायात को सुगम बनाने के लिए ऐसे भवन जिनके बेसमेंट के पार्किंग को पार्किंग की जगह अन्यंत्र उपयोग किया जा रहा है के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई के लिये चलाये जा रहे अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। बताया गया कि इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आये है। अभी तक सभी वार्डों में 134 भवनों के पार्किंग का अन्यंत्र उपयोग करने पर उन्हें सील करने की कार्रवाई की गई। इसमें से 7 बेसमेंट को सीएमडी वेस्ट भरकर बंद किया गया। साथ ही 72 भवन के बेसमेंट को पार्किंग में परिवर्तित किया गया है। इससे लगभग दो हजार से अधिक दोपहिया और चार पहिया वाहनों के पार्किंग की सुविधा मिली है। इससे पार्किंग व्यवस्था तथा यातायात को सुगम बनाने में मदद मिली है। इस तरह का अभियान लगातार जारी रहेगा। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि शेष बचे भवनों के बेसमेंट को भी शीघ्र पार्किंग में परिवर्तित कराये। बेसमेंट को पार्किंग में परिवर्तित नहीं करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वाहन निश्चित स्थान पर ही पार्क हो, सड़कों पर वाहन पार्क कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए की सड़क सुरक्षा समिति के बगैर अनुमोदन के कोई भी स्पीड ब्रेकर नहीं बने। स्पीड ब्रेकर बनाने के लिए सड़क सुरक्षा समिति से अनुमोदन प्राप्त किया जाए। यह देखा जा रहा है कि बगैर तकनीकी मार्गदर्शन के स्पीड ब्रेकर बन रहे हैं जिससे दुर्घटना की हमेशा आशंका रहती है। बैठक में गुजरात राजस्थान और दिल्ली की ओर जाने वाली बसें कुमेड़ी स्थित आईएसबीटी से संचालित करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सड़कों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण तथा अन्य बाधाएं हटाने के लिए की जा रही कार्रवाईयों की जोनवार समीक्षा की। उन्होंने इस संबंध में चलाए जा रहे हैं अभियान को और अधिक गति देकर प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए मार्ग भी चिन्हित कर उक्त कार्रवाई तेज की जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में उपस्थित सभी जोनल अधिकारियों से चर्चा कर की जा रही कार्रवाईयों की जानकारी ली। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों से कहा कि वे इस तरह की कार्रवाई सतत रूप से करते रहें। समझाइश और कार्यवाही के बाद पुनः सामग्री रख सड़क या फुटपाथ पर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। श्री सिंह ने कहा कि इंदौर में इस तरह के कार्य करने की और भी जरूरत है। जहां कार्रवाई हुई है वहां पर लगातार निगरानी रखी जाए। यह ध्यान रखा जाए की पुनः अतिक्रमण नहीं हो और कोई यातायात को बाधित नहीं करता है।

पेसा कानून के समस्त दावों का समय-सीमा में करें निराकरण - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पेसा कानून में प्रस्तुत समस्त दावों का निराकरण समय-सीमा निर्धारित कर प्राथमिकता पर किया जाए, आगामी कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में इसकी समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पेसा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनजातीय कार्य विभाग में पेसा सेल गठित करने पर सहमति प्रदान की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में समस्त पात्र भाई-बहनों का शत-प्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश तेंदूपत्ते का बड़ा उत्पादक है, लेकिन इसका व्यावसायिक उपयोग अन्य राज्यों में होता है। तेंदूपत्ता संग्राहकों और इससे जुड़े विभिन्न व्यवसायों को प्रदेश में ही प्रोत्साहित करने एवं जनजातीय भाई-बहनों को इसके लाभ दिलवाने के लिए रणनीति बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित टास्क फोर्स की कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने पर दिए गए दिशा-निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने के लिए राज्य शासन द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन अनुसार ग्रामवासियों को रिकार्ड ऑफ राइट्स शीघ्र प्रदानकिए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला स्तर पर वन, राजस्व और जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी समन्वय से कार्य करें। प्रदेश में विद्यमान 925 वन ग्रामों में से 827 को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। इनमें से 792 को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित कर अब तक 790 ग्रामों का गजट नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका है।

जीवन स्तर में सुधार और वन क्षेत्रों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय भाई-बहनों के जीवन स्तर में सुधार और वन क्षेत्रों के संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन में स्थानीय निवासियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, इसके साथ ही सामाजिक संस्थाओं को जोड़ते हुए गतिविधियों का विस्तार किया जाए। बैठक में मध्यप्रदेश वन अधिकार अनिधियम के प्रावधानों और उसके क्रियान्वयन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में विधि विशेषज्ञ डॉ. मिलिंद दांडेकर, विषय विशेषज्ञ डॉ. शरद लेले, श्री मिलिंद थत्ते, पूर्व विधायक श्री भगत सिंह नेताम, श्री राम दांगोरे, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य श्री गुलशन बामरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इंदौर में न्यू ईयर पर विवादःदो गुटों के बीच मारपीट और सगे भाइयों पर हमला, पुलिस ने दर्ज किया मामला

इंदौर के विजय नगर में न्यू ईयर की रात दो गुट के बीच जमकर लात घूसे चले। इस दौरान सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी वायरल हुआ। बीट के जवान मौके पर पहुंचे तो दोनो यहां मारपीट करने वाले भाग गए। रात में पुलिस ने काफी देर तक उन्हें ढूंढा।

विजयनगर पुलिस ड्रोन से इलाके में गश्त कर रही थी। लेकिन इलाके में हुआ विवाद इसमें केप्चर नही हुआ। वायरलेस सेट पर बुदेलखंड रेस्टारेट के यहां दो पक्षो में मारपीट हो गई। सूचना के बाद बीट के जवान बाहर पहुंचे। तो युवक वहां से भागने लगे। दो लड़के जिनके साथ मारपीट हुई। उनसे पुलिसकर्मियों ने पूछताछ की तो पब में एक दूसरे से कहासुनी के बाद बाहर विवाद होना बताया। बाद में दोनो युवक भी मौके से चले गए।

चाय पीने गए दो सगे भाईयो पर हमला

पलासिया थाने में भी मारपीट का मामला रात में सामने आया। पुलिस ने 4 युवकों पर केस दर्ज किया है। पलासिया पुलिस ने बताया कि कृष्णा बौरासी निवासी बडी ग्वालटोली की शिकायत पर पुलिस ने आकाश पुत्र कमल सिलावट निवासी खटीक मोहल्ला भाई अमन सिलावट, अभिषेक सिलावट और अन्नु उर्फ अनिकेत पुत्र मुकेश बौरासी निवासी पासी मोहल्ला के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। कृष्णा पेशे से ड्रायवर है। रात में वह छोटे भाई विशाल के साथ चाय पीने गीताभवन के पास गया था। तभी आरोपियों ने रंजिश के चलते यहां पर डंडे और लोहे के पाईप के साथ बुरी तरह मारपीट की। जिसमें दोनो भाईयो को चोट आई।

प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स को पुलिस ने हिरासत में लिया

इंदौर में नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन की राष्ट्रीय कोर कमेटी के दो सदस्यों को बुधवार को पुलिस घर से ले गई। 12 बजे वे डीडी पार्क में स्टूडेंट्स के साथ एक मीटिंग करने वाले थे। इसे लेकर नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के ट्वीटर हैंडल पर एक ट्वीट भी किया गया है।इंदौर में हाल ही में एमपीपीएससी ऑफिस के बाहर नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन के बैनर तले एक महाआंदोलन हुआ था। विभिन्न मांगों को लेकर यूनियन के सदस्य और अभ्यर्थियों ने चार दिन तक धरना प्रदर्शन किया। इस आंदोलन के बाद यूनियन के प्रतिनिधि मंडल ने सीएम डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की, जहां उन्हें उनकी मांगें पूरी करने का आश्वासन दिया गया।

इंदौर में एमडी ड्रग के साथ डॉक्टर गिरफ्तार, साथ में गांजा भी हुआ बरामद

इंदौरः इंदौर क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स के साथ एक डॉक्टर और उसके साथी को पकड़ा है. पुलिस को सूचना मिली कि तुलसी नगर निपानिया में दो व्यक्ति मादक पदार्थ लिए घूम रहे हैं. पुलिस ने होटल मिडलैंड के एक कमरे में दबिश दी तो भारत चौरसिया और योगेश लड़ाइया नामक दो युवकों को गिरफ्तार किया. इस दौरान कमरे में डॉक्टर योगेश लड़ाईया महिला के वेशभूषा में था. दोनों आरोपियों से एमडी ड्रग्स के अलावा गांजा भी बरामद किया गया है.पूछताछ है में पता चला कि योगेश लड़ाइया होम्योपैथिक डॉक्टर है और वह ड्रग्स लेने का आदी है. योगेश लड़ाइया महिला के वेशभूषा में मिला और वह हरकतें भी महिला की तरह कर रहा था. पुलिस ने उसके साथी भारत चौरसिया को भी गिरफ्तार किया है. भारत होटल में केयरटेकर है. वह होटल में ही रहता है. इसी दौरान उसकी दोस्ती योगेश से हो गई. इसके बाद दोनों साथ में नशा करने लगे. पुलिस का अनुमान है कि इस दौरान कई और युवक भी वहां पर आने वाले थे.

पुलिस पूछताछ में और भी खुलासे संभव

पुलिस का कहना है कि कुछ और खुलासे हो सकते हैं. क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया "योगेश लड़ाइया होम्योपैथिक डॉक्टर है. वह नशे का आदी है. नशे के लिए उसने बैंक से 5 लाख रुपये का लोन भी लिया है." पुलिस का अनुमान है कि इस होटल में ड्रग्स की पार्टी चलती होगी. इसलिए लोग यहां आते-जाते होंगे. लेकिन पुलिस की दबिश पड़ते ही लोग यहां से गायब हो गए. आरोपियों से पूछताछ में और भी खुलासे हो सकते हैं.

MP में ट्रिपल मर्डर से सनसनी, दंपती और महिला की बेरहमी से हत्या, बड़ा सवाल-कातिल कौन?

शिवपुरी जिले के मायापुर इलाके में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां लुटेरों ने दंपती समेत 3 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। तीनों की हत्या बेरहमी से की गई है। राउटोरा गांव में बीती रात को वारदात हुई। पुलिस ने मामले में अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दंपती के शव उनके घर में मिले। पड़ोस की महिला भी सोमवार सुबह अपने घर में मृत मिली। पति का शव फंदे पर लटका था। जबकि महिला के सिर पर चोटों के निशान मिले हैं। पड़ोस की महिला की हत्या गला घोंटकर की गई है। दंपती की पहचान सीताराम लोधी (75 वर्षीय) और मुन्नी बाई लोधी (70 वर्षीय) के तौर पर हुई है। वहीं, पड़ोसी महिला की पहचान 65 वर्षीय सूरज बाई के तौर पर हुई है। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। एसपी अमन सिंह समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया है। फॉरेंसिक टीमों ने सबूत जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस लूट के एंगल से जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक घर का सामान बिखरा मिला है। अंदेशा है कि लुटेरों ने हत्या की हो। पड़ोसियों के अनुसार मृतक दंपती की किसी से कोई रंजिश या विवाद नहीं था।

नाती ने देखे नाना-नानी के शव

सोमवार सुबह सीताराम का नाती घर पहुंचा था। लेकिन अंदर का नजारा देख दंग रह गया। उसने देखा कि नाना का शव लटका हुआ है। खून से लथपथ नानी का शव नीचे गिरा है। जिसके बाद लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। इसके बाद पता लगा कि पड़ोस में भी एक महिला की गला दबाकर हत्या की गई है। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर आकर जांच की। इसके बाद आसपास के लोगों से पूछताछ की। मध्य प्रदेश पुलिस का दावा है कि वारदात का खुलासा जल्द कर दिया जाएगा।

साइबर अपराध कर राशि भेजते थे पाकिस्तान और श्रीलंका, करोड़ों का क्राइम करने वाले को जमानत नहीं

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने करोड़ों रुपये का साइबर अपराध करने वाले आरोपी को जमानत देने से इंकार कर दिया है। जस्टिस पीके अग्रवाल की एकलपीठ के समक्ष शासन की ओर से दलील दी गई कि भोले-भाले लोगों का अपना शिकार बनाकर साइबर ठगी कर करोड़ों रुपये की राशि वसूल कर उसे पाकिस्तान और श्रीलंका भेजा जाता है। जो कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का गंभीर अपराध है। मामले को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने आरोपी की जमानत अर्जी खारिज कर दी। दरअसल, यह मामला तमिलनाडु के सीताकड़ी निवासी बाबूलाल उर्फ बबलू की ओर से दायर किया गया था, जिसे भोपाल क्राइम ब्रांच की टीम ने शिवम शर्मा की शिकायत पर 30 अगस्त 2024 को गिरफ्तार किया गया था। मामले में आरोप था कि वैभव ने तीन लाख रुपये का लोन दिलाने के नाम पर उससे ब्लैंक चेक, एटीएम कार्ड लिया। इसके बाद खाते में भारी भरकम ट्रांजेक्शन होने की जानकारी मिलने पर शिवम ने क्राइम ब्रांच को 10 जुलाई 2024 को शिकायत दी। जांच में पता चला कि वैभव अपने एक साथी के साथ मिलकर भोपाल, सीहोर और आष्टा में रहने वाले भोले-भाले लोगों के बैंक अकाउंट किराए पर लेता है। ऑनलाइन ठगी से मिलने वाली रकम किराए पर लिए गए बैंक अकाउंट में ट्रांसफर की जाती थी। उसके बाद वैभव और उसका एक दोस्त रकम निकालकर आवेदक बाबूलाल को भेजते थे। बाबूलाल उस रकम को क्रिप्टो करेंसी में बदलकर पाकिस्तान के गनी बाबा को भेजा था। इसका उन सभी को कमीशन मिलता था।

पहले की पत्नी की हत्या- फिर खुद झूला फांसी पर मरने से पहले बनाया वीडियो, किया वायरल

पहले पत्नी की हत्या और फिर खुद फांसी के फंदे पर झूल गया। यह खौफनाक कदम पत्नी के अवैध संबंधों को लेकर पति ने उठाया। मरने से पहले उसने वीडियो बनाया और पत्नी के अवैध संबंधों का खुलासा किया।

ब्यूरो रिपोर्ट- अविनाश जाजपुरा

नीमच। यह सनसनीखेज वारदात रामपुरा के पास ग्राम बुज की है। गांव के युवा मनीष बंजारा ने पहले पत्नी रेखाबाई की गला दबाकर हत्या कर दी और बाद में खुद गांव के महादेव मंदिर स्थित पेड़ पर फांसी के फंदे पर झूल गया। दोनों का तीन साल का बेटा है। मनीष बंजारा ने मरने से पहले वीडियो बनाया और पत्नी के अवैध संबंधों का खुलास किया। मनीष खिमला ब्लाक के ग्रीन प्रोजेक्ट में नौकरी करता था। उसने आत्महत्या से पहे वीडियो बनाकर जहां पत्नी के हत्या की बात स्वीकारी वहीं खुद को मौत के गले लगा लिया।

वीडियो में कहा-पत्नी के सुरेश सरपंच से अवैध संबंध

वीडियो में मनीष बंजारा ने कहा चार साल पहले मेरी शादी हुई थी। इसके बाद से ही पत्नी अपने मायके के सुरेश सरपंच नाम के युवक से बात करती थी। मेरे पास दोनों की बातचीत की रिकॉर्डिंग भी है। दो बार मैंने पत्नी को बात करते हुए पकड़ा। घर वालों को बताया तो उन्होंने समझाया कि धीरे-धीरे रिश्तों में सुधार हो जाएगा।

वह हर बार 6 माह के लिए मायके चली जाती थी। मेरे घर वाले उसे मनाकर वापस ले आते।

आरोपी मनीष

यह सब चलते हुए 3 साल हो गए। इस बीच पत्नी ने एक बालक को जन्म दिया। इसके बाद भी पत्नी सुरेश सरपंच के संपर्क में रही। मैं डिप्रेशन में चला गया। पत्नी रूठ कर मायके चली गई।

सुरेश सरपंच का मेरे सास व ससुर से अच्छा व्यवहार था। इसलिए वे कुछ नहीं कहते थे। उसका मेरी ससुराल में लगातार आना-जाना रहता था। तबीयत खराब होने के बावजूद पत्नी ने रोटी नहीं दी। जब तबीयत ठीक हुई तो मैंने खिमला प्लांट में 2 से 3 महीने काम किया। पत्नी का खर्चा-पानी उठाया, तब भी वह रूठ कर मायके में बैठी रही।कुछ दिनों बाद काका के मृत्युभोज में आई। 12-13 दिन तक तो उसने मुझसे बात नहीं की। मैं 12वीं पास हूं। मैंने आईटीआई भी किया है, लेकिन वह मेरी पढ़ाई इज्जत नहीं करती थी। मैं यह वीडियो इसलिए बना रहा हूं कि ताकि लोग मुझे गलत न समझें। एक पुत्र होने के बाद उसने मुझे बिना बताए बच्चा न होने वाला ऑपरेशन करा लिया। इसके बाद से वह अलग कमरे में सोती थी। इसलिए परेशान होकर मैंने उसे मार डाला। अब खुद को भी समाप्त करूंगा।

केस दर्ज, जांच शुरू

मामले में मनासा एसडीओपी विमलेश उईके का कहना है कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है जांच प्रारंभ कर दी गई है।

प्रयागराज महाकुंभ के लिए स्पेशल ट्रेन की शुरुआत

पश्चिम रेलवे द्वारा इंदौर रेलवे स्टेशन से संचालित होने वाली ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। अब इंदौर-उज्जैन मेमू ट्रेन (69212) 10 मिनट पहले यानी सुबह 8:10 बजे रवाना होगी, जबकि इंदौर-उज्जैन मेमू ट्रेन (69214) अब 35 मिनट पहले यानी सुबह 10:35 बजे रवाना होगी। इसके अतिरिक्त, यशवंतपुर-महू एक्सप्रेस (19302) 10 मिनट पहले सुबह 6:10 बजे इंदौर पहुंचेगी।

इसके अलावा, रीवा-महू एक्सप्रेस (11703) अब पांच मिनट पहले यानी दोपहर 2:15 बजे इंदौर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। शांति एक्सप्रेस भी पांच मिनट पहले सुबह 5:50 बजे इंदौर पहुंचेगी। पटना-इंदौर एक्सप्रेस पांच मिनट पहले दोपहर 2:25 बजे और जयपुर-इंदौर एक्सप्रेस 10 मिनट पहले सुबह 6:20 बजे इंदौर पहुंचेगी। लिंगमपल्ली-इंदौर हमसफर एक्सप्रेस 10 मिनट पहले रात 12:15 बजे, कोच्चुवेली-इंदौर एक्सप्रेस 10 मिनट पहले तड़के 4:30 बजे, शिप्रा एक्सप्रेस 10 मिनट पहले रात 12:15 बजे और भगत की कोठी-इंदौर एक्सप्रेस 10 मिनट पहले रात 9:05 बजे इंदौर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेन

जनवरी 2025 में प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ मेले के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल द्वारा डॉ. अंबेडकर नगर से बलिया के बीच स्पेशल ट्रेन (09371/09372) चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में चार-चार फेरे लगाएगी। ट्रेन संख्या 09371 की बुकिंग सभी पी आरएस काउंटर और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू हो चुकी है। गाड़ी संख्या 09371, डॉ. अंबेडकर नगर-बलिया कुंभ स्पेशल, 22 और 25 जनवरी के साथ ही 8 और 22 फरवरी को दोपहर 1:45 बजे डॉ. अंबेडकर नगर से रवाना होकर रतलाम मंडल के इंदौर, उज्जैन और शुजालपुर होते हुए

CBN की तस्करों से भिड़ंत,पहले दी वाहन को टक्कर- फिर चलाई गोलियां

दो अधिकारी घायल, एक तस्कर गिरफ्तार

मंगलवाड़ा के नारायणपुरा टोल प्लाजा पर CBN की तस्करों से आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टोल प्लाजा पर तस्करों ने पहले CBN की गाड़ी में टक्कर मारी और फिर फायरिंग शुरू कर दी। तस्करों से हुई भिड़ंत में सीबीएन के दो अधिकारी घायल हो गए वहीं एक तस्कर साढ़े तीन क्विंटल डोडाचूरा के साथ पकड़ा गया।

ब्यूरो रिपोर्ट- अविनाश जाजपुरा

मंगलवाड़ा टोल प्लाजा पर तस्करों से हुई सीबीएन भिड़ंत

नीमच। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन), नीमच की टीम नारकोटिक्स उपायुक्त डॉ. संजय मीणा के नेतृत्व में बड़ी कार्यवाही करते हुए मंगलवाड़ा के नारायणपुरा टोल पर मादक पदार्थ डोडाचूरा की बड़ी तस्करी को रोका। बड़ी मात्रा डोडाचूरा बाड़मेर ले जा रहा था, जिस पर तुरंत कार्यवाही करते हुए डीएनसी डॉ. संजय मीणा ने टीम का गठन किया और सीबीएन टीम ने चित्तौड़गढ़ उदयपुर राजमार्ग पर नारायणपुरा टोल प्लाजा तस्करों की गाड़ी को रोकने के लिए टोल बूथ के सामने गाड़ी लगा दी। टोयटा इनोवा कार में बैठे दो तस्करों ने सीबीएन की गाड़ी को पहले टक्कर मारी और फिर गोलियां चलाकर फायर करते हुए भागने लगे, जिनमें एक तस्कर को सीबीएन टीम ने धरदबोचा। तस्करों से आमने-सामने हुई भिडंत में सीबीएन के दो अफसर घायल हो गए और एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया हैं।

पकड़ा 345 किलोग्राम डोडाचूरा

डोडाचूरा लेकर बाड़मेर जा रहे है तस्करों से सीबीएन ने 3 क्विंटल 45 किलो 940 ग्राम डोडाचूरा बरामद किया। यह डोडाचूरा 17 बैगों में भरा हुआ था।

एक महीने में दूसरी बड़ी भिड़ंत

सीबीएन की एक महीने में तस्करों से यह दूसरी बड़ी भिड़ंत हुई है। इससे पहले कोटा हैगिंग ब्रिज पर भी तस्करों को रोकने के लिए सीबीएन की जावरा टीम से तस्करों की भिड़ंत हो गई थी।

डीएनसी के नेतृत्व में प्रभावी कार्यवाही

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के डिप्टी नारकोटिक्स आयुक्त डॉ. संजय मीणा के नेतृत्व में सीबीएन लगातार प्रभावी कार्यवाही कर रही है। सीबीएन टीम द्वारा मादक पदार्थ की तस्करी रोकने के लिए लगातार ऑपरेशन चलाया जा रहा है और तस्करों को पकड़ा जा रहा है।

पहले सीबीएन की गाड़ी को दी टक्कर।

स्टॉक ट्रेडिंग में कैसे बनाएं करियर?

शेयर बाज़ार ऐसा बाज़ार है, जिसमें दिनभर की उठा-पटक के बाद ट्रेडर्स लाखों कमाते हैं या फिर लाखों डुबो देते हैं. ये ख़तरों का ऐसा बाचार है, जिसमें ट्रेडर को ट्रेडिंग की सही जानकारी न हो तो पैसा कमाने का सपना धरा का धरा ही रह जाता है. यदि आप भी स्टॉक टेडिंग में अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं, तो किसी अच्छे संस्थान से कोर्स कर अपनी योग्यता बढ़ा सकते हैं.

पिछले कुछ सालों से देश में ट्रेडिंग इंडस्ट्री काफी तेज़ी से विकसित हुई है, जिसके कारण स्टॉक ट्रेडिंग में लोगों की रुचि भी उतनी तेज़ी से बढ़ी है. बाज़ार का सही ज्ञान हो, तो कम समय में ज़्यादा पैसा कमा सकते है. इसलिए इस इंडस्ट्री के बारे में हर कोई जानना चाहता है. बेरोज़गार व्यक्ति और व्यापारी वर्ग ही नहीं, बल्कि आजकल नौकरीपेशा लोग भी ट्रेडिंग करते दिखाई देते हैं. अब लोग ट्रेडिंग के काम को पार्टटाइम करने की बजाय फुलटाइम बिजनेस बनाकर इसी फील्ड में अपना करियर बना रहे हैं.

क्या होता है स्टॉक ट्रेडर?

स्टॉक ट्रेडर एक व्यक्ति या यूनिट (कंपनी) होता है, जो फाइनेंशियल मार्केट में स्टॉक, कमोडिटी या अन्य वित्तीय उपकरणों को खरीदने और बेचने का काम करता है. जबकि स्टॉक ट्रेडिंग का मतलब है निवेश से जुड़ी रणनीतियां बनाना. इस नीतियों की मदद से ट्रेडर (व्यक्ति/कंपनी) थोड़े समय में मूल्य में उतार-चढ़ाव से लाभ कमाता है. ये ट्रेडर स्वतंत्र रूप से या किसी ट्रेडिंग फर्म में नौकरी करके काम कर सकते हैं.

योग्यता

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों के पास फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशन या कॉर्पोरेशन से ट्रेडिंग में डिग्री होना ज़रूरी है. जबकि मार्केट में मौजूद प्रोफेशनल ट्रेडर के पास मैथ्स, फाइनेंस, अकाउंटिंग और इकोनॉमिक्स की डिग्री होती है.

आयु सीमा

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कोई आयु सीमा नहीं है. क्योंकि शेयर मार्केट में सिर्फ पैसा और दिमाग़ लगाना होता है. इसलिए इस क्षेत्र में न्यूनतम या अधिकतम आयु सीमा तय नहीं की गई है. कॉमर्स में स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद जॉब रोल फाइनेंशियल मार्केट के क्षेत्र में अपना करियर शुरू करने वाले छात्रों को कॉमर्स (वित्त, लेखा और वाणिज्य) की अच्छी जानकारी होनी ज़रूरी है. एक फ्रेशर के रूप में छात्र इस तरह की नौकरी कर सकते हैं, जिनमें से कुछ हैं:

1. स्टॉक ब्रोकर
2. वित्तीय सलाहकार (फाइनेंशियल एडवाइज़र)
3. निवेशसलाहकार (इनवेस्टमेंट एडवाइज़र)
4. पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस
5. अनुसंधान विश्लेषक (रिसर्च एनालिस्ट)
6. ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग
7. वित्तीय विश्लेषक फाइनेंशियल एनालिस्ट
8. इक्वीटी इनालिस्ट (मौलिक/तकनीकी)
9. मार्केट रिसर्चर
10. म्यूच्यूअल फंड डिस्ट्रिब्यूटर एडवाइज़र
11. इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूटर/एडवाइज़र

कहां से करें स्टॉक ट्रेडिंग के कोर्स?

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज जहां पर शेयर मार्केट से जुड़े कई तरह के सर्टिफिकेट कोर्स होते हैं. ये कोर्सेज हैं-

एनएसई एकडेमी सर्टिफाइड मार्केट प्रोफेशनल

एनएसई एकडेमी सर्टिफिकेशन इन फाइनेंशियल मार्केट

एनसीएफएम फाउंडेशन, इंटरमीडिएट, एडवांस्ड कोर्स

एनएसई फिनबेसिक

सर्टिफाइड मार्केट प्रोफेशनल

NCMP के साथ (प्रोफिसिएंसी सर्टिफाइड)

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फाइनेंशियल मार्केट

शेयर बाज़ार से जुड़े कोर्स करानेवाले इस इंस्टिट्यूट की शुरुआत साल 1993 में वित्त मंत्रालय द्वारा की गई थी. ये इंस्टिट्यूट सरकारी संस्था है, जहां पर दाखिला लेने के लिए छात्र को एंट्रेंस एग्ज़ाम देना पड़ता है. इस संस्थान से आप-

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फाइनेंशियल मैनेजमेंट

सर्टिफिकेट कोर्स इन पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रिसर्च एनालिसिस

आप खुद मालिक होते हैं.

यदि आपको बाज़ार की सही जानकारी और नीतियों का अच्छा ज्ञान है, तो मार्केट से खूब पैसा कमा सकते हैं.यदि आप जोखिम उठाकर बिज़नेस नहीं करना चाहते हैं, तो आप रिसर्चर या ट्रेनर भी बन सकते हैं.करियर की दृष्टि से आज तक युवाओं का सपना डॉक्टर और इंजीनियर बनने तक सीमित था. इसके अलावा ट्रेडिंग इंडस्ट्री की ग्रोथ तेज़ी से हो रही है, जिसकी वजह से अब छात्रों का रुझान इस क्षेत्र की तरफ बढ़ रहा है.

स्टॉक ट्रेडर्स के प्रकार

डे ट्रेडरः ये ट्रेडर्स एक दिन में ही स्टॉक खरीदते और बेचते हैं और कम समय में अधिक लाभ कमाते हैं. रोज़ाना दिनभर में बहुत सारी ट्रेडिंग करते हैं. डे ट्रेडिंग के लिए बाज़ार के रुझान और तकनीकी विश्लेषण की गहरी समझ होनी ज़रूरी है.

स्विंग ट्रेडरः स्विंग ट्रेडर कई दिनों या हफ़्तों तक स्टॉक को होल्ड करते हैं और मौक़ा मिलते ही खरीद-बेचकर लाभ कमा लेते हैं. इसके लिए उन्हें तकनीकी और मौलिक विश्लेषण करना आना चाहिए.

पोजीशन ट्रेडरः पोजीशन ट्रेडर लंबे समय यानि महीनों या सालों तक स्टॉक की पोजीशन बनाए रखते हैं. इन टेडर्स को बाज़ार में मौलिक विश्लेषण और दीर्घकालिक रुझानों पर भरोसा रहता है.

स्केलपरः स्केलपर्स न्यूनतम मूल्य अंतर को प्राप्त करने के लिए छोटे ट्रेड करते हैं. वे अक्सर उच्च-आवृत्ति ट्रेडिंग से जुड़े होते हैं, जिनका उद्देश्य कई ट्रेडों पर छोटे लाभ जमा करना होता है.

भारत के ये पांच टूरिस्ट स्पॉट, जिनके बारे में शायद ही जानते हों आप

भारत प्राकृतिक नजारों का भंडार है। समुंदर किनारे शानदार बीच से लेकर ऊंचे पहाड़, नदी झरने, घाटियां, रेगिस्तान और यहां तक कि नमक का भी रेगिस्तान है। लेकिन ज्यादातर सैलानी उन जगहों पर ही घूमना पसंद करते हैं। जो सबसे ज्यादा मशहूर होती है। लेकिन कुछ रोमांच पसंद करने वाले सैलानी भारत के हर उस हिस्से को देखने की इच्छा रखते हैं। जो ज्यादातर लोगों की नजरों से छुपी हुई है। आज हम आपको भारत की ऐसी ही पांच जगहों के बारे में बताएंगे। जिनके बारे में बहुत कम सैलानी ही जानते हैं। लेकिन इनके मनोरम दृश्य किसी को भी आकर्षित कर सकते हैं।

मार्बल रॉक्स

मध्य प्रदेश में बहुत सारे टूरिस्ट स्पॉट हैं। जहां सैलानी घूमना पसंद करते हैं। इन दार्शनिक स्थल पर भारत के साथ ही विदेशों से भी पर्यटक आते हैं। कई सारे नेशनल पार्क के साथ ही खजुराओ, सांची, भीमबेटका मशहूर टूरिस्ट स्पॉट हैं। इसके साथ ही मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर से करीब 25 किमी की दूरी पर बना है भेड़ाघाट। जहां पर संगमरमर के चट्टानों से बेहद खूबसूरत क्षेत्र बना है। जहां बहुत कम ही लोग जाते हैं। नर्मदा नदी के तट पर ये संगमरमर का चट्टान खड़ा है। जिसकी ऊंचाई करीब सौ फीट तक होगी। इस चमचमाते आठ किमी के दायरे में फैली चट्टान पर सूर्य की रोशनी का नजारा अद्भुत होता है। जिसे देखने एक बार जरूर जाना चाहिए।

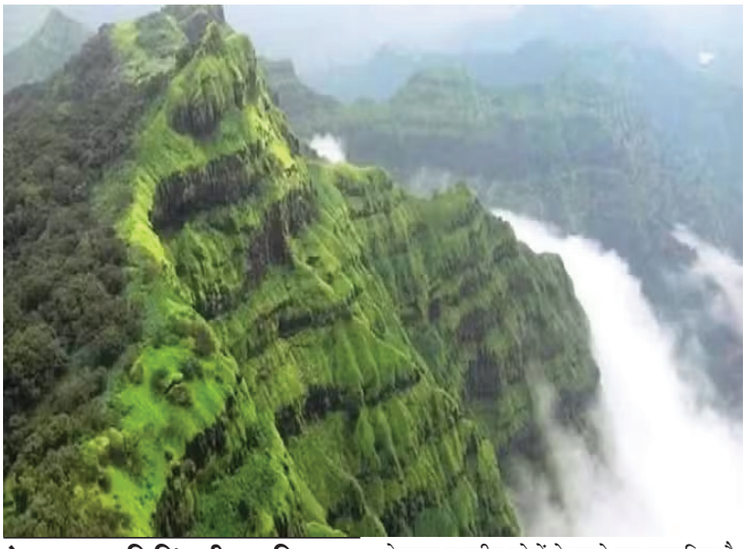

मेघालय का लिविंग ट्री रूट ब्रिज

नॉर्थ ईस्ट भारत में बसे मेघालय में प्राकृतिक नजारों की भरमार है। पहाड़ों से घिरे इस राज्य को बादलों का घर भी कहते हैं। यहां पर्यटक मनोरम दृश्यों की वजह से आते हैं। जिसे चेरापूंजी, एलिफेंटा की गुफाएं, मासिनराम जैसी जगहें शामिल हैं। इन्हीं के बीच एक खूबसूरत कोना है लिविंग ट्री रूट ब्रिज का। मेघायल के चेरापूंजी में बने इस पेड़ की जड़ों को पुल बनाने के काम में ले लिया गया है। इसका नाम फिक्स इलास्टिक ट्री है। इस पेड़ की लचकदार खासियत को देखकर स्थानीय लोगों ने इससे पुल बना दिया है।

नीडल होल

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर पर्यटक स्थल काफी मशहूर है। साथ ही इसका धार्मिक महत्व भी है। पहाड़ी खूबसूरती के साथ ही ये जगह एक तीर्थस्थल भी है। महाबलेश्वर के आसपास कई सारे टूरिस्ट स्पॉट हैं। जिनके बारे में सारे लोग नहीं जानते। इसी में से एक है नीडल होल स्पॉट। इस पहाड़ा की ऊंचाई के प्वाइंट से नीचे का नजारा अद्भुत होता है। जिसे देखने के लिए जाया जा सकता है। यहां पर सुरक्षा का इंतजाम किया गया है।

लोकटक झील

मेघालय के साथ ही मणिपुर राज्य में भी काफी सारे खूबसूरत नजारे हैं। अगर आप नॉर्थ ईस्ट भारत की सैर पर हैं। तो एक बार मणिपुर की इस झील का भी नजारा जरूर लें। लोकटक झील अपने साफ-सुथरे पानी की वजह से जानी जाती हैं। जहां पर तैरते हुए मिट्टी के द्वीप बने हैं। जिसे स्थानीय लोग कुंदी के नाम से जानते हैं। प्राकृतिक खूबसूरती और अद्भुत नजारों की वजह से इस क्षेत्र को भारतीय सरकार ने संरक्षित क्षेत्र का दर्जा दे रखा है। ये विश्व का एकमात्र तैरता राष्ट्रीय उद्यान है। जिसके साफ पानी के चलते जलीय जीव में काफी मात्रा में रहते हैं। इस झील की दूरी इंफाल से करीब 53 किमी है।

बेलम केव

अगर आप रहस्य और रोमांच पसंद करते हैं। तो आंध्र प्रदेश की बेलम केव को देखने जरूर जाएं। वैसे तो आंध्र प्रदेश में कई सारी गुफाएं हैं। जिसमे बेलम केव सबसे ज्यादा प्रसिद्ध है। इसकी लंबाई 3229 मीटर है। जिसे सुनते ही पर्यटक रोमांचित हो उठते हैं। अराकू वैली के प्रमुख पर्यटक स्थल में शामिल बेलम केव में अंदर के नजारे अद्भुत हैं। जिनमे चट्टानों की प्राकृतिक कलाकृतियां हर किसी को दंग कर सकती हैं। लेकिन इसं लंबी गुफा के कई हिस्सों में जाने की पाबंदी है।

मांडू - प्रेम, आनंद और उत्सव का शहर

मांडू पत्थरों में जीवन और आनंद का उत्सव है, और कवि-राजकुमार बाज बहादुर का अपनी सुंदर पत्नी रानी रूपमती के प्रति प्रेम है। विंध्य पर्वतमाला के किनारे 2,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित मांडू में अफगान शैली के आकर्षक प्रदर्शन और तुर्की लोगों की महान सांस्कृतिक विरासत को मिलाकर विविध रचनाएँ हैं। मांडू की प्रत्येक संरचना एक वास्तुशिल्प रत्न है, जैसे विशाल जामी मस्जिद और होशंग शाह का मकबरा, जिसे ताजमहल के महान निर्माताओं के लिए प्रेरणा माना जाता है। मांडू में जहाज महल अपने प्रतिबिंब के ऊपर तैरता हुआ एक जहाज जैसा दिखता है जो रवाना होने वाला है। हालांकि, सदियों से पत्थर और गारे से बना यह जहाज कभी रवाना नहीं हुआ। इसके बजाय, यह जुड़वां झीलों के ऊपर तैरता हुआ खड़ा था, जो मांडू के लंबे, समृद्ध और विविध इतिहास का मूक गवाह था।भव्य महलों में अभी भी शाही रोमांस जीवित है, जबकि प्रवेशद्वार (दरवाजे) शाही विजय के इतिहास के बारे में बताते हैं। बाज बहादुर और रूपमती की पौराणिक प्रेम कहानी ने रूपमती मंडप और रीवा कुंड के निर्माण को जन्म दिया। हाथी महल और अशरफी महल के परित्यक्त खंडहरों के अस्तित्व से जुड़ी दिलचस्प कहानियाँ हैं। बाघ गुफाओं का आकर्षक स्थल बीती हुई सदियों के बीच की घटनाओं को जोड़ने की शक्ति रखता है। मांडू में देखने के लिए बहुत सी जगहें हैं जिनमें किले, महल, प्रवेशद्वार और मंदिर शामिल हैं। मांडू एक ऐसा शहर है जो लुभावने वास्तुशिल्प रत्नों से सुसज्जित है और इन स्मारकों की गैलरी में टहलना आपको मंत्रमुग्ध कर सकता है।

मांडू में खाने योग्य व्यंजन जिन्हें आपको अवश्य चखना चाहिए

मध्यकालीन राजधानी मालवा की विरासत का आनंद लेते हुए "मांडू का दाल पनिया" एक ऐसा स्थानीय व्यंजन है जिसे अवश्य चखना चाहिए।दाल पनिया अधिकांश रेस्तरां और होटलों में आसानी से उपलब्ध है और मध्य प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी लोकप्रिय है।ये पनिया मक्के के आटे, नमक, चीनी पाउडर, दूध और गुनगुने पानी का उपयोग करके बनाए जाते हैं। पनिया के आटे को छोटी-छोटी गेंदों में विभाजित किया जाता है और फिर उन्हें थोड़ा चपटा किया जाता है (बाटी की तरह)। फिर इन पनिया को तंदूर में पकाया जाता है जो दाल में डुबाने पर उन्हें धुएँ जैसा स्वाद देता है। अगर आपको मसालेदार खाना पसंद है, तो आपको यह पारंपरिक मालवा डिश ज़रूर आज़मानी चाहिए क्योंकि यह बहुत स्वादिष्ट होती है। जॉय शहर में विशाल बाओबाब वृक्ष (बाओबाब एक तीखा फल है) भी हैं, जो मूल रूप से अफ्रीका से हैं, जिनके बीज मिस्र के खलीफाओं ने 14वीं शताब्दी में मांडू के सुल्तानों को उपहार में दिए थे। स्थानीय रूप से इसे खोरासानी इमली कहा जाता है और इसका उपयोग दाल और करी में तीखापन डालने के लिए किया जाता है। इसके अलावा, मांडू के विक्रेता फरवरी में पकने के बाद लौकी जैसे दिखने वाले फल बेचते हैं।

मांडू में घूमने लायक जगहें

रूपमती का मंडप

मंडप मूल रूप से सेना की निगरानी चौकी के रूप में बनाया गया था। पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह सुंदर संरचना, अपने दो मंडपों के साथ, सुंदर रानी का विश्राम स्थल था, जहाँ से वह बाज बहादुर के महल और दूर निमाड़ के मैदानों में बहती नर्मदा को देख सकती थी।

जहाज महल

मुंज तालाब और कपूर तालाब नामक दो कृत्रिम झीलों के बीच बना यह 120 मीटर लंबा 'जहाज महल' एक खूबसूरत दो मंजिला महल है। अपने खुले मंडपों, पानी के ऊपर लटकती हुई बालकनी और खुली छत के साथ, जहाज महल पत्थरों में शाही आनंद शिल्प का एक कल्पनाशील पुनर्निर्माण है।

हिंडोला महल

यह एक दर्शक हॉल है, इसे 'झूलता हुआ महल' का नाम इसकी ढलानदार दीवारों के कारण मिला है। शानदार और अभिनव तकनीक इसके सजावटी अग्रभाग, बलुआ पत्थर में नाजुक जालीदार काम और खूबसूरती से ढाले गए स्तंभों में भी स्पष्ट दिखाई देती है।

अशरफी महल

होशंग शाह के उत्तराधिकारी महमूद शाह खिलजी द्वारा निर्मित, जामी मस्जिद के सामने स्थित इस 'सोने के सिक्कों के महल' की परिकल्पना एक शैक्षणिक संस्थान (मदरसा) के रूप में की गई थी। इसी परिसर में, उन्होंने मेवाड़ के राणा खुंबा पर अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए एक सात मंजिला मीनार बनवाई, जिसमें से केवल एक मंजिल बची है। इसके अलावा खंडहर में वह मकबरा भी है जिसे मांडू की सबसे बड़ी संरचना बनाने का इरादा था, लेकिन जल्दबाजी और दोषपूर्ण निर्माण के कारण यह ढह गया।

बाज बहादुर पैलेस

16वीं शताब्दी के प्रारंभ में बाज बहादुर द्वारा निर्मित इस महल की अनूठी विशेषताएं हैं इसका विशाल प्रांगण, जो हॉल और ऊंची छतों से घिरा है, जहां से आसपास के ग्रामीण इलाकों का अद्भुत दृश्य दिखाई देता है।

दरवाज़े

मांडू को घेरने वाली 45 किलोमीटर लंबी दीवार के बीच में 12 प्रवेश द्वार हैं। इनमें सबसे उल्लेखनीय है दिल्ली दरवाजा, जो किलेबंद शहर का मुख्य प्रवेश द्वार है, जिसके लिए आलमगीर और भंगी दरवाजा जैसे प्रवेश द्वारों की एक श्रृंखला से होकर गुजरना पड़ता है, जिसके माध्यम से वर्तमान सड़क गुजरती है।

होशंग शाह का मकबरा

यह भारत की पहली संगमरमर की इमारत है और इसे भव्य अनुपात वाले गुंबद, संगमरमर की जालीदार संरचना, बरामदे वाले प्रांगण और आयताकार के चारों कोनों को चिह्नित करने के लिए मीनारों से सजाया गया है। शाहजहाँ ने अपने चार महान वास्तुकारों को डिज़ाइन का अध्ययन करने और मकबरे से प्रेरणा लेने के लिए भेजा था।

जामी मस्जिद

दमिश्क की महान मस्जिद से प्रेरित होकर, जामी मस्जिद को एक भव्य पैमाने पर बनाया गया था, जिसमें एक ऊंचा चबूतरा और एक विशाल गुंबददार बरामदा था। इमारत के अनुपात की विशालता से कोई भी आश्चर्यचकित हो सकता है और मस्जिद सभी तरफ से विशाल मेहराबों से घिरी हुई है, जिसमें मेहराबों, खंभों, खाड़ियों की संख्या और ऊपर गुंबद की पंक्तियों की व्यवस्था में समृद्ध और मनभावन विविधता है।

नीलकंठ महल

मुगल काल से संबंधित और नीलकंठ मंदिर (पवित्र शिव मंदिर) के करीब स्थित इस महल का निर्माण शाह बदगाह खान ने सम्राट अकबर की हिंदू पत्नी के लिए करवाया था। यहाँ की दीवारों पर अकबर के समय के कुछ शिलालेख हैं, जो सांसारिक वैभव की निरर्थकता का उल्लेख करते हैं।

मांडू से भ्रमण

मांडू की यात्रा, जो अपने आप में जादुई है, को आस-पास के कई स्थलों में से किसी एक की यात्रा की योजना बनाकर और भी रोमांचक बनाया जा सकता है। 6वीं शताब्दी की चट्टानों को काटकर बनाई गई बाघ गुफाओं की 90 किमी की यात्रा, रंग-बिरंगे भगोरिया त्योहार के लिए मशहूर झाबुआ जिले की 140 किमी की यात्रा, मांडू से सिर्फ़ 40 किमी दूर धार का मध्ययुगीन शहर, जो जिला मुख्यालय भी है, और बुरहानपुर, जो दक्षिण भारत का प्राचीन प्रवेशद्वार है, मांडू से 220 किमी दूर है। आप नर्मदा नदी के किनारे स्थित मंदिर नगरों महेश्वर और ओंकारेश्वर (क्रमशः 40 किमी और 105 किमी) की आध्यात्मिक यात्रा पर भी जा सकते हैं।

मांडू कैसे पहुंचें?

वायुमार्ग: निकटतम हवाई अड्डा इंदौर (95 किमी) में अहिल्याबाई होल्कर हवाई अड्डा है, जो दिल्ली, मुंबई, पुणे, जयपुर, हैदराबाद, भोपाल, अहमदाबाद, नागपुर, रायपुर, कोलकाता आदि से नियमित उड़ानों द्वारा जुड़ा हुआ है।

रेल द्वारा: निकटतम रेलवे स्टेशन रतलाम में स्थित है, जो मांडू से 130 किमी दूर है। प्रमुख मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें यहाँ रुकती हैं। वैकल्पिक रूप से आप इंदौर में उतर सकते हैं, जो रेल द्वारा दिल्ली और मुंबई से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग से: मांडू इंदौर और धार (40 किमी) से नियमित बस सेवाओं से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। इंदौर से गंगवाल बस स्टैंड और सरवटे बस स्टैंड से मांडू के लिए सीधी बसें हैं। यात्रा में आमतौर पर लगभग 3 घंटे लगते हैं। दोनों बस स्टैंड से धार के लिए बसें अक्सर उपलब्ध रहती हैं। धार से, कोई बस ले सकता है या कार किराए पर ले सकता है।

मांडू में करने योग्य गतिविधियाँ

यदि आप दिसंबर के आसपास मांडू महोत्सव के दौरान आनंद के शहर की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो आप मांडू को अभूतपूर्व तरीके से सुन, देख, चख और महसूस कर सकते हैं।

कला, शिल्प, संगीत, भोजन और रोमांच का 5 दिवसीय उत्सव, मांडू महोत्सव में लाइव कॉन्सर्ट, एडवेंचर स्पोर्ट्स, साइकिलिंग अभियान, ग्लैम्पिंग, हॉट एयर बैलूनिंग और बहुत कुछ शामिल है। यह निश्चित रूप से एक ऐसा अनुभव होगा जैसा पहले कभी नहीं हुआ!

मांडू घूमने का सबसे अच्छा समय

मांडू घूमने का सबसे अच्छा समय जुलाई से मार्च के बीच है, जब औसत तापमान आरामदायक होता है, जो 14 डिग्री सेल्सियस (57 डिग्री फ़ारेनहाइट) और 30 डिग्री सेल्सियस (86 डिग्री फ़ारेनहाइट) के बीच रहता है। गर्मियाँ गर्म होती हैं, और तापमान 46 डिग्री सेल्सियस (115 डिग्री फ़ारेनहाइट) तक बढ़ सकता है, जबकि सर्दियों में यह 5 डिग्री सेल्सियस (41 डिग्री फ़ारेनहाइट) से नीचे गिर सकता है।

भारत की ये टॉप 10 इलेक्ट्रिक कारें रेंज और फीचर्स में धांसू

कीमत 8 लाख से लेकर 30 लाख रुपये तक

इलेक्ट्रिक कार खरीदने वालों के लिए 30 लाख रुपये तक की प्राइस रेंज में एक से बढ़कर एक इलेक्ट्रिक कारें हैं, जिनमें सबसे सस्ती एमजी कॉमेट ईवी है, जिसकी शुरुआती एक्स शोरूम प्राइस 8 लाख रुपये से भी कम है। इसके बाद टाटा मोटर्स की टियागो ईवी, टिगोर ईवी, नेक्सॉन ईवी प्राइम, नेक्सॉन ईवी मैक्स, एमजी जेडएस ईवी, महिंद्रा एक्सयूवी400 ईवी, महिंद्रा ई-वरीटो, सिट्रोएन ईसी3, हुंडई कोना इलेक्ट्रिक और बीवाईडी ई6 जैसी अलग-अलग सेगमेंट की इलेक्ट्रिक गाड़ियां हैं। शानदार लुक और फीचर्स के साथ ही जबरदस्त रेंज वाली ये इलेक्ट्रिक गाड़ियां इंडियन मार्केट में खूब बिकती हैं। आइए, आपको 30 लाख से सस्ती कुल 11 गाड़ियों की कीमत और बैटरी रेंज के बारे में बताते हैं।

एमजी कॉमेट ईवी की एक्स शोरूम प्राइस 7.98 लाख रुपये से शुरू होती है और इसकी सिंगल चार्ज पर बैटरी रेंज 230 km तक की है।

टाटा नेक्सॉन ईवी प्राइम की एक्स शोरूम प्राइस 14.49 लाख रुपये से शुरू होती है और सिंगल चार्ज पर इसकी बैटरी रेंज 312 km तक की है।

टाटा नेक्सॉन ईवी मैक्स की एक्स शोरूम प्राइस 16.49 लाख रुपये से शुरू होती है और फुल चार्ज में इससे 453 km तक की रेंज हासिल कर सकते हैं।

टाटा टियागो ईवी की एक्स शोरूम प्राइस 8.69 लाख रुपये से शुरू होती है और एक बार फुल चार्ज करने पर इसे 315 km तक चला सकते हैं।

महिंद्रा ई-वरीटो की एक्स शोरूम प्राइस 10.15 लाख रुपये है और सिंगल चार्ज पर इसकी रेंज 100 किलोमीटर से ज्यादा है।

सिट्रोएन ईसी3 की एक्स शोरूम प्राइस 11.50 लाख रुपये से शुरू होती है और सिंगल चार्ज पर इसकी बैटरी रेंज 320 km तक की है।

टाटा टिगोर ईवी की एक्स शोरूम प्राइस 12.49 लाख रुपये से शुरू होती है और इसकी बैटरी को फुल चार्ज करने पर 315 km तक की रेंज हासिल कर सकते हैं।

महिंद्रा एक्सयूवी400 ईवी की एक्स शोरूम प्राइस 15.99 लाख रुपये से शुरू होती है और सिंगल चार्ज पर इसकी बैटरी रेंज 456 km तक की है।एमजी जेडएसईवी की एक्स शोरूम प्राइस 23.38 लाख रुपये से शुरू होती है और इसकी सिंगल चार्ज रेंज 461 km तक की है।

बीवाईडी ई6 की एक्स शोरूम प्राइस 29.15 लाख रुपये से शुरू होती है और सिंगल चार्ज पर इसकी रेंज 415 km तक की है।

इलेक्ट्रिक बाइक के ये विकल्प

दिलाएंगे आपको पेट्रोल खर्च से राहत

Revolt RV400: देश की सबसे पॉपुलर इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल में से एक रिवॉल्ट आरवी400 की एक्स शोरूम प्राइस 1.13 लाख रुपये है। यह बाइक एक बार फुल चार्ज होने पर 150 किलोमीटर तक चल सकती है और टॉप स्पीड 85 किलोमीटर प्रति घंटा है।

Tork Kratos R: टॉर्क क्रैटॉस आर की एक्स शोरूम प्राइस 1.37 लाख रुपये है। इस इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल की बैटरी रेंज 180 किलोमीटर तक की और टॉप स्पीड 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की है।

Komaki Ranger: इलेक्ट्रिक क्रूजर मोटरसाइकल कोमाकी रेंजर की एक्स शोरूम प्राइस 1.85 लाख रुपये है। इस इलेक्ट्रिक बाइक की सिंगल चार्ज रेंज 200 किलोमीटर तक की है और इसकी टॉप स्पीड भी अच्छी है।

Oben Rorr: ओबेन रोर इलेक्ट्रिक बाइक की एक्स शोरूम प्राइस 1.49 लाख रुपये है। इसकी सिंगल चार्ज रेंज 200 किलोमीटर तक की है और टॉप स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटे की है।

Hop Oxo: होप ऑक्सो इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल की एक्स शोरूम प्राइस 1.43 लाख रुपये है और इसकी सिंगल चार्ज रेंज 70 किलोमीटर और टॉप स्पीड 82 kmph है।

ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव में मददगार होंगे ये तरीके, बैंक अकाउंट रहेगा सुरक्षित

दुनिया भर में ऑनलाइन बैंकिंग का चलन तेजी से बढ़ा है। भारत में भी कोरोना महामारी के बाद से ही ऑनलाइन पेमेंट में तेजी आई है। पिछले तीन सालों में यूपीआई पेमेंट, कार्ड पेमेंट, मोबाइल बैंकिंग के जरिए बड़ी संख्या में लोगों ने अपने वित्तीय लेनदेन को पूरा किया है। अब चाय की दुकान से लेकर सुपरमार्केट तक में ऑनलाइन लेनदेन किया जा रहा है। ऑनलाइन बैंकिंग के साथ ऑनलाइन फ्रॉड के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। हर साल लाखों लोग इस तरह के फ्रॉड का शिकार हो रहे हैं। ऐसे में ऑनलाइन फ्रॉड से बचाव बेहद जरूरी हो जाता है। यहां हम कुछ तरीके बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप ऑनलाइन फ्रॉड से बच सकते हैं।

सतर्क रहें

साइबर फ्रॉड से बचने का पहला कदम है सतर्क रहना। यदि आपको किसी अज्ञात व्यक्ति से ईमेल, मैसेज या कॉल मिलता है और वह आपसे आपकी पर्सनल और बैंकिंग संबंधी जानकारी मांगता है, तो आपको बहुत सावधान रहने की जरूरत है। ऐसे किसी भी व्यक्ति पर विश्वास न करें।

पासवर्ड सुरक्षित रखें

मजबूत पासवर्ड बनाएं। यदि संभव हो तो यूजरनेम और पासवर्ड की टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) का उपयोग करें। अपने ऑनलाइन अकाउंट के पासवर्ड को नियमित रूप से बदलें और यह आपका नाम, मोबाइल नंबर वाले नहीं होने चाहिए।

सुरक्षित इंटरनेट का उपयोग करें

साइबर फ्रॉड से बचने के लिए सुरक्षित इंटरनेट कनेक्शन का उपयोग करें। एक वायरलेस नेटवर्क का सुरक्षित रूप से कॉन्फिगर करें और अपने लैपटॉप के लिए एंटीवायरस और सिक्योरिटी वॉल का उपयोग करें।

फिशिंग ईमेल्स का सतर्कता से परीक्षण करें

किसी भी अनवांटेड ईमेल या मैसेज के विश्वासघातक लिंक्स या अटैचमेंट्स को क्लिक न करें, और उनसे कोई व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी साझा न करें। ये आपको बड़ा नुकसान कर सकते हैं।

अपडेट्स को नियमित रूप से चेक करें

अपने ऑपरेटिंग सिस्टम, ब्राउजर, एंटीवायरस, और सुरक्षा सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट करें ताकि आपका डिवाइस सुरक्षित रहे।

साइबर फ्रॉड की जानकारी रखें

आपको साइबर फ्रॉड के बारे में जागरूक रहना बहुत महत्वपूर्ण है। आप ब्लॉग्स, न्यूजलेटर्स, और सुरक्षा जानकारों के साथ रहकर अपने जागरूकता को बढ़ा सकते हैं। सरकार भी समय-समय पर सुरक्षा गाइडलाइन जारी करती है।

बैंकिंग और वित्तीय लेन-देन में सतर्क रहें

वित्तीय लेन-देन और बैंकिंग की जानकारी केवल सुरक्षित और प्रमाणित वेबसाइट्स पर ही साझा करें और वित्तीय लेन-देन की जानकारी को व्यक्तिगत रूप से सुरक्षित रखें। अपने ईमेल और मोबाइल में बैंकिंग संबंधी जानकारी लिखकर न रखें।

टेक्नोफ्रेंडली लोग हो रहे शिकार

देश दुनिया आज टेक्नोलॉजी पर निर्भर होती जा रही है. घर की साफ-सफाई से लेकर बैंक खातों का संचालन तक ऑनलाइन किया जा रहा है. यही वजह है की साइबर ठग भी भोले-भालों से लेकर टेक्नोफ्रेंडली लोगों तक को अपना शिकार बना लेते हैं. और अब समय के साथ-साथ इन साइबर ठगों के तरीके भी नये नये देखने को मिल रहे हैं.

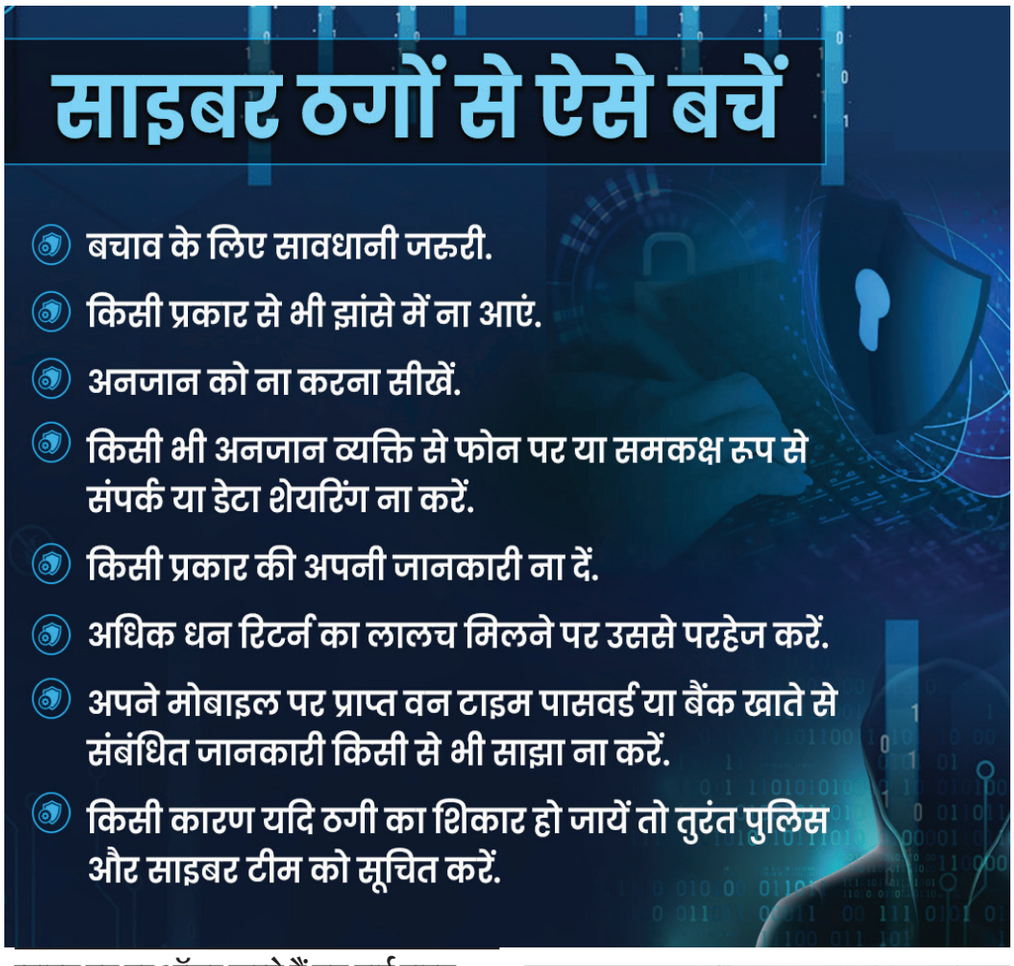

व्हाट्स एप पर ऑफर करते हैं ठग पार्ट टाइम जॉब

इन दिनों लोगों को झांसा देने के नये तरीके इजाद किए जा रहे हैं. भारत में कई जगह ऐसे लोग जो मोबाइल फोन का ज़्यादा उपयोग करते हैं और पैसा कमाना चाहते हैं उन्हें आसानी से फंसाया जाता है. असल में इस फ्रॉड को अंजाम देने के लिए ठग पहले whatsapp पर एक मैसेज भेजते हैं. जिसमें बताया जाता है कि यह मैसेज किसी मार्केटिंग कंपनी की और से भेजा गया है. अलग अलग प्रतिष्ठान, होटल और रेस्तरां की रेटिंग बढ़ाने के लिए गूगल रिव्यू कर घर बैठे एक्स्ट्रा टाइम में कुछ रुपए कमाये जा सकते हैं. जुड़ने के लिए आपको टेलीग्राम ऐप पर एक रिसेपस्निस्ट से जोड़ा जाता है, यहां टास्क के तौर पर कुछ गूगल रिव्यू कराये जाते हैं और टास्क पूरा होने पर उसका स्क्रीन शॉट शेयर करना होता है. ऐसा करते ही आपके बताये बैंक अकाउंट में उस टास्क की राशि के रूप में 100 या 150 रुपए भी भेज दिये जाते हैं.

टास्क के नाम पर जमा कराते हैं पैसा

पैसा बैंक खाते में आते ही लोग झांसे में आ जाते हैं और विश्वास कर आगे के टास्क पूरे करने की हामी भरते हैं. यहीं से ठगी का खेल शुरू हो जाता है. एक दो बार पैसा बैंक खाते में आते ही लोग लालच में आने लगते हैं और इसके बाद साइबर ठग टास्क के तौर पर अलग-अलग स्लॉट में राशि जमा कराने के स्लॉट बुक करने की कहते हैं. बताया जाता है कि ये पैसा क्रिप्टोकरंसी में लगाने के नाम पर लिया जाता है जो 1 हजार रुपए से लेकर 5 लाख रुपए तक होता है. ये राशि भारी रिटर्न यानी मुनाफे के साथ 10 मिनट में वापस करने की बात भी कहते हैं. शुरू में ऐसा एक दो बार किया जाता है जब लोग छोटी रकम जमा कराते हैं और पैसा मुनाफे के साथ जब वापस खाते में आता है तो लोग भरोसे में आ जाते हैं. अगली बार मनी टास्क आते ही बड़ी रकम का दांव खेलते हैं लेकिन इसके बाद ठग पैसा वापस नहीं लौटाते हैं और ठगी का शिकार हो जाते हैं.

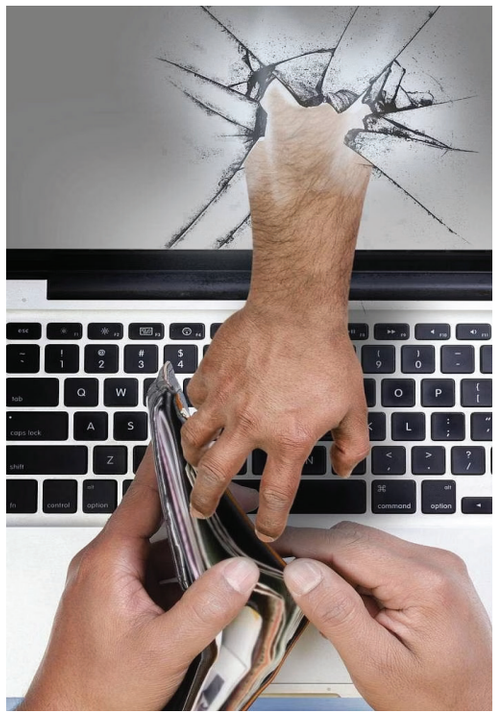

अमेजन, फ्लिपकार्ट और पेटीएम के जरिए आप भी शुरू कर सकते हैं खुद का बिजनेस

ऑनलाइन बिजनेस करना लगभग हर शख्स का सपना होता है। परेशानी तब होती है जब उसे ऑनलाइन बिजनेस के बारे में पता ही नहीं होता। आज फ्लिपकार्ट और अमेजन जैसे कई प्लेटफॉर्म हैं जहां आप ऑनलाइन बिजनेस कर सकते हैं।

ऑनलाइन बिजनेस के लिए खुद की वेबसाइट या ऐप अच्छा ऑप्शन माना जाता है। लेकिन इसके लिए काफी रकम खर्च करनी होती है। ऐसे में मौजूदा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे फ्लिपकार्ट, अमेजन, मिंत्रा, मिशो आदि के जरिए अपने प्रोडक्ट बेचकर बिजनेस शुरू कर सकते हैं। हालांकि इन प्लेटफॉर्म पर बिजनेस करने के लिए कई तरह की चीजों की जरूरत पड़ती है।

सामान ख़रीदकर भी बे च सकते हैं

इन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बिजनेस करने के लिए जरूरी नहीं कि आपको अपने प्रोडक्ट बनाकर ही बेचने होंगे। आप किसी कंपनी से थोक में सामान खरीदकर उन्हें इन प्लेटफॉर्म पर बेच सकते हैं। यह सर्विस बिजनेस होता है। इन प्लेटफॉर्म पर ज्यादातर लोग इसी तरह का बिजनेस करते हैं। इसके लिए बहुत ज्यादा जगह की जरूरत नहीं पड़ती। कोई भी शख्स थोड़ी सी जगह में ऑनलाइन प्रोडक्ट बेच सकता है। सिर्फ इतनी जगह की जरूरत पड़ती है जितने में प्रोडक्ट आ जाएं।

कराना होगा रजिस्ट्रेशन

इन प्लेटफॉर्म पर बिजनेस करने के लिए यहां सेलर अकाउंट बनाकर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए इन चीजों की जरूरत पड़ेगी:

फोन नंबर,ई-मेल आईडी,GST रजिस्ट्रेशन नंबर, बैंक अकाउंट,यह है शुरुआत का तरीका

मान लीजिए आप Amazon के जरिए प्रोडक्ट बेचकर बिजनेस करना चाहते हैं। ऐसे में आपको यहां सेलर अकाउंट बनवाना होगा। इसे इस प्रकार बनाएं:

Amazon की ऑफिशियल वेबसाइट amazon.in पर जाएं। यहां ऊपर राइट कॉर्नर में लिखे Hello, sign in पर जाएं। यहां क्लिक नहीं करना है।अब आपको कुछ ऑप्शन मिलेंगे। इसमें लिखे Create your free business account पर क्लिक करें।

अब जो पेज खुलेगा वहां Create a free account लिखा दिखाई देगा। उस पर क्लिक करें।

इसके बाद आपको अपनी ईमेल आईडी टाइप करनी होगी। कुछ और प्रक्रिया पूरी करने के बाद अपना अकाउंट बनाना होगा।

जब अकाउंट बन जाएगा तो आपको अपने प्रोडक्ट लिस्ट करने होंगे। प्रोडक्ट लिस्ट करने में कोई भी परेशानी आए तो कस्टमर केयर को फोन करके मदद ले सकते हैं।

इन प्लेटफॉर्म के ये हैं फायदे

बिजनेस के लिए किसी दुकान या गोदाम की जरूरत नहीं होती। घर से भी काम कर सकते हैं।

वेबसाइट या प्रोडक्ट के प्रचार के लिए खुद एक भी पैसा खर्च नहीं करना पड़ता। सारा खर्च ई-कॉमर्स कंपनी की ओर से होता है।कंपनी की तरफ से समय-समय पर सेल और दूसरे ऑफर आते रहते हैं जिससे बिक्री बढ़ती रहती है।

इन प्लेटफॉर्म के ये हैं नुकसान

प्रोडक्ट बिकने से आई रकम को ये कंपनियां तुरंत सेलर को नहीं देतीं। 15 दिन या 1 महीने तक की बिक्री का पैसा ये प्लेटफॉर्म अपने पास रखते हैं। इसके बाद अपना कमीशन काटकर रकम को सेलर के बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर देती हैं।

कमीशन के रूप में कमाई का एक बड़ा हिस्सा (30% तक) इन कंपनियों के पास चला जाता है। फ्लिपकार्ट विक्रेता के रूप में, हम शीघ्र भुगतान को प्राथमिकता देते हैं। आपका भुगतान आपके उत्पाद के भेजे जाने के बाद जारी किया जाता है, जिससे तेज़ी से भुगतान सुनिश्चित होता है।

हमारा भुगतान चक्र तब शुरू होता है जब आपका उत्पाद उठाया जाता है, और आप 7* दिनों में अपना भुगतान प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। भुगतान सुरक्षित रूप से सीधे आपके पंजीकृत बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिए जाते हैं, और फ़्लिपकार्ट शुल्क उसी के अनुसार काट लिया जाता है।

भुगतान कार्यक्रम विक्रेता स्तर पर निर्भर होते हैं। भुगतान प्रेषण की तिथि से जल्द से जल्द जारी किए जाते हैं। अपने भुगतान कार्यक्रम जानने के लिए अपने फ़्लिपकार्ट विक्रेता खाते में लॉगिन करें।

शुल्क का प्रकार

फ़्लिपकार्ट रेट कार्ड का उद्देश्य फ़्लिपकार्ट के साथ व्यापार करना आपके लिए किफ़ायती बनाना है और साथ ही साथ आपके व्यवसाय को बढ़ावा देना है। इसे सरल, समझने में आसान और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फ़्लिपकार्ट पर, आपके द्वारा बेचे जाने वाले उत्पादों की श्रेणी, आपके द्वारा चुनी गई शिपिंग विधि और आपके उत्पादों की बिक्री मूल्य के आधार पर अलग-अलग शुल्क लिए जाते हैं। रेट कार्ड तक पहुँचने के लिए, इसे विक्रेता डैशबोर्ड पर देखने के लिए अपना विक्रेता खाता बनाएँ। दो प्रकार के शुल्क लागू होते हैं:

निश्चित शुल्क (प्लेटफ़ॉर्म अवसर)

निश्चित शुल्क, जिसे समापन शुल्क के रूप में भी जाना जाता है, फ्लिपकार्ट टियरिंग प्रोग्राम के भीतर आपके विक्रेता स्तर और आपके द्वारा चुने गए पूर्ति के प्रकार द्वारा निर्धारित किया जाता है जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दिखाया गया है। ये शुल्क प्लेटफ़ॉर्म के विभिन्न पहलुओं का समर्थन करने में मदद करते हैं, जिसमें उत्पाद नवाचार और समग्र सुधार शामिल हैं, जिससे विक्रेताओं के लिए अतिरिक्त विकास के अवसर पैदा होते हैं। निश्चित शुल्क के लिए एक स्तरीय संरचना को लागू करके, फ्लिपकार्ट का लक्ष्य अपनी सेवाओं को लगातार बढ़ाना और विक्रेताओं को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और विस्तार करने के लिए एक बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करना है।

कृपया ध्यान दें कि ऊपर दी गई जानकारी मानक दर कार्ड पर आधारित है और इसमें बदलाव हो सकता है। हालाँकि इसमें अधिकांश श्रेणियाँ शामिल हैं, लेकिन कुछ श्रेणियाँ ऊपर दिए गए विवरण से बाहर हो सकती हैं। अपनी बिक्री पर लागू सटीक और अद्यतित निश्चित शुल्क प्राप्त करने के लिए, हम आपके फ़्लिपकार्ट विक्रेता खाते में लॉग इन करने की सलाह देते हैं। अपने खाते तक पहुँच कर, आप अपने लेन-देन पर लागू होने वाले विशिष्ट निश्चित शुल्क के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कमीशन शुल्क (श्रेणी)

कमीशन शुल्क एक प्रतिशत-आधारित शुल्क है जो फ़्लिपकार्ट पर आपके उत्पाद के अंतिम विक्रय मूल्य पर लगाया जाता है। यह शुल्क आपके उत्पाद की श्रेणी के आधार पर अलग-अलग होता है। हमने विक्रेताओं के लिए प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए फ़्लिपकार्ट द्वारा पूर्ति (FBF) और फ़्लिपकार्ट द्वारा गैर-पूर्ति (NFBF) दोनों ऑर्डर के लिए कमीशन शुल्क को एक समान बना दिया है।

अपने उत्पाद पर लागू सटीक कमीशन शुल्क प्राप्त करने के लिए, हम आपके फ़्लिपकार्ट विक्रेता खाते में लॉग इन करने की सलाह देते हैं। अपने खाते तक पहुँचने से, आप अपने उत्पादों पर लागू होने वाली विशिष्ट कमीशन दरों के बारे में अपडेट रह सकते हैं, क्योंकि कुछ श्रेणियों में अलग-अलग कमीशन दरें हो सकती हैं जो सामान्य जानकारी में शामिल नहीं हैं।

शिपिंग शुल्क (वजन और स्थान)

फ्लिपकार्ट स्थानीय और क्षेत्रीय शिपिंग के लिए 500 ग्राम से कम वजन वाले उत्पादों के लिए निःशुल्क शिपिंग प्रदान करता है। शिपिंग शुल्क की गणना उत्पाद के वास्तविक वजन या वॉल्यूमेट्रिक वजन, जो भी अधिक हो, के आधार पर की जाती है। वॉल्यूमेट्रिक वजन उन वस्तुओं के लिए होता है जो हल्के होते हैं लेकिन शिपिंग स्पेस का एक महत्वपूर्ण हिस्सा घेरते हैं।

एजुकेशन लोन की संपूर्ण जानकारी, ऐसे पाएं लोन

आजकल हर विद्यार्थी का सपना होता है कि स्कूल के बाद वह एक अच्छे कॉलेज में पढ़ने के लिए जाये। लेकिन Education Loan Kaise Milta Hai इसकी जानकारी हर विद्यार्थी को नहीं होती हैं। सरकार द्वारा उच्चतर अध्ययन के लिए विभिन्न प्रकार की Education Loan Yojana चलाई गईं हैं जिसकी जानकारी आम आदमी को नहीं हैं।

आज इस लेख के माध्यम से हम आपको Education Loan Kaise Milta Hai तथा भारत सरकार द्वारा जारी विभिन्न एजुकेशन लोन योजनाओं के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। अतः आपसे निवेदन हैं कि इस लेख को अंत तक ज़रूर पढ़े। एजुकेशन लोन को हिन्दी में शिक्षा ऋण कहा जाता है। शिक्षा ऋण किसी विद्यार्थी द्वारा उच्चतर अध्ययन करने के लिए लिया जाने वाला ऋण हैं। यह ऋण सामान्यतः स्कूली शिक्षा पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय में अध्ययन करने हेतु लिया जाता हैं। आप किसी अन्य प्रोफेशनल कोर्स करने के लिए भी एजुकेशन लोन ले सकते हैं।

एजुकेशन लोन पर अन्य लोन की तुलना में कम ब्याज दर लगती हैं। इस तरह के ऋण का मुख्य उद्देश्य सामान्य तथा आर्थिक रूप से गरीब परिवारों के युवाओं को उचित शिक्षा उपलब्ध करवाना हैं। इससे इन युवाओं को आर्थिक परेशानी के कारण शिक्षा से वंचित नहीं रहना पड़ेगा। Education Loan Ke Bare Mein Jankari के लिए इस लेख को पूरा पढ़े।

प्रधानमंत्री शिक्षा लोन योजना

भारत सरकार द्वारा एजुकेशन लोन प्राप्त करने के लिए विभिन्न बैंको के माध्यम से सुविधा उपलब्ध करवाई जाती हैं। यह बैंक सरकारी तथा निजी दोनों हैं। इन बैंको द्वारा एजुकेशन लोन पर सरकार द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही शिक्षा ऋण दिया जाता हैं। भारत सरकार द्वारा निम्न बैंको के माध्यम से एजुकेशन लोन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती हैं–

SBI Bank,Punjab National Bank
ICICI Bank,AXIS Bank,HDFC Bank, IDBI Bank

Education Loan Interest Rate

एजुकेशन लोन पर लोन प्रार्थी की प्रोफाइल तथा सिबिल स्कोर के अनुसार ब्याज दर अलग अलग हो सकती हैं। बैंको द्वारा शिक्षा ऋण देने से पहले आपकी प्रोफाइल तथा सिबिल स्कोर की जाँच की जाती हैं उसके बाद आपको लोन पर लगने वाली ब्याज दर के बारे में जानकारी दी जाती हैं। एजुकेशन लोन पर सामान्यतः 9% से 13% तक ब्याज दर लगाई जाती हैं।

यदि आप एजुकेशन लोन लेना चाहते हैं तो आपके पास निम्न योग्यताएँ होनी चाहिए–

अभ्यर्थी भारत का निवासी हो।

अभ्यर्थी के पास उपयुक्त शैक्षणिक योग्यता होनी चाहिए।

अकादमिक रिकॉर्ड अच्छा होना चाहिए।

जिस पाठ्यक्रम के लिए ऋण लेना हैं वह तकनीकी या पेशेवर होना चाहिए।

यदि अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष से कम है, तो उसके माता-पिता को उनकी ओर से ऋण के लिए आवेदन करना होगा।

Education Loan Documents Required

शिक्षा ऋण लेने के लिए सभी बैंको में आवश्यक दस्तावेज अलग-अलग हो सकते हैं। Education Loan Ke Liye Document की जानकारी नीचे सूची के माध्यम से दी गई हैं-

पहचान का प्रमाण, निवास प्रमाण पत्र

आय प्रमाण पत्र, 10वीं/12वीं की अंकतालिका

स्नातक की अंकतालिका

प्रवेश परीक्षा परिणाम अगर आप किसी प्रोफेशनल कोर्स के लिए ऋण लेना चाहते हैं।

अध्ययन की लागत का विवरण/व्यय की जानकारी हेतु प्रूफ 2 पासपोर्ट साइज फोटो,एक साल का बैंक स्टेटमेंटEducation Loan Ke Liye Applicationएजुकेशन लोन लेने के लिए संबंधित बैंक के शाखा प्रबंधक को एक पत्र लिखकर निवेदन करना पड़ता हैं उसके बाद ही आपकी लोन प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती हैं। किसी भी बैंक से Education Loan Ki Prakriya के लिए एप्लीकेशन का सामान्य प्रारूप नीचे दिया गया हैं। यह प्रारूप केवल उदाहरण के लिए हैं आप इसके अनुरूप अपनी जानकारी को एप्लीकेशन में लिख सकते हैं तथा संबंधित बैंक अधिकारी को भेज सकते हैं। भारत में शिक्षा हेतु अधिकतम 10 लाख रुपए तथा विदेश में पढ़ाई के लिए अधिकतम 20 लाख रुपए तक का एजुकेशन लोन मिल सकता हैं।

12वीं के बाद एजुकेशन लोन कैसे लें?

12वी कक्षा के बाद आप उच्चतर अध्ययन हेतु बैंक से एजुकेशन लोन ले सकते हैं। इसके लिए आपको जिस बैंक से लोन लेना चाहते हैं उसकी संबंधित शाखा में संपर्क करें।

एजुकेशन लोन कितने साल के लिए मिलता है?

एजुकेशन लोन 1 वर्ष से लेकर 15 वर्ष तक के लिए मिल सकता हैं। इस लोन की अवधि आपके द्वारा किए जा रहे कोर्स पर भी निर्भर करता हैं।

एजुकेशन लोन पर ब्याज कितना लगता है?

एजुकेशन लोन पर सामान्यतः 7% से 15% तक ब्याज दर लगती हैं।

एजुकेशन लोन लेने के लिए क्या करना पड़ता है?

एजुकेशन लोन के लिए आपको किसी प्रोफेशनल कोर्स में एडमिशन लेना होता हैं। उसके बाद शिक्षा ऋण की सुविधा उपलब्ध करवाने वाले किसी बैंक में आवेदन कर निर्धारित प्रक्रिया को पूर्ण करके लोन प्राप्त कर सकते हैं।

एजुकेशन लोन पास होने में कितना टाइम लगता है?

एजुकेशन लोन के लिए आपके द्वारा आवेदन करने के बाद कम से कम 2 से 7 दिन का समय लगता हैं।

स्टूडेंट के लिए कौन सा लोन अच्छा है?

स्टूडेंट्स के लिए एजुकेशन लोन हेतु SBI बैंक सबसे अच्छा हैं। यहाँ आपको न्यूनतम ब्याज दर पर लोन प्राप्त हो सकता हैं।

कौन सा बैंक एजुकेशन लोन पर सबसे कम ब्याज देता है?

SBI बैंक एजुकेशन लोन पर सबसे कम ब्याज दर लेता हैं। इसकी सालाना ब्याज दर 8.55% से शुरू हैं।

एजुकेशन लोन के नियम और शर्तें क्या हैं?

एजुकेशन लोन हेतु यह ज़रूरी हैं कि किसी प्रोफेशनल कोर्स के लिए आपका सिलेक्शन हुआ हो। इसके लिए आपका अकादमिक स्कोर भी अच्छा होना चाहिए।

क्या एजुकेशन लोन माफ किया जा सकता है?

हाँ! किसी विशेष परिस्थिति में एजुकेशन लोन माफ़ किया जा सकता हैं।

एजुकेशन लोन नहीं चुकाया तो क्या होगा?

एजुकेशन लोन ना चुकाने की स्थिति में आपको नोटिस भेजा जाएगा। नोटिस की अनुपालन ना करने पर आपको डिफ़ॉल्टर घोषित कर दिया जाएगा जिसके बाद भविष्य में आप किसी भी बैंक से लोन नहीं ले सकते।

एजुकेशन लोन कितने प्रकार के होते हैं?

एजुकेशन लोन कई प्रकार के हो सकते हैं। सामान्यतः एजुकेशन लोन 2 प्रकार के होते हैं। भारत में शिक्षा के लिए लोन तथा विदेश में शिक्षा के लिए लोन

स्टूडेंट लोन पर कितना ब्याज लगता है?

स्टूडेंट लोन पर सभी बैंको की ब्याज दर अलग-अलग हैं। यह ब्याज दर 7% से 15% तक हो सकती हैं।

स्टूडेंट लोन का क्या होता है अगर आप ड्रॉप आउट हो जाते हैं?

आपके ड्राप आउट करने के बाद भी आपको एजुकेशन लोन ब्याज सहित वापस चुकाना पड़ता हैं। क्या एजुकेशन लोन के लिए पैन जरूरी है? हाँ। एजुकेशन लोन के लिए अधिकांश बैंक पैन कार्ड होना अनिवार्य करते हैं। एजुकेशन लोन सेटलमेंट के लिए लोन से संबंधित बैंक शाखा में अनुरोध करे।

किसान क्रेडिट कार्ड के बाद CGS-NPF योजना: कृषि लोन का नया भविष्य

खेती में आर्थिक मुश्किलों और फसल बेचने की मजबूरी का सामना कर रहे किसानों को राहत देने के लिए एक नई योजना लाई गई है। 'क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर ई-एनडब्ल्यूआर बेस्ड प्लेज फाइनेंसिंग' (CGS-NPF) के तहत किसानों को उनकी फसल को गारंटी पर रखकर आसान कर्ज मिलने का मौका मिलेगा।

योजना की मुख्य बातें

भारत में कृषि क्षेत्र, जो देश की अर्थव्यवस्था का 17.7% हिस्सा है, आज भी देश के करीब आधे लोगों को रोजगार देता है। हालांकि, छोटी और सीमांत जोत वाले किसानों को फसल कटाई के बाद अक्सर अपनी उपज कम दामों पर बेचनी पड़ती है। इन चुनौतियों को देखते हुए यह योजना बनाई गई है, ताकि किसान अपनी फसल को उचित मूल्य पर बेच सकें और आर्थिक रूप से मजबूत बनें।

इस योजना का एक और प्रमुख उद्देश्य किसानों को वेयरहाउसिंग सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके तहत किसानों के नजदीक अधिक प्रमाणित वेयरहाउस बनाए जाने की दिशा में काम किया जाएगा ताकि किसान बिना परिवहन लागत बढ़ाए अपनी उपज का सुरक्षित भंडारण कर सकें।

16 दिसंबर 2024 को शुरू की गई इस योजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये का कोष आवंटित किया गया है। इस योजना में किसान अपनी उपज को वेयरहाउसिंग डिवेलपमेंट एंड रेगुलेटरी अथॉरिटी (WDRA) से प्रमाणित गोदामों में जमा कराकर कर्ज प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए ई-नेगोशिएबल वेयरहाउस रसीद (e-NWR) का उपयोग किया जाएगा। e-NWR एक इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज होता है, जो गोदाम में रखे गए किसान की उपज का प्रमाण होता है।

किसानों को कैसे होगा लाभ?

इस योजना का खास उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों, महिलाओं, अनुसूचित जाति/जनजाति और दिव्यांग किसानों को मदद पहुंचाना है। साथ ही, किसान उत्पादक संगठन (FPO), सहकारी समितियां और छोटे व्यापारी भी इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

कर्ज पर गारंटी फीस कम रखी गई है, ताकि अधिक से अधिक किसानों को कर्ज लेने में सुविधा हो। इस योजना से किसानों को फसल कटाई के बाद तुरंत बेचने की मजबूरी से राहत मिल सकेगी और वे बाजार में सही समय पर अपनी फसल बेचकर बेहतर मुनाफा कमा सकेंगे।

किसानों को वेयरहाउस तक आसान पहुंच देने के लिए WDRA को निर्देश दिए गए हैं कि अधिक से अधिक गोदामों को प्रमाणित किया जाए और इन्हें खेती के नजदीक स्थापित किया जाए। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रहलाद जोशी ने भी WDRA से अपील की है कि किसानों की सुविधा के लिए अधिक वेयरहाउस पंजीकृत किए जाएं।

किसानों के लिए अन्य प्रमुख योजनाएं

किसान क्रेडिट कार्ड (KCC): किसानों को कृषि इनपुट और नकद की सुविधा देने के लिए 1998 में शुरू की गई इस योजना को अब पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए भी बढ़ा दिया गया है।

ब्याज सब्सिडी योजना (MISS): किसानों को 3 लाख रुपये तक के कृषि कर्ज पर मात्र 4% ब्याज दर पर कर्ज मिलता है, यदि वह समय पर कर्ज चुकाते हैं। 2014-15 में कृषि क्षेत्र के लिए ऋण प्रवाह 8.5 लाख करोड़ रुपये था, जो 2023-24 तक बढ़कर 25.48 लाख करोड़ रुपये हो गया है। ब्याज सब्सिडी के तहत कर्ज वितरण में भी वृद्धि देखी गई है, जो 6,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 14,252 करोड़ रुपये हो गया है।

यह योजना किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। छोटे और सीमांत किसानों को कर्ज की उपलब्धता बढ़ने से उन्हें बाजार की मांग के अनुसार फसल बेचने की स्वतंत्रता मिलेगी। साथ ही, WDRA द्वारा अधिक गोदामों का पंजीकरण और वेयरहाउस की खेती के पास उपलब्धता से किसानों का

छोटे और सीमांत किसान फ्री में खुदवा सकते है कुआं

भोपालः छोटे और सीमांत किसान फ्री में खुदवा सकते है कुआं – छोटे जोत वाले और सीमांत किसान अपने खेतों में सिंचाई के लिए फ्री में ही कुआं खुदवा सकते है। इसके लिए केन्द्र सरकार किसानों को मदद कर रही है। छोटी जोत वाले एवं सीमांत किसानों की आय बढ़ाने हेतु केंद्र सरकार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) चला रही है। इसी में से एक योजना है, किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए फ्री में कुआं खुदाई करने की। इस योजना के तहत किसानों को फ्री में कुआं निर्माण करवाया जाता है। संपूर्ण राशि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार मिलकर वहन करती है। कूप निर्माण योजना को लेकर ग्रामीण विकास विभाग ने निर्देश जारी किए हैं। जहां सिंचाई की वैकल्पिक सुविधा नहीं है। वहां इस योजना से कुएं का निर्माण कराया जाएगा। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ने कुआं निर्माण के लिए जारी की गई गाइडलाइन के अनुसार मनरेगा अधिनियम 2005 की संशोधित अनुसूची एक के पैरा 4 (1) के तहत कमजोर वर्ग के किसानों के लिए निजी भूमि पर सिंचाई सुविधा के लिए कुआं निर्माण किया जाना है। किसानों को उनकी जमीन पर कूप निर्माण के लिए सरकार ने वृहद रूप से पंचायतों में कुआं निर्माण की योजना तैयार की है। योजना के तहत प्रतिवर्ष हर पंचायत में 20 से 25 कुआं निर्माण की योजना तैयार की जाती है। इस योजना के तहत किसी पुराने कुएं का जीर्णोद्धार नहीं किया

जाएगा। जहां सिंचाई की व्यवस्था नहीं होगी। वहां कुआं का निर्माण कराया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों के साथ-साथ निजी जमीन पर भी कुआं का निर्माण होगा। इससे संबंधित विभाग का निर्देश मिला है। यह नियम इसलिए बनाया गया है ताकि कुआं निर्माण से जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को विशेष लाभ मिल सके। सरकार की योजना है कि, जिन प्रखंडों में सिंचाई की वैकल्पिक साधन नहीं है। वहां कुआं निर्माण कराकर सिंचाई का साधन उपलब्ध कराया जाए। कुआं निर्माण से क्षेत्र का जलस्तर बना रहता है।

सरकार दे रही आटा, दाल मिल लगाने पर 10 लाख रुपये की छूट

ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की शुरुआत की है

किसानों को आटा-दाल मिल लगाने पर 10 लाख रु दे रही सरकार

ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार दिए जाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की शुरू की है. इस योजना के तहत माइक्रो फूड प्रोसिंग यूनिट्स लगाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा 10 लाख रुपये की छूट दे रही है. इस योजना के तहत राजस्थान सरकार कृषि मंडी जालोर में एक शिविर का आयोजन कर रही है. जिसमें फूड यूनिट लगाने वालों के आवेदन पत्र भरवाए जाएंगे. इन किसानों को योजना के बारे में जानकारी भी दी जाएगी.

श्री कान्हड़देव सोनगरा कृषि उपज मंडी समिति जालोर के सचिव कल्याणसिंह भाटी के ने बताया कि शिविर में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के बारे ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी जाएगी. यहीं पर फूड यूनिट लगाने वाले व्यक्तियों के ऑनलाइन आवेदन भी भरे जाएंगे. शिविर में सचिव कल्याण सिंह भाटी, पीएफएफएमई योजना-एसपीएमयू टीम सदस्य संदीप सैनी, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक संग्रामराम देवासी, राजीविका के अधिकारी और योजना के तहत तकनीकी व वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए संबंधित अधिकारी मौजूद रहेंगे.प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना का मुख्य उद्देश्य खाद्य से संबंधित छोटी-छोटी इकाईयों को बढ़ावा देना है. इसके तहत आटा मिल, दाल मिल, प्रोसेसिंग यूनिट, दूध और फूड प्रोडक्ट्स से संबंधित इकाई के लिए योजना के तहत अनुदान दिया जाएगा. जिससे ग्रामीण अपने कारोबार को स्थापित कर अपना खुद का रोजगार स्थापित कर सकेंगे.

एक इकाई पर 10 लाख रुपये मिलेगी सब्सिडी

इस योजना में नई व पुरानी इकाई को लगाने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार 35% या पिऊर 10 लाख रुपये तक का अनुदान देगी. योजना के तहत अलग-अलग बैंकों द्वारा लोन सहायता भी दी जाती है. मशीनरी संबंधित जानकारी भी संबंधित को दी जाएगी. पीएमएफएमई योजना में जिला रिसोर्स पर्सन की सहायता से आवेदन करने व प्रशिक्षण तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी. किसानों, कारोबारी और औद्योगिक संस्थाओं के लोग इस शिविर में आकर योजना का फायदा ले सकेंगे.

व्यवसाय करने के लिए आर्थिक मदद

धान-गेहूं आदि के किसानों को जितना मुनाफा नहीं होता है उससे ज्यादा दलिया या अनाज से बनाए गए अन्य प्रोडक्ट की बिक्री करने वालों को होता है। इसलिए अगर किसान फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाना चाहता है तो सरकार उनकी मदद कर रही है। ताकि वह अधिक कमाई कर सके। उस अनाज की कीमत चार गुना अधिक किसानों को मिलेगी। तो चलिए आपको बताते हैं कि माइक्रो फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाने के लिए किस योजना के तहत छूट दी जा रही है।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत माइक्रो फूड प्रोसिंग यूनिट्स केंद्र सरकार 10 लाख रु की छूट दे रही है। इससे गाँव के किसान लोग अधिक कमाई कर सकेंगे। लोगो को रोजगार भी मिलेगा। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के द्वारा किसान आटा मिल, दाल मिल, प्रोसेसिंग यूनिट, दूध और फूड प्रोडक्ट्स से संबंधित इकाई लगाने के लिए मदद ले सकते है। इस योजना के बारे में कृषि मंडी में आयोजित शिविरों में भी समय-समय पर जानकारी मिलती रहती है।

कैसे मिलेगा लाभ

इस योजना का किसान लाभ उठायें इसके लिए सरकार ने आवेदन मांगे है। इस पीएमएफएमई योजना में जिला रिसोर्स पर्सन की सहायता से आवेदन करने व प्रशिक्षण तकनीकी सहायता मिलेगी। इस योजना का लाबाह किसान, कारोबारी और औद्योगिक संस्थाए उठा सकती है। इस योजना के तहत किसानों को विभिन्न लोन बैंकों द्वारा मिलेगा। यहाँ पर किसान नई, पुरानी इकाई भी लगा सकते है। केन्द्र, राज्य सरकार की तरह से 35% या पिऊर 10 लाख रु की सब्सिडी दी जा रही है। जिससे कम लागत में अपना वयवसाय शुरू कर सकते है।

भारत देश करोड़ों की कीमत में अन्य देशों को बेच रहा गाय का गोबर, साल 2023-24 में बिका 386 करोड़ का गोबर

भारत देश करोड़ों की कीमत में अन्य देशों को बेच रहा गाय का गोबर। गाय का पालन भारत देश में हर घर में किया जाता है लेकिन लोग गाय का गोबर वेस्टेज समझकर इधर-उधर फेंक देते हैं या फिर कुछ लोग इसको गोबर खाद के रूप में खेत में इस्तेमाल कर लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत देश ने साल 2023 से 24 में टोटल 386 करोड़ रुपए का गोबर एक्सपोर्ट किया है। सबसे ज्यादा गोबर की खरीदी करने वाले देशों में चीन, अमेरिका, नेपाल के साथ मुस्लिम देश कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल है।

भारत ने साल 2023-24 में किया करोड़ों का गोबर एक्सपोर्ट

एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023-24 में भारत द्वारा टोटल 125 करोड़ का फ्रेश गोबर एक्सपोर्ट किया गया है। इतना ही नहीं इसके

अलावा 173.57 करोड़ रुपए का गाय के गोबर से तैयार हुआ खाद भी एक्सपोर्ट किया है। आपको बता दे गोबर से तैयार हुए वर्मी कंपोस्ट को 88.02 करोड़ रुपए में एक्सपोर्ट किया है। यानी की टोटल मिलाकर 386 करोड़ रुपए का गोबर भारत देश ने दूसरे देशों को बेचा है।

गोबर खरीदने वाले देश

भारत द्वारा करोड़ों के बेचे गए गोबर को खरीदने वाले देशों की अगर बात करते हैं तो इसमें 10 देश के नाम शामिल है। जिसमें सबसे पहले नाम मालदीव का आता है। इसके बाद अमेरिका, सिंगापुर, चीन, नेपाल, ब्राज़ील, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात का नाम दसवें नंबर पर आता है। इन देशों ने भारत से करोड़ों का गोबर खरीदा है।

गोबर का इस्तेमाल

भारत देश से खरीदे गए गोबर का इस्तेमाल विदेशी देश में किस प्रकार करते हैं इस बारे में अगर बात की जाए तो बता दे की अन्य देश इस गोबर का इस्तेमाल अधिकतर खेती के लिए करते हैं। आपको बता दे कि यहां पर खेती सब्जियों की और अनाजों की नहीं बल्कि उसकी जगह खजूरों की करते है।

भारत देश से गाय का गोबर खरीद कर बड़े-बड़े किसान इसका पाउडर तैयार करते हैं और उस तैयार किए हुए पाउडर को खजूर के पेड़ों की जड़ में डालते हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, गोबर का पाउडर खजूरों के पेड़ की जड़ों में डालने से उत्पादन तगड़ा मिलता है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शेड्यूल हुआ जारी, 23 फरवरी को होगा भारत-पाकिस्तान मुकाबला

चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने घोषणा कर दी है। 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला खेला जाएगा। भारत अपने सभी मुकाबले दुबई में खेलेगा।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फुल शेड्यूल

दिनांक	टीम	स्टेडियम
19 फरवरी	पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड	नेशनल स्टेडियम, कराची
20 फरवरी	बांग्लादेश बनाम भारत	दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, दुबई
21 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका	नेशनल स्टेडियम, कराची
22 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड	गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर
23 फरवरी	भारत बनाम पाकिस्तान	दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, दुबई
24 फरवरी	बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड	रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, रावलपिंडी
25 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका	रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, रावलपिंडी
26 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड	गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर
27 फरवरी	पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश	रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, रावलपिंडी
28 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया	गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर
1 मार्च	दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड	नेशनल स्टेडियम, कराची
2 मार्च	न्यूजीलैंड बनाम भारत	दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, दुबई
4 मार्च	सेमीफाइनल 1	दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, दुबई
5 मार्च	सेमीफाइनल 2	गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर
9 मार्च	फाइनल	गद्दाफी स्टेडियम, लाहौर

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने मंगलवार को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के शेड्यूल का ऐलान कर दिया। 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। पाकिस्तान की मेजबानी वाले टूर्नामेंट का आयोजन हाइब्रिड मॉडल में होगा। चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज अगले साल 19 फरवरी को होगा और फाइनल 9 मार्च को खेला जाएगा।

पाकिस्तान में भारत ने सुरक्षा कारणों से खेलने से इनकार कर दिया था। चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी मैच भारतीय टीम संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई शहर में खेलेगी। वनडे फॉर्मेट में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी में आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। दो टीमें हर ग्रुप से सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में हाइब्रिड मॉडल को लेकर लंबी खींचतान देखने को मिली। पाकिस्तान ने एक समय चैंपियंस ट्रॉफी का बायकॉट करने का संकेत भी दिया था। हालांकि, आईसीसी के दखल के बाद पाकिस्तान ने नरमी दिखाई और फिर शर्त के साथ हाइब्रिड मॉडल स्वीकार कर लिया। आईसीसी ने हाल ही में हाइब्रिड मॉडल पर मुहर लगाई। भारत और पाकिस्तान की टीम आईसीसी टूर्नामेंट के लिए एक-दूसरे के देश की यात्रा नहीं करेंगी।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टूर्नामेंट में आठ टीमें खेलेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। ग्रुप ए में पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश की टीम है, जबकि दूसरे ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, अफगानिस्तान और इंग्लैंड की टीमें मौजूद हैं। बता दें कि सभी मैच भारतीयसमयानुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू होंगे। अगर भारत क्वालीफ़ाई करता है तो पहले सेमीफाइनल में भारत शामिल होगा, जबकि अगर पाकिस्तान क्वालीफाई करता है तो दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान शामिल होगा। वहीं अगर भारत फाइनल के लिए क्वालीफाई करता है तो खिताबी मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

पाकिस्तान हैं डिफेंडिंग चैंपियन

पाकिस्तान 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में गत चैंपियन के रूप में प्रवेश करेगा। पाकिस्तान ने 2017 में विराट कोहली की अगुवाई वाली भारत को एकतरफा फाइनल में हराकर खिताब जीता था। भारत ने गत चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में प्रवेश किया। ICC ने 2017 के बाद टूर्नामेंट को समाप्त कर दिया, लेकिन 2025 सीज़न के लिए इसे वापस लाया।

भारत की कप्तानी करेंगे रोहित शर्मा

रोहित शर्मा चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की अगुआई करने की पुष्टि की गई है। रोहित की कप्तानी में भारत को दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीतने के कुछ दिनों बाद, BCCI ने पुष्टि की कि वह अगले ICC इवेंट में टीम की अगुआई करेंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी ग्रुप

ग्रुप एः बांग्लादेश, भारत, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान

ग्रुप बीः अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका

वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा होना चाहिए घर

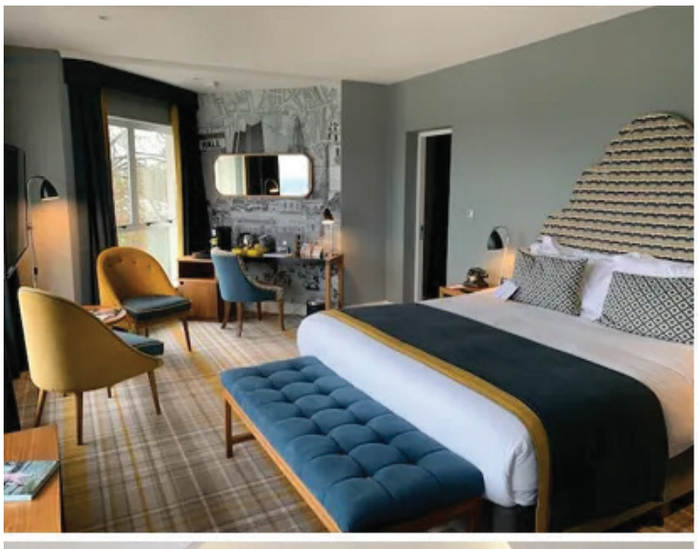
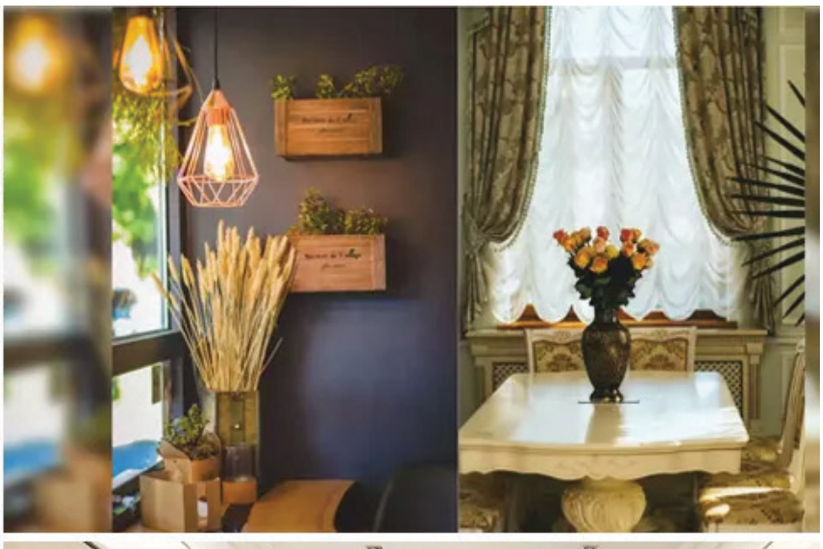

हमेशा वास्तु शास्त्र के हिसाब से घर का चयन करना चाहिए। यह आपके जीवन में खुशियां लाता है। घर में कौन सी चीज किस दिशा में और किस जगह होना चाहिए, इसका वास्तु शास्त्र में उल्लेख मिलता है। वास्तु शास्त्र के हिसाब से घर बनाने पर वहां सकारात्मक ऊर्जा रहती है। जिससे घर के सदस्यों को फायदा होता है और खुशियां आती हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि वास्तु के हिसाब से घर को कैसा बनाया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार के वास्तु दोष से बचा जा सके।

प्रवेश द्वार की दिशा

घर का प्रवेश द्वार घर के सदस्यों के लिए प्रवेश बिन्दु होता है। जो घर में ऊर्जा और जीवंतता लाता है। ऐसे में घर का प्रवेश द्वार बनाते समय ध्यान रखें कि वह उत्तर, पूर्व या उत्तर पूर्व दिशा में होना चाहिए। ताकि जब आप घर से बाहर निकलें तो आपका मुख उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर हो।

इसके साथ ही घर के मुख्य द्वार बेहतर गुणवत्ता वाली लकड़ी से बनाना चाहिए। साथ ही मुख्य द्वार के सामने किसी भी तरह की पानी की सजावट जैसे फव्वारा आदि नहीं लगाना चाहिए। प्रवेश द्वार के बाहर जूता रैक या कूड़ादान रखने से बचें। मुख्य द्वार के सामने बाथरूम न बनाएं और मुख्य द्वार पर काले रंग का पेंट न पोतें। साथ प्रवेश द्वार के नजदीक जानवरों की किसी भी प्रकार की मूर्ति न लगाएं।

लिविंग रूम के लिए वास्तु

हमेशा ध्यान रखें कि लिविंग रूम बेहद साफ सुथरा और व्यवस्थित हो। यह घर का सक्रिय क्षेत्र होता है इसलिए इसे खास तरीके से व्यवस्थित किया जाना चाहिए। घर का लिविंग रूम पूर्व दिशा, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित होना चाहिए। साथ ही लिविंग रूम का फर्नीचर पश्चिम या दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। अगर लिविंग रूम में शीशा है तो उसे उत्तर दिशा की दीवार पर लगाना चाहिए और दक्षिण-पूर्व दिशा में इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उपकरण स्थापित होने चाहिए।

वास्तु के हिसाब से ऐसा होना चाहिए बेडरूम

आपके घर में आपका बेडरूम दक्षिण-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। साथ ही बेड को कमरे के दक्षिण-पश्चिम कोने में होना चाहिए। जिसका सिर हमेशा पश्चिम की ओर हो।

घर के उत्तर पूर्व दिशा में बेडरूम न बनाएं। इससे आपको स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। साथ ही दक्षिण-पूर्व दिशा में बेडरूम बनाने से परहेज करना चाहिए। इससे कपल के बीच मन मुटाव बढ़ सकता है।

ध्यान रखें की बेडरूम में बेड के सामने शीशा या टेलीविजन न हो। बिस्तर के सामने शीशा या टेलीविजन होने से बिस्तर में सो रहे लोगों का प्रतिबिंब दिखता है। जिससे घर में झगड़े शुरू हो जाते हैं। बेडरूम की दीवारों में डार्क कलर नहीं पुतवाना चाहिए। दीवारों के लिए ऐसे रंग का चुनाव करें जो घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाते हैं। बेडरूम में भगवान का मंदिर नहीं होना चाहिए। बेडरूम में पानी या फव्वारे की पेंटिंग भी नहीं होना चाहिए।

किचन के लिए वास्तु

वास्तु के अनुसार घर का किचन हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा में बनाना चाहिए। किचन में उपयोग आने वाली सभी चीजें भी दक्षिण-पूर्व दिशा में रखनी चाहिए। किचन को कभी भी घर की उत्तर दिशा, उत्तर-पूर्व दिशा या दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं बनाना चाहिए।

बच्चों के कमरों और योग कक्ष के लिए वास्तु

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि घर के बच्चों के लिए कमरे का निर्माण दक्षिण-पश्चिम दिशा में करना चाहिए। साथ ही कमरे में बच्चों का बेड इस तरह से लगा हो कि उनका सिरहना दक्षिण या पूर्व की ओर रहे। इसे सौभाग्यशाली माना जाता है और इससे मन शांत रहता है।

आज के दौर में योग एक महत्वपूर्ण व्यायाम है। इसलिए घर में योग कक्ष बनवाना बेहद जरूरी हो जाता है। जहां आप व्यायाम के साथ-साथ ध्यान भी कर सकते हैं। योग कक्ष हमेशा घर के पूर्व या उत्तर पूर्व दिशा में बनवाना चाहिए। हमेशा कोशिश करें कि योग या ध्यान करते समय आपका मुख पूर्व की ओर रहे। इससे सकरात्मकता बढ़ती है। योग कक्ष को हमेशा हल्के पीले या सफेद रंग से रंगा जाना चाहिए।

वास्तु के अनुसार ऐसे होने चाहिए घर के कमरे

घर के कमरे बनाते समय ध्यान रखें कि सभी कमरे एक सीधी रेखा में होना चाहिए। इसके साथ ही घर के कमरों का आकार आयताकार या वर्गाकार होना चाहिए। घर में गोलाकार कमरे नहीं बनाने चाहिए। गोलाकार कमरों को वास्तु शास्त्र में सही नहीं कहा गया है। इसके साथ ही ध्यान रखना चाहिए कि कमरों में बड़ी खिड़कियां हो, जहां से सूरज की रोशनी और ताजी हवा आ सके। ताजी हवा और सूरज की रोशनी से सकरात्मकता बढ़ती है।

घर में रंगों का उपयोग

घर में रंगाई करते समय गहरे रंगों का प्रयोग करने से बचना चाहिए। इससे नकारात्मकता बढ़ती है। सकारात्मक वाइब्स के लिए घर में सफेद, पीले, गुलाबी, मूंगा, हरा, नारंगी, या नीले रंग से पुताई करवाना चाहिए। घर से टूटे हुए कांच, खराब क्रॉकरी और टूटे हुए बर्तनों को तुरंत बाहर कर देना चाहिए। इनसे घर के लोगों में उदासी और निराशा का भाव उत्पन्न होता है। अगर घर में किसी भी प्रकार की दरार आती है या पेंट खराब होता है तो उसे शीघ्र ही सही करवाना चाहिए। अगर घर में कोई खिड़की दरवाजा तो उसे तुरंत ही बदल देना चाहिए।

विंटर वर्कआउट टिप्स, कड़ाके की सर्दी में भी आसानी से कर पाएंगे एक्सरसाइज

कुछ लोगों को सर्दियों में वर्कआउट (Winter workouts) करने की बजाय आलस घेर लेता है और वे कई तरह के बहाने करने लगते हैं। आपको पता ही है कि सुबह के समय किया गया वर्कआउट (Morning workout) काफी फायदेमंद होता है। इसके साथ मार्निंग वॉक (Morning walk) या रनिंग (Running) को भी अपने रूटीन में शामिल करना चाहिए।

लेकिन अधिकतर लोगों को सर्दियों में वर्कआउट करना मुश्किल काम लगता है। यदि आपको भी ऐसा ही लगता है तो यह आर्टिकल आपकी समस्या को कम कर देगा।

यदि आप किसी कारण सर्दियों में जिम नहीं जा पाते तो होम वर्कआउट (Indoor workout tips to get fit this winter season) कर सकते हैं। लेकिन यदि जा सकते हैं तो नीचे दिए गए वर्कआउट टिप्स पढ़ें।

इन टिप्स से आपको आउटडोर वर्कआउट करने में मदद मिलेगी। सर्दियों में वर्कआउट / एक्सरसाइज करने के लिए कुछ टिप्स (Winter workout tips) भी जान लीजिए।

शरीर की गर्मी निकलने से आपको ठंड लगने लगती है। शरीर की गर्मी निकलने का कारण आपकी बॉडी का गीला होना होता है। आपको बता दें पानी हीट कंडक्टर (heat conductor) है! इसलिए हमेशा ड्राई ड्रेस पहननी चाहिए।

यदि आपका शरीर गीला हो गया तो आपको ठंड लगेगी और आप सही तरह से वर्कआउट नहीं कर पाएंगे। इससे आपको हाइपोथर्मिया (Hypothermia) का खतरा बढ़ सकता है। हाइपोथर्मिया वह स्थिति होती है, जब शरीर का तापमान 95 डिग्री फॉरेनहाइट से नीचे चला जाता है। इससे साफ है कि आपको कॉटन से बने कपड़े नहीं पहनने हैं, जो पसीना सोखकर आपको गीला रखते हैं। इसकी बजाय सिंथेटिक फाइबर जैसे पॉलिस्टर, नायलॉन व पॉलीप्रोपाइलीन से बनी ड्रेस पहनें। ये कॉटन के मुकाबले 50 प्रतिशत जल्दी नमी मिटाते हैं।शरीर को गर्म रखने के लिए कपड़ों की लेयरिंग करने की जरूरत होती है।

सर्दियों में यदि आप आउटडोर वर्कआउट कर रहे हैं तो पहले, सिंथेटिक कपड़ों से बनी पतली टी शर्ट या सेंडो पहनें।इसे पहनने से शरीर से पसीना बाहर निकाल सकता है। इसके बाद यह ठंडी हो जाएगी तो इसे दबाने के लिए बीच में एक ओर लेयर पहनें, जो शरीर को गर्म हवा से बचाएगी। यदि बाहर हवा है तो तीसरी लेयर भी कैरी करें।मौसम के आधार पर बाहरी लेयर में हल्के नायलॉन विंडब्रेकर (lightweight nylon windbreaker), बनियान (vest) या ट्रैक सूट हो सकता है।

सर्दियों की हवा ठंडी होने के साथ ड्राई भी होती है। इससे स्किन ड्राइनेस की प्रॉब्लम बढ़ जाती है। इससे बचने के लिए दिनभर पानी पीते रहें और मॉइश्चराइजिंग क्रीम या लोशन (Moisturizing cream or lotion) लगाएं।

अधिक देखभाल के लिए नथुने, नाक व कान जैसे शरीर के संवेदनशील हिस्सों में वैसलीन (Vaseline) लगा सकते हैं। चेहरे को मास्क या स्कार्फ (mask or scarf) से ढककर रखें।

अच्छा वार्म-अप विंटर वर्कआउट की सबसे बड़ी प्राथमिकता होता है। यह चोटों के जोखिम को कम करने के साथ ही मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन और तापमान (blood flow and temperature) को बढ़ाता है। इसलिए वर्कआउट से पहले डायनामिक वार्म-अप (Dynamic warm-up) जरूर करें। इसका कारण यह है कि जब आप कम तापमान में एक्सरसाइज करते हैं, तो आपको चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है।

डायनामिक वार्म-अप इस पर निर्भर करता है कि आप किस प्रकार का वर्कआउट कर रहे हैं। लेकिन सभी वार्म-अप के लिए सुनिश्चित करें कि उनमें कम-इंटेंसिटी वाली एक्सरसाइज शामिल होनी चाहिए। जैसे : लंजेस, स्क्वाट्स, आर्म स्विंग्स और कोर एक्टिवेशन आदि।ठंडी में सुबह जॉगिंग करने से न केवल शरीर गर्म रहती है, बल्कि यह एक बेहतरीन कार्डियो एक्सरसाइज है. जॉगिंग से कैलोरी बर्न होती है और यह आपके स्टैमिना को भी बढ़ाती है. अगर ठंडी हवा से बचना है तो हल्के गर्म कपड़ों के साथ जॉगिंग करें.सर्दियों में घर के अंदर योग और ध्यान करना आपके शरीर और मन के लिए फायदेमंद है. योग न केवल आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, बल्कि शरीर को लचीला भी रखता है. वहीं, मेडिटेशन तनाव को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है.

दिन की शुरुआत या अंत में हल्की स्ट्रेचिंग करना सर्दियों में बहुत फायदेमंद होता है. इससे शरीर की जकड़न दूर होती है और मांसपेशियों को आराम मिलता है. इसे नियमित करने से शरीर लचीला और एक्टिव बना रहता है.

अगर बाहर जाना संभव न हो तो घर पर ही स्क्वैट्स, पुश-अप्स और प्लैंक जैसी आसान एक्सरसाइज करें. ये एक्सरसाइज सर्दियों में शरीर को मजबूत बनाने के साथ फिटनेस को बनाए रखने में सहायक होती है. डांस एक मजेदार तरीका है, जो शरीर को सक्रिय रखता है. यह न केवल कैलोरी बर्न करता है, बल्कि आपका मूड भी अच्छा बनाता है. परिवार या दोस्तों के साथ डांस करना इसे और भी रोमांचक बना सकता है.

ठंडी हवाओं के बीच शरीर को इस तरीके से रखें गर्म, अपनी डाइट में इन चीजों को करें शामिल

ठंड के दिनों में व्हीप्ड क्रीम के साथ हॉट कोको या पास्ता और चीज़ की स्टीमिंग प्लेट खाने की इच्छा किसे नहीं होती? आपके शरीर को गर्म रहने के लिए ज़्यादा कैलोरी की ज़रूरत होती है.

ठंड के दिनों में व्हीप्ड क्रीम के साथ हॉट कोको या पास्ता और चीज़ की स्टीमिंग प्लेट खाने की इच्छा किसे नहीं होती? आपके शरीर को गर्म रहने के लिए ज़्यादा कैलोरी की ज़रूरत होती है. फिर भी आपको पोषण संबंधी नियमों से दूर जाने की ज़रूरत नहीं है. खासकर अगर आप मेडिटेरेनियन डाइट का पालन करते हैं.

एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर मेडिटेरेनियन डाइट दिल की बीमारी और मधुमेह जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए उम्र को बढाची है. यह साल भर इस्तेमाल किया जा सकने वाला विकल्प है क्योंकि इसके मुख्य तत्व जमे हुए या ताज़े पत्तेदार साग, जड़ वाली सब्जियां, खट्टे फल, सामन, बीन्स, साबुत अनाज, जामुन, ग्रीक दही, नट्स और एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल हमेशा उपलब्ध रहते हैं. इस सर्दी में इन खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करने के कुछ स्वस्थ तरीके इस प्रकार हैं.

1. पत्तेदार साग

सर्दियों में पत्तेदार साग? बिलकुल जमे हुए पालक और केल ताज़े साग जितने ही अच्छे होते हैं. वे विटामिन सी के बेहतरीन सोर्स हैं. इससे इम्युनिटी मजबूत होता है. इसमें विटामिन के भरपूर होते हैं. जो रक्त के थक्के जमने में मदद करता है. विटामिन ए, जो दृष्टि के लिए महत्वपूर्ण है. बेशक आप उन्हें गर्म ही खाएंगे.

मेन्यू आइडियाः स्टिर-फ्राई पालक, केल और अरुगुला के लिए प्राकृतिक वाहन हैं. आप अपनी सब्जी को स्मूदी में भी मिला सकते हैं.

2. जड़ वाली सब्जियां

बीट, गाजर और शलजम जैसी जड़ वाली सब्जियां सर्दियों के महीनों में भरपूर मात्रा में होती हैं और इनमें बीटा-कैरोटीन और विटामिन सी और ए जैसे ज़रूरी पोषक तत्व होते हैं. जो आपके इम्यून सिस्टम को सर्दी और फ्लू से बचाने के लिए ज़रूरी बढ़ावा देते हैं.

मेन्यू आइडियाः कटी हुई जड़ वाली सब्ज़ियों पर जैतून का तेल लगाकर उन्हें 350 डिग्री के ओवन में धीरे-धीरे तब तक भूनें जब तक कि उनकी प्राकृतिक चीनी कैरामेलाइज़ न हो जाए.

3. खट्टे फल

विटामिन सी आपकी इम्यून सिस्टम और मूड दोनों को बढ़ाता है. पारंपरिक स्रोतों में संतरे, अंगूर और नींबू जैसे खट्टे फल शामिल हैं. स्ट्रॉबेरी, आम और कीवी में भी विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है

मेन्यू आइडियाः किसी भी डिश में विटामिन-सी से भरपूर ब्रोकली, फूलगोभी और शिमला मिर्च डालें। यदि आपको ये ताजे नहीं मिलते तो इन्हें फ्रोजन ही खरीदें.

4. विटामिन डी से भरपूर फूड आइटम

सर्दियों के महीनों में विटामिन डी से भरपूर फूड आइटम बहुत ज़रूरी होते हैं. सैल्मन, अंडे की जर्दी, फोर्टिफाइड अनाज, दूध, रेड मीट और शिटेक मशरूम विटामिन डी का बेहतरीन स्रोत हैं.

मेनू आइडियाः सैल्मन फ़िललेट पर थोड़ा जैतून का तेल लगाएँ और 350 डिग्री पर बेक करने से पहले ऊपर से बारीक कटी हुई अदरक की जड़ छिड़कें.

5. बीन्स

छोले जैसी बीन्स (जिन्हें गार्बानो बीन्स के नाम से जाना जाता है) प्रोटीन से भरपूर होती हैं और इनमें लगभग सभी ज़रूरी अमीनो एसिड होते हैं.

मेनू आइडियाः सूखे या डिब्बाबंद बीन्स को सूप या सलाद में मिलाएं या उन्हें एक्स्ट्रा वर्जिन जैतून के तेल, नींबू के रस, ताहिनी और नमक के साथ मिलाकर अपना खुद का हम्मस बनाएं.

6. कम सोडियम वाला सूप

सूप सर्दियों के लिए एक शानदार फूड आइटम है. बशर्ते यह घर का बना हो या कम सोडियम वाला हो. कम सोडियम वाले सूप में प्रति सर्विंग 140 मिलीग्राम या उससे कम सोडियम होता है. "कम" सोडियम का मतलब है कि सूप से केवल 25% सोडियम निकाला गया है. ऐसी रेसिपी से दूर रहें जिसमें क्रीम, बीफ़ और नमक की ज़रूरत होती है, और ऐसी रेसिपी का इस्तेमाल करें जिसमें चिकन शोरबा, सब्ज़ी शोरबा या पानी का इस्तेमाल बेस के तौर पर किया जाता है और जिसमें बहुत सारी सब्ज़ियां होती हैं,

मेनू आइडियाः अतिरिक्त वसा रहित प्रोटीन और फाइबर के लिए अपने सूप में डिब्बाबंद या सूखे बीन्स या दालें डालें। बीन्स पाचन को धीमा करके और रक्त शर्करा को नियंत्रित करके आपकी भूख को कम करते हैं, जो भूख को नियंत्रित करने और मूड को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं.

7. साबुत अनाज

क्विनोआ और अन्य साबुत अनाज जैसे ओटमील, फ़ारो, बुलगुर और बकव्हीट प्रोटीन और फाइबर प्रदान करते हैं. ओटमील सर्दियों के लिए एक अच्छा नाश्ता या स्नैक है. इसमें जिंक की मात्रा अधिक होती है, जिसकी आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को ठीक से काम करने के लिए ज़रूरत होती है, और घुलनशील फाइबर, जो हृदय स्वास्थ्य को मजबूत करता है.

मेनू आइडियाः अपने सलाद में पके हुए साबुत अनाज डालें ताकि आपका पेट लंबे समय तक भरा रहे, और साबुत अनाज की ब्रेड, क्रैकर्स और अनाज खरीदें. अपने दलिया में दालचीनी, इलायची या जायफल मिलाएं, इससे कैलोरी, वसा, चीनी या नमक मिलाए बिना इसका स्वाद बढ़ जाएगा.

सर्दी में भी दमकता रहेगा चेहरा, बस रात को सोने से पहले कर लें ये उपाय

रूखी और बेजान त्वचा। सर्दियां शुरू होते ही लोग इस तरह की स्क्रिन प्रॉब्लम्स से परेशान होते दिखाई देते हैं। कई तरह के मॉश्चराइजर, बॉडी लोशन का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर सर्दियों में स्किन को इतनी केयर की जरूरत क्यों पड़ती है?

मॉश्चराइजर और बॉडी लोशन के अलावा भी कई तरीके हैं, जिनसे आप अपनी स्किन की केयर कर सकते हैं। यकीन मानिये, अगर आपने इन कुछ विंटर ब्यूटी टिप्स को अच्छे से फॉलो किया, तो हर कोई पूछेगा, आखिर इस जवां त्वचा का राज़ क्या है?

सर्दियों में त्वचा की देखभाल के लिए मार्केट में कई तरह के प्रॉडक्ट आपको मिल जाएंगे। ये बॉडी लोशन से लेकर स्किन केयर क्रीम, मॉश्चराइजर आदि के रूप में उपलब्ध हैं। कुछ प्रॉडक्ट स्किन टाइप के हिसाब से भी मिलने लगे हैं। यह बाकी प्रोडक्ट्स के मुताबिक ज्यादा फायदेमंद होते हैं। आप इन्हें इस्तेमाल करें या ना करें, यह आप पर निर्भर करता है। हम आपको कुछ बेसिक चीजें बताने जा रहे हैं। इन्हें ध्यान में रखते हुए आप अपनी त्वचा की बेहतर देखभाल कर सकते हैं। [1]

1. अपने आहार को देखो : हर कोई चाहता है कि उसकी त्वचा हमेशा जवां दिखाई दे। लोग इसके लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं। लेकिन त्वचा की सुंदरता सिर्फ बाहर से नहीं, उसके लिए भीतर से भी पोषण जरूरी है। जी हां! आपका खानपान जितना हेल्दी होगा, उतना ही आपकी त्वचा भी दमकेगी। इसका खयाल हमें फलों से लेकर सब्जियां और अन्य खानपान में रखना होगा।

ऐसे फलों को अपनी डायट में शामिल करना होगा, जो एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर हैं।

सर्दियों के मौसम में खासतौर पर हरी सब्जियों को अपनी डायट में शामिल करना होगा। इससे आपको शरीर के लिए जरूरी कई पोषक तत्व मिल जाते हैं। पालक, मेथी, बथुआ, सरसों कुछ ऐसी हरी सब्जियां हैं, जो सर्दियों के मौसम में आसानी से मिल जाती हैं।वसा यानी फैट भी हमारी त्वचा के लिए एक जरूरी पोषक तत्व है। सर्दियों में यह हमारी त्वचा में नमी बनाए रखता है। खाने में हेल्दी फैट वाली चीजों जैसे मछली, सीड्स और नट्स जैसे मूंगफली, बादाम, आदि को शामिल करें। [2]सर्दियां और इस मौसम में होने वाला प्रदूषण हमारी त्वचा से नमी को सोख लेते हैं। इससे चेहरा रूखा हो जाता है और उस पर सफेद पैचेज निकल आते हैं। ऐसे में त्वचा को आर्टिफिशियल तरीके से नमी प्रदान करने की जरूरत पड़ती है। यह बॉडी लोशन, मॉइश्चराइजर, क्रीम के तौर पर मार्केट में उपलब्ध है। आप घरेलू तरीकों से भी त्वचा को मॉइश्चर कर सकती हैं। और हां, सर्दियों में इसे रूटीन बना लें। क्योंकि अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपकी त्वचा रूखी रहेगी। [3]

3. तेल थेरेपी : Oil Therapy

तेल हमारी त्वचा के लिए जरूरी है। सर्दियों में इसका इस्तेमाल त्वचा को नमी प्रदान करता है। सर्दियों में वैसे ही त्वचा ड्राई हो जाती है। उस पर हमारी कुछ आदतें भी त्वचा पर असर डालती हैं। जैसे, इन दिनों में लोग नहाते वक्त ज्यादा तेज गर्म पानी इस्तेमाल करते हैं। तेज गर्म पानी से नहाने से हमारे सिर की त्वचा ड्राई होती है, जिससे डैंड्रफ की परेशानी बढ़ती है और शरीर की त्वचा पर भी इसका असर पड़ता है।

इसलिए नहाने के तुरंत बाद तेल से शरीर की मालिश जरूरी है। इसके लिए फेस ऑयल जैसे नारियल का तेल, ऑलिव ऑयल आदि का इस्तेमाल करें, क्योंकि फेस ऑयल में पॉलिफिनॉल्स, फैटी एसिड और एंटी ऑक्सिडेंट होते हैं। ये हमारी त्वचा की चमक को बनाए रखते हैं। सरसों के तेल और बादाम तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन्हें सिर के बालों के लिए भी उपयोग किया जाता है।

4. होठों की देखभाल : Lip Care

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि हमारे होंठ हमारी त्वचा के मुकाबले 10 गुना तेजी से ड्राई यानी रूखे होते हैं। सर्दियों में शरीर का ज्यादातर हिस्सा ढका रहता है, लेकिन हमारे होंठ नहीं। इनसान की त्वचा में सबसे संवेदनशील होठों की त्वचा ही होती है। यह शरीर की बाकी त्वचा के मुकाबले ज्यादा पतली होती है और इसे देखभाल की ज्यादा जरूरत पड़ती है।

ठंडी और रूखी हवाएं और गर्म हवाएं हमारे होठों की त्वचा को नुकसान पहुंचाने के साथ ही इसे सख्त बना देती हैं। अगर इनका खयाल ना रखा जाए, तो होंठ फट जाते हैं, जो किसी के लिए भी एक पीड़ादायक स्थिति होती है। सर्दियां क्या, किसी भी मौसम में होठों की देखभाल की विशेष जरूरत होती है और आपको यह खयाल करना चाहिए। [4]लिप बॉम होठों पर एक लेयर बना देते हैं और होठों को नमी प्रदान करते हैं। मार्केट में अनेक ब्रैंड्स के लिप बॉम मौजूद हैं। लेकिन इन्हें खरीदने से पहले इसे बनाने में इस्तेमाल हुए उत्पादों पर जरूर गौर करें। लिप बॉम वैक्स आधारित अवयवों की मदद से बनाए जाते हैं। इन्हें बनाने में मोम, कपूर और कई बार कुछ दवाइयों का भी इस्तेमाल किया जाता है। कुछ लिप बाम होठों को तुरंत फायदा और त्वचा को पोषण पहुंचाते हैं, लेकिन लंबे वक्त तक इन्हें इस्तेमाल करने से होंठ रूखे हो जाते हैं। ऐसा इन लिप बॉम को बनाने में इस्तेमाल किए गए कपूर, फिटकरी, सैलिसिलिक एसिड और मेनथॉल आदि की वजह से होता है। लिप बॉम ख रीदते वक्त ऐसे लिप बॉम को चुनें, जिसे मोम, कोकोआ मक्खन आदि का इस्तेमाल कर बनाया गया हो।

सर्दियों में बालों को भी देखभाल की विशेष जरूरत पड़ती है। इन दिनों डैंड्रफ की समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। डैंड्रफ बढ़ जाने पर बाल टूटने लगते हैं और बालों की ग्रोथ पर भी असर पड़ता है।

बालों की देखभाल के लिए तेल से मसाज बहुत जरूरी है। इसके लिए आप जैतून यानी ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल कर सकते हैं। ध्यान रहे कि तेल बालों की जड़ों पर लगे।

अगर डैंड्रफ बहुत ज्यादा बढ़ गया है, तो सरसों के तेल में एक चम्मच नींबू का रस अच्छे से मिलाकर उसे बालों की जड़ों पर लगाएं। फिर एक से डेढ़ घंटे के बाद सिर को माइल्ड शैंपू से अच्छी तरह धो लें। सुबह की धूप में बालों को जरूर सुखाएं और गीले बालों में कंघी ना करें।[5]

1. ग्लिसरीन : Glycerin

पानी और सुगंधित चीजों के बाद ग्लिसरीन, कॉस्मेटिक उत्पादों में उपयोग होने वाली तीसरी सबसे अहम चीज है। मॉइश्चराइजर और लोशन में तो यह सबसे प्रमुख इस्तेमाल होने वाली चीज है। ग्लिसरीन हमारी त्वचा की बाहरी लेयर को हाइड्रेड करती है। जलन आदि से त्वचा को बचाती है और घावों को भी तेजी से भरने में मदद करती है। यह एक नैचुरल कंपाउंड है, जो वेजिटेबल ऑयल और जानवरों के फैट में पाया जाता है। एकदम प्योर ग्लिसरीन को इस्तेमाल करने से बचें। आप इसे गुलाब जल में मिलाकर लगा सकते हैं। बहुत से लोगों को इससे एलर्जी की भी शिकायत रहती है। अगर आपको भी खुजली, रेडनैस और रैशेज दिखें, तो इस्तेमाल ना करें।

युगांडा में फैला डिंगा-डिंगा वायरस, 300 से ज्यादा बीमार: शरीर में होती है नाचने जैसी तेज कंपकपी

अफ्रीकी देश युगांडा में डिंगा डिंगा वायरस से 300 से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा महिलाएं और लड़कियां हैं। इस रहस्यमयी बीमारी का सबसे ज्यादा असर युगांडा के बुंदीबग्यो जिले में देखने को मिला है।

न्यूज एजेंसी मॉनीटर के मुताबिक इस वायरस की चपेट में आने पर मरीज के शरीर में तेज कंपकपी होने लगती है। ये कंपकपी इतनी तेज होती है कि देखने पर ऐसा लगता है कि जैसे मरीज नाच रहा हो। संक्रमण अधिक होने पर मरीज को लकवा भी मार सकता है।बुंदीबग्यो के जिला स्वास्थ्य अधिकारी कियिता क्रिस्टोफर के मुताबिक इस वायरस के बारे में पहली बार 2023 में पता चला था। इसके बाद से युगांडा की सरकार इसकी जांच कर रही है।

वायरस से फिलहाल मौत की जानकारी नहीं

युगांडा के स्वास्थ्य विभाग ने अभी तक डिंगा डिंगा वायरस से मौत की कोई जानकारी नहीं दी है। विभाग ने समय रहते लोगों को दवाई लेने की सलाह दी है। संक्रमित हो चुके लोगों को बुंदीबग्यों के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।रिपोर्ट के मुताबिक अब तक इस बीमारी से बचने के लिए कोई वैक्सीन नहीं है। स्वास्थ्य अधिकारी कियिता के मुताबिक संक्रमित लोगों का एंटीबायोटिक्स दवाएं देकर इलाज किया जा रहा है। इससे ठीक होने में करीब एक हफ्ते का समय लग रहा है। कियिता ने वायरस के इलाज के लिए हर्बल दवाओं को बेअसर बताया है और लोगों से अस्पताल आकर जांच और इलाज कराने के लिए कहा है। कियिता ने कहा,

बीमारी से बचने के लिए साफ-सुथरा रहने की सलाह

स्वास्थ्य विभाग ने इस बीमारी से बचने के लिए लोगों को साफ सफाई से रहने की सलाह दी है। साथ ही उनसे किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से भी मना किया है। डॉ कियिता ने बताया कि बुंदीबुग्यो के अलावा किसी और जिले में वायरस के केस नहीं मिले हैं। इसके साथ ही कई संदिग्ध लोगों के सैंपल स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम को भेजे गए हैं। इन सैंपल की अभी जांच होना बाकी है। इस बीमारी की तुलना फ्रांस में 1518 में 'फैली डांसिंग प्लेग' से की जा रही है। इस बीमारी से लोग संक्रमित होकर कई दिनों तक कांपते रहते थे। लगातार कांपते रहने की वजह से वाली थकावट के चलते कई बार लोगों की मौत भी हो जाती थी।

बीमारी का नाम डिंगा-डिंगा कैसे पड़ा ?

युगांडा में फैली इस बीमारी का नाम वैज्ञानिक तौर पर अभी नहीं रखा गया है। न्यूज एजेंसी मॉनीटर के मुताबिक वहां के लोग वायरस को

आम भाषा में 'डिंगा-डिंगा' कहते हैं। जिसका मतलब 'नाचने जैसी तेज कंपकपी' है।

वायरस से ठीक हो चुके 18 साल के एक मरीज पेशेंस कटुसिमे ने न्यूज एजेंसी मॉनीटर से कहा कि लकवाग्रस्त होने के बावजूद उसका शरीर बेकाबू होकर कांपता रहता था। उसे पहले कमजोरी महसूस हुई और बाद में लकवा मार गया। उसने बताया कि मैं जब भी चलने की कोशिश करता था, तो मेरा शरीर बेकाबू होकर कांपने लगता था। मुझे कमजोरी महसूस हुई और लकवा मार गया था। मैं जब कभी चलने की कोशिश करता, मेरा शरीर बेकाबू होकर हिलने लगता था।

कांगो में रहस्यमयी बीमारी से 143 लोगों की मौत

उधर, कांगो (कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य) में भी दूसरी रहस्यमयी बीमारी तेजी से फैल रही है। जिसकी चपेट में आने से कांगो के पंजी में अब तक 143 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। कांगो की स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इस वायरस से मरीजों में बुखार, सिरदर्द, खांसी और मलेरिया जैसे गंभीर फ्लू के लक्षण दिखते हैं।

रूस की कैंसर वैक्सीन की कीमत 2.5 लाख रुपए: दोबारा कैंसर होने का जोखिम नहीं

रूस के कैंसर वैक्सीन के ऐलान के बाद से दुनियाभर के कैंसर मरीजों में उम्मीद जगी है। रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर आंद्रेई काप्रिन के मुताबिक, रूस की इस कैंसर वैक्सीन को अलग-अलग तरह के मरीजों के लिए अलग-अलग बनाया जाएगा। इस खासियत की वजह से इसकी कीमत करीब 2.5 लाख रुपए होगी। रूसी नागरिकों को ये वैक्सीन मुफ्त में मिलेगी। हालांकि दुनिया के बाकी देशों के ये वैक्सीन कब मिलेगी, इसके बारे में काप्रिन ने कोई जानकारी दी है। काप्रिन ने बताया कि प्रीक्लिनकल ट्रायल में वैक्सीन प्रभावी साबित हुई है। इससे ट्यूमर का विकास धीमा होने के साथ उस पर 80% तक कमी देखी गई है। इस वैक्सीन को मरीजों के ट्यूमर सेल्स के डेटा के आधार पर स्पेशल प्रोग्राम के जरिए डिजाइन किया जाता है।

वैक्सीन के काम करने का पूरा प्रोसेस

रूस की फेडरल मेडिकल बायोलॉजिकल एजेंसी की प्रमुख वेरोनिका स्वोत्र्सकोवा ने वैक्सीन के काम करने के तरीके को मेलानोमा (स्किन कैंसर) से समझाया है। सबसे पहले कैंसर के रोगी में से कैंसर सेल्स का सैंपल लिया जाता है।इसके बाद वैज्ञानिक इस ट्यूमर के जीन की सीक्वेंसिंग करते हैं। इसके जरिए कैंसर सेल्स में बने प्रोटीन की पहचान की जाती है। प्रोटीन की पहचान के बाद पर्सनलाइज्ड mRNA वैक्सीन बनाई जाती है। र को लगने वाली कैंसर वैक्सीन शरीर को T सेल्स बनाने का आदेश देती है। ये T सेल्स ट्यूमर पर हमला कर कैंसर को खत्म कर देती हैं। इसके बाद इंसानी शरीर ट्यूमर सेल के पहचानने लगता है, जिससे कैंसर दोबारा नहीं लौटता है।अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के कैंसर एक्सपर्ट एलियास सयूर के मुताबिक इस तकनीक से बन रही वैक्सीन ने ब्रैन कैंसर के लिए 48 घंटों से भी कम वक्त में असर दिखा दिया था।

कैंसर की एक और वैक्सीन का ऐलान जल्द

रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के नेशनल मेडिकल रिसर्च रेडियोलॉजिकल सेंटर की वेबसाइट के मुताबिक कैंसर से लड़ने के लिए दो तरह की खोज में जुटे हुए थे। इनमें पहली mRNA वैक्सीन और दूसरी दूसरी ऑन्कोलिटिक वायरोथेरेपी है। इस थेरेपी के तहत लैब में मॉडिफाई किए गए इंसानी वायरस से कैंसर सेल्स को टारगेट कर संक्रमित किया जाता है। इससे वायरस कैंसर सेल्स में खुद की मल्टीप्लाय करता है। इसका नतीजा ये होता है कि कैंसर सेल नष्ट हो जाती है। यानी इस थेरेपी में ट्यूमर को सीधे तौर पर नष्ट करने बजाय इम्युनिटी को सक्रिय करके कैंसर सेल्स नष्ट किया जाता है।

बच्चे के बेहतर भविष्य के लिए कहां करें निवेश, कौन-सा प्लान रहेगा बेस्ट?

आज के पैरेंट्स अपने बच्चों के लिए शादी के पहले भी कई लक्ष्य को प्राथमिकता दे रहे हैं - जैसे हायर एजुकेशन, चाहे वह इंजीनियरिंग और मेडिकल हो या एमबीए और इंटरनेशनल स्टडीज हो। इन पर आने वाला खर्च भी शादी की लागत जितना ही महंगा हो गया है। अब पैरेंट्स को ऐसे ऑप्शन में समझदारी से निवेश करने की जरूरत है, जिसमें न उन्हें अच्छा रिटर्न मिले जो उनके बच्चों की जरूरतें को पूका कर सकें। इसके अलावा उन्हें इस बात पर भी ध्यान देने की आवशयकता है कि निवेश राशि का बढ़ती महंगाई के साथ तालमेल हो और वह बच्चों को आगे बढ़ने में मदद करें।

पहले पेरेंट्स नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट या लंबी अवधि की फिक्स्ड डिपॉजिट योजनाओं में निवेश करना पसंद करते थे, पर अब उन्हें महंगाई और रिटर्न को ध्यान में रखते हुए म्यूचुअल फंड में चाइल्ड प्लान में निवेश करना चाहिए।

जब बात अपने बच्चे के सपनों को पूरा करने की आती है, तो पैरेंट्स क्वालिटी से समझौता करने को तैयार नहीं होते हैं। वहीं दूसरी ओर शिक्षा की लागत आसमान छू रही है। एजुकेशन सर्विसेज में महंगाई सरकार द्वारा घोषित कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स नंबर्स की तुलना में लगभग दोगुनी चल रही है। ऐसे में अगर अच्छी तरह से प्लानिंग नहीं की गई, तो परेशानियां बहुत ज्यादा बढ़ सकती हैं और बच्चे अवसर चूक सकते हैं।

बच्चों के लिए फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए म्यूचुअल फंड द्वारा पेश की जाने वाली चिल्ड्रन स्कीम एक बेहतर ऑप्श है। इनमें से अधिकतम म्यूचुअल फंड प्लान में 5 साल का लॉक-इन पीरियड होता है। इससे लॉन्ग टर्म निवेश को बढ़ावा मिलता है। लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट करने पर कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है, जिससे निवेशकों का पैसा कई गुना बढ़ सकता है।

निवेश कैसे शुरू करें

निवेश की जल्द शुरुआत करना और नियमित रूप से निवेश करना उन पैरेंट्स के लिए जरूरी है जो अपने बच्चे के भविष्य के लिए पर्याप्त बचत करना चाहते हैं। एक सिस्ट्मैटिक इन्वेस्ट्मेंट प्लान (एसआईपी), म्यूचुअल फंड द्वारा पेश किए जाने वाले चिल्ड्रन फंड में निवेश करने का एक बेहतर ऑप्शन है, जिसमें जहां मंथली बेसिस पर एक तय रकम निवेश किया जाता है।

इसके अलावा स्टेप-अप एसआईपी भी अच्छा ऑप्शन है। इसमें मंथली योगदान बढ़ा सकते हैं। इसे ऐसे समझिए कि आज आपकी सैलरी 50,000 रुपये है तो आप 10,000 रुपये की एसआईपी कर रहे हैं। अब भविष्य में जैसे-जैसे आपकी सैलरी बढ़ेगी आप एसआईपी की राशि भी बढ़ा सकते हैं। इस तरीके से आप अपने बच्चे के लिए एक बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं।

म्यूचुअल फंड के चाइल्ड् प्लान में निवेश करना सिर्फ रुपये पैसे से जुड़ा नहीं है। यह एक कदम है जो पैरेंट्स अपने बच्चे के सपनों को पूरा करने के लिए उठाते हैं।

निवेश के इस फॉर्मूले से बस 21 साल में आपका भी बच्चा बन जाएगा करोड़पति, जानें केलकुलेशन

SIP Calculator: आप सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (Children SIP Plan) के जरिये अपने बच्चे की पढ़ाई, शादी के खर्चों की टेंशन से मुक्त हो सकते हैं. बस आपको कुछ राशि निवेश करनी होगी. आप ये म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिये कर सकते हैं.

क्या आप भी अपने बच्चे के भविष्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना चाहते हैं ? यदि हां तो आज हम आपके लिए निवेश का एक ऐसा फॉर्मूला (Best saving plan for child) लेकर आये हैं, जिससे बस 21 साल की उम्र में आपका बच्चा करोड़पति बन जाएगा. बड़ा होकर आपका बच्चा (Children Investment Plan) भी करोड़पति बनने के बाद आपको थैंक यू कहेगा. ये आप सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी (SIP) के जरिये कर सकते हैं.

बच्चे के भविष्य की टेंशन होगी खत्म

आप सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (Children SIP Plan) के जरिये अपने बच्चे की पढ़ाई, शादी के खर्चों की टेंशन से मुक्त हो सकते हैं. बस आपको कुछ राशि निवेश करनी होगी. आप ये म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिये कर सकते हैं. लॉन्ग टर्म में इसमें निवेश करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है.

एक्सपर्ट्स की माने तो लॉन्ग टर्म में एसआईपी के जरिये 20 प्रतिशत से ज्यादा तक का रिटर्न मिल चुका है. जिससे आप भी करोड़ों रुपये का फंड जमा कर सकते हैं.

क्या है बच्चे को करोड़पति बनाने का फॉर्मूला

बच्चे के जन्म के साथ ही उसके नाम पर आपको हर महीने कम से कम 10,000 रूपये एसआईपी में निवेश करने होंगे. इस एसआईपी को आने वाले 21 साल तक जारी रखना जरूरी है. 21 साल बाद कुल जमा रकम 25,20,000 रुपये हो जाएगी.

यदि आपको अपने निवेश पर कम से कम 16 प्रतिशत का भी रिटर्न मिलता हो तो कुल रकम 2,06,39,345 रुपये हो जाएगी. यदि आपको 16 प्रतिशत की जगह केवल 12 प्रतिशत का भी रिटर्न मिल रहा हो तो भी 21 साल में कम से कम 1,13,86,742 रुपये जुटाए जा सकते हैं.

एसआईपी पर बढ़ रहा भरोसा

अब लोगों का भरोसा एसआईपी पर बढ़ रहा है. शेयर बाजार में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव और बाजार रिस्क के कारण म्यूचुअल फंड पर लोगों का भरोसा बढ़ा है. देश में 4 करोड़ से ज्यादा लोग म्यूचुअल फंड में निवेश करके अच्छी कमाई कर रहे हैं.

नए साल पर इस स्कीम में करें 5 हजार रुपये निवेश रिटायरमेंट के समय बन सकते हैं करोड़पति

आज हम आपको एक बेहद ही खास स्कीम के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप महज 5 हजार रुपये के छोटे निवेश से 1 करोड़ रुपये से भी अधिक का फंड इकट्ठा कर सकते हैं। साल 2024 को खत्म होने में अब महज कुछ ही दिन बचे हैं। कुछ दिनों के बाद नए साल 2025 की शुरुआत हो जाएगी। नए साल के इस खास मौके पर आप अपने भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित कर सकते हैं। आज हम आपको एक बेहद ही खास स्कीम के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप महज 5 हजार रुपये के छोटे निवेश से 1 करोड़ रुपये से भी अधिक का फंड इकट्ठा कर सकते हैं।

अगर आप अपनी कमाई में से छोटी-छोटी बचत करके उसे किसी अच्छी जगह निवेश करते हैं, तो कुछ सालों के बाद आप एक बड़ी धनराशि जुटा सकते हैं, जो न केवल आपके भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित करेगी बल्कि आप इसकी मदद से फाइनेंशियल फ्रीडम भी पा सकते हैं। इसमें आपको म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश करना है। एक्सपर्ट के मुताबिक लंबी समयावधि के लिए निवेश का यह विकल्प आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

एसआईपी बनाकर हर महीने करना होगा 5 हजार रुपये का निवेश

मान लीजिए आपकी उम्र 30 वर्ष है। 30 वर्ष की उम्र में आपको किसी एक अच्छी म्यूचुअल फंड स्कीम का चयन करके उसमें एसआईपी बनवानी है।

एसआईपी बनवाने के बाद आपको उसमें हर महीने 5 हजार रुपये निवेश करने होंगे।

30 सालों के लिए करना होगा निवेश

यह निवेश आपको पूरे 30 सालों के लिए करना होगा।

अगर आप हर महीने 5 हजार रुपये बचाकर उसे 30 सालों तक निवेश करते हैं और उस निवेश पर आपको सालाना 12 प्रतिशत का अनुमानित रिटर्न मिलता है।

इस स्थिति में आप मैच्योरिटी के समय 1,76,49,569 रुपये का बड़ा फंड जुटा सकेंगे।

ये पैसे न केवल आपको आर्थिक रूप से आजाद करेंगे बल्कि इनकी सहायता से आप अपने भविष्य से जुड़े जरूरी प्रयोजनों को पूरा कर सकेंगे। इसके अलावा इन पैसों का इस्तेमाल आप अपने बच्चों की शादी या उनकी पढ़ाई-लिखाई में भी कर सकेंगे।

डिस्क्लेमरः म्यूचुअल फंड में निवेश किया गया पैसा बाजार जोखिमों के अधीन आता है। इसमें निवेश करने से पहले विशेषज्ञों की सलाह जरूर लें। अगर आप बिना जानकारी के म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, इस स्थिति में आपको एक बड़े घाटे का सामना करना पड़ सकता है। म्यूचुअल फंड में किए गए निवेश पर मिलने वाला रिटर्न बाजार के व्यवहार द्वारा तय होता है।

साल 2025 में निवेश के लिए खोज रहे हैं बेस्ट विकल्प ये थीम चमका सकते हैं आपका पोर्टफोलियो

साल 2024 अब खत्म होने वाला है और कुछ ही दिन में नए साल की शुरूआत हो जाएगी. साल 2024 बाजार के लिए मिला जुला रहा है. इस साल की बात करें तो दुनिया की लगभग आधी आबादी (60 से अधिक देश) के राष्ट्रीय चुनावों में भाग लेने की घटना देखने को मिली, जिसमें दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र भी शामिल रहे. जियो पॉलिटिकल टेंशन जैसे मुद्दे पूरे साल बने रहे, साथ ही साल 2024 में इंटरेस्ट रेट साइकिल के रिवर्स होने की उम्मीद की जा रही थी. इन सबका मतलब है कि बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव, जिसे हम इस साल देख भी चुके हैं. निवेशकों के लिए साल 2024 कैसा रहा, 2025 कैसा होगा, किन थीम में पैसे लगाकर निवेशक मुनाफा कमा सकते हैं, इन सभी बातों पर संजय चावला, चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर - इक्विटी, बड़ौदा बीएनपी पारिबा म्यूचुअल फंड, ने विस्तार से जानकारी दी है.

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस दौरान बाजार दो हिस्सों में बंटा हुआ था. पहली छमाही में भारतीय इक्विटी मार्केट दुनिया भर में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाजारों में से एक था, जबकि दूसरी छमाही में इसके प्रदर्शन में गिरावट देखी गई. बाजार में यह गिरावट राष्ट्रीय चुनावों और मानसून के चलते डॉलर में मजबूती और भारतीय अर्थव्यवस्था में मंदी के संयोजन के चलते थी. इसके परिणामस्वरूप अर्निंग ग्रोथ उम्मीद से कमजोर रही.

Tata Motors : टाटा मोटर्स का स्टॉक 2025 में बनेगा विनर, भारी डिस्काउंट पर निवेश का मौका, मिल सकता है 34% रिटर्न

11 महीनों में NSE-500 ने दिया 18.1% रिटर्न

इस साल 30 नवंबर 2024 तक यानी 11 महीनों के दौरान NSE-500 इंडेक्स (ब्रॉडर मार्केट) ने 18.1 फीसदी रिटर्न दिया है. इसका मतलब है कि 3 साल की कंपाउंड एनुअलाइज्ड रेट ऑफ ग्रोथ (सीएजीआर) 17.2 फीसदी, 5 साल की सीएजीआर 19.9 फीसदी और 10 साल की सीएजीआर 14.6 फीसदी रही. यह डेटा एक बार फिर दिखाता है कि कैसे भारतीय निवेशक, इक्विटी म्यूचुअल फंड में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) के जरिए निवेश कर अपनी दौलत में इजाफा कर सकते हैं और इस रिटर्न के जरिए महंगाई को मात दे सकते हैं.

2024 रहा बिग आईपीओ का साल

म्यूचुअल फंड में डोमेस्टिक फ्लो (घरेलू प्रवाह) 6.2 ट्रिलियन रुपये यानी 6.2 लाख करोड़ रुपये (जनवरी-नवंबर 2024 के लिए कम्युलेटिव) पर मजबूत बना रहा. इस साल एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और स्विगी लिमिटेड जैसे कुछ बड़े आईपीओ भी आए - जो भारतीय अर्थव्यवस्था के बदलते माहौल को दिखाते हैं.

2025 : बाजार के लिए ये फैक्टर महत्वपूर्ण

जैसे-जैसे हम 2025 में कदम रख रहे हैं, हमारा मानना है कि ये उभरते हुई थीम और भी मजबूत होते जाएंगे.

यह है पुरुषों के लिए स्पेशल विंटर वियर गाइड

सर्दियों के दिनों फैशनेबल लुक क्रिएट करना काफी मुश्किल होता है, खासकर बात लड़कों की करें तो उनके पास विंटर वियर में स्टाइलिश ऑप्शंस काफी कम होते हैं. आइए आज हम आपके लिए सर्दियों में सुपर स्टाइलिश और अट्रैक्टिव दिखने के लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं.

सर्दियों के मौसम में अब ठंडी हवाएं और कपकपाहट जोर शोर से शुरू हो चुकी है. यूं तो सर्दियों का मौसम अधिकतर लोगों को काफी पसंद होता है, लेकिन इस मौसम में सबसे बड़ी समस्या खुद को अट्रैक्टिव तरीके से स्टाइल करना होती है. खासकर जब बात लड़कों की होती है, तो उनके पास विंटर वियर में कुछ बहुत ज्यादा ऑप्शन नजर नही आते हैं और पूरे विंटर सीजन में मोटे और भारी-भरकम कपड़े पहनना भी मुश्किल हैं. इसीलिए आप फैशन एक्सपर्ट्स का एक सिंपल सा फंडा अपना सकते हैं, "मोर लेयर्स मोर स्टाइलिश" जी हां, सर्दियों में लेयरिंग जैसे कुछ सिंपल टिप्स फॉलो करके आप सुपर स्टाइलिश और अट्रैक्टिव दिख सकते हैं. आइए सर्दियों में सुपर स्टाइलिश लुक के लिए कुछ टिप्स एंड ट्रिक्स जानते हैं, कपड़ों की लेयरिंग सर्दियों में ठंड से बचने के लिए कपड़ों की लेयरिंग काफी जरूरी होती है. पुरुषों के लिए विंटर लेयरिंग सबसे बड़ा एडवांटेज होती है, जो सर्दी में ठंड से बचाने के साथ-साथ स्टाइलिश लुक देती है. सर्दियों में फैशनेबल देखने के लिए कपड़ों को 3 लेयर में स्टाइल करें. लेयर्स में कपड़े स्टाइल करते समय ख्याल रखें कि थोड़े पतले कपड़ों की लेयरिंग ही अच्छी लगती है, मोटे और बल्कि कपड़ों को लेयर करने से बचें.

कपड़ों के टेक्सचर और रंग का खास ख्याल रखें

लड़कों के लिए स्टाइलिश और फैशनेबल कपड़े चुनते समय कपड़े के रंग और टेक्सचर का खास खयाल रखना जरूरी होता है, खासकर सर्दियों में कुछ भड़कीले कलर लड़कों पर बहुत खराब लग सकते हैं. इसीलिए सर्दियों के महीनों में ब्लैक, नेवी ब्लू, चारकोल, मुस्टर्ड येलो और ऑलिव ग्रीन जैसे रंग चुन सकते हैं.

जॉगर्स, स्वेटशर्ट और हुड्डी

सर्दियों के महीनों में पुरुषों के लिए जॉगर्स, स्वेटशर्ट और हुड्डी जैसे क्लोथिंग ऑप्शंस काफी बड़ी वैरायटी में उपलब्ध है जो सिंपल, ट्रेंडी और स्टाइलिश लुक देते हैं. आप विंटर जॉगर्स और स्वेटशर्ट को डेली वियर में स्टाइल कर सकते हैं. ये ऑप्शंस पहनने में कंफर्टेबल होने के साथ-साथ दिखने में बेहद स्टाइलिश और फैशनेबल लगते हैं.

विंटर एक्सेसरीज से करें लुक को कंप्लीट

सर्दियों में अपने ओवरऑल लुक को स्टाइलिश और अट्रैक्टिव बनाने के लिए कुछ एक्सेसरीज को स्टाइल कर सकते हैं, जैसे विंटर स्कार्फ, ग्लव्स और कैप. हाई नेक स्वेटर के साथ बोल्ड और वाइब्रेंट ज्वेलरी भी बेहद स्टाइलिश लग सकती है. इसीलिए लेयरिंग के साथ कुछ विंटर एक्सेसरीज ऐड करना ना भूलें.

कड़ाके की ठंड में भी गर्मी का एहसास कराएंगी ये Men Winter Jackets

लगभग ठंड का मौसम आ गया है। ऐसे में सभी के घरों में गर्म कपड़े भी निकलने लगे होंगे। इस ठंडी आप अगर Mens jacket लेना चाहते हैं, तो यहां हम काफी बढ़िया विकल्प लेकर आए हैं। यह Amazon ब्रैंड का Jacket for Men केवल हजार रुपये तक की कीमत में आपको मिल जाएंगे। इनमें आपको तरह-तरह की वैरायटी फैब्रिक और डिजाइन मिल जाएंगे। यह सर्दी के मौसम में पहनने में फैशनेबल दिखेंगे, साथ ही ठंड से भी बचाएं रखेंगे।Amazon पर मिल रहे ये सभी जैकेट की लिस्ट यहां आप सस्ते में चेक कर सकते हैं। इनमें बॉम्बर जैकेट, विंड चिटर जैकेट और पॉलिएस्टर मटेरियल से बने हुए खरीद सकते हैं। आप भी यहां बताए जा रहे ऑप्शंस को चेक कर सकते हैं।यह जैकेट पहनने में बहुत ही हल्का और पतला रहेगा। अगर आपको मोटे और हैवी जैकेट पसंद नहीं आते हैं तो इसे आप ट्राई कर सकते हैं। सिंथेटिक मटेरियल से बने हुए इस जैकेट में वेस्ट बैंड और रिस्ट बैंड लगा हुआ है, जिससे फिटिंग बहुत बढ़िया मिलती है। इसके दोनों साइड में पॉकेट है और हाई नेक कॉलर दिया हुआ है। ठंड के मौसम में अगर इसे पहनकर बाइक राइडिंग भी करें, तो आपको हवा नहीं लगेगी। इसका ऑलिव कलर सभी रंग के टॉप वेयर और बॉटम वेयर के साथ अच्छा दिखेगा। कैजुअल वेयर या पार्टी वियर के लिए आप इस ब्लैक कलर के जैकेट को स्टाइल कर सकते हैं। इसका सॉफ्ट फैब्रिक पहनने में बहुत कंफर्टेबल रहेगा। यह स्टाइलिश जैकेट 100% पॉलिस्टर मटेरियल से बनी हुई है, जो ठिठुरन भारी सर्दी में भी आपको पूरा गर्माहट देगी। यह ब्लैक कलर का जैकेट बॉम्बे स्टाइल वाला है। इसमें बैंड कॉलर नेक डिजाइन दिया हुआ है, जिसमें डिटैचेबल हुड कैप लगा है। ठंड के मौसम में इसे आप टी-शर्ट या शर्ट के साथ स्टाइल कर सकते हैं। 800 के अंदर मिल रही यह मेंस जैकेट स्पोर्टी लुक वाली है। अगर आप सर्दी के मौसम में सुबह-सुबह जॉगिंग या वॉकिंग के लिए बाहर जाते हैं, तो आप इसे स्टाइल कर सकेंगे। यह ब्लैक और ब्लू कलर के कॉन्बिनेशन में है। इसमें हाई कॉलर नेक वाला डिजाइन दिया हुआ है। यह पहनने में काफी बढ़िया है और बहुत ही लाइटवेट है। इस तरह के जैकेट आप बाइक राइडिंग के दौरान भी इस्तेमाल कर सकेंगे। विंटर सीजन में पार्टी में पहनकर जाने के लिए यह जैकेट बेस्ट ऑप्शन रहेगी। इसका प्रीमियम फैब्रिक मैटेरियल और फैशनेबल डिजाइन आपके लुक को और भी ज्यादा इन्हैंस कर देगा। इसमें फ्रंट जिपर और दोनों साइड पॉकेट भी दिए गए हैं। इस जैकेट का किल्टेड स्टाइल इन दिनों फैशन में भी छाया हुआ है। अगर आप लिमिटेड बजट में फैशनेबल स्टाइल को मेंटेन करना चाहते हैं, तो इसे ट्राई कर सकते हैं।

विंटर वियर ड्रेस के ये डिजाइंस आपके लिए हैं परफेक्ट

क्या .आप स्टाइलिश दिखना पसंद करती हैं, लेकिन सर्दियों में ठंड से बचने के कारण अपने लुक पर ध्यान नहीं दे पाती हैं। बता दें कि अपने लुक को मॉडर्न और स्टाइलिश बनाने के लिए आपको केवल अपने बॉडी टाइप को समझकर कपड़ों का सही तरीके से चुनाव करना होगा।आजकल वेस्टर्न ड्रेस पहनना आप और हम जैसी ऑफिस जाने वाली लड़कियां काफी पसंद करती हैं। इसलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं वेस्टर्न विंटर वियर ड्रेस के कुछ ऐसे डिजाइन जिन्हें आप नार्मल से लेकर किसी पार्टी तक के लिए कैरी कर सकती हैं और दिख सकती हैं बेहद लाजवाब।देखने में बेहद क्लासी लुक देने वाली ये विंटर ड्रेस खासकर पतले और छोटे कद वाले बॉडी टाइप के लिए परफेक्ट रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस तरीके की ड्रेस सारा फोकस आपके नेक लाइन को देती है और आपको लंबा दिखाने में मदद करती है।ऐसी ड्रेस के साथ आप बालों के लिए पोनीटेल हेयर स्टाइल को चुन सकती हैं। साथ ही गले के लिए किसी भी तरह की कोई एक्सेसरी या ज्वेलरी को न चुनें अन्यथा ड्रेस का लुक छिप जाएगा। ऐसी ड्रेस काफी कूल देने में मदद करती हैं, लेकिन बता दें कि इस तरीके की विंटर ड्रेस बेहद पतले बॉडी टाइप के लिए बेस्ट रहती है। इसमें आपको कई तरह के पैटर्न मिलो जाएंगे। साथ ही उस तरीके की ड्रेस आपको करीब 500 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगी।इस तरह की हूडि ड्रेस के साथ आप व्हाइट कलर के स्नीकर शूज स्टाइल करें। साथ ही ज्वेलरी के लिए स्टोन वाले स्टड्स जैसे किसी डिजाइन को चुने। ऐसा इसलिए क्योंकि इस तरीके की ड्रेस आपको कूल लुक देने में मदद करती है। वैसे तो इस तरह की ड्रेस देखने में बेहद पार्टी वियर लुक देने में मदद करती हैं, लेकिन बता दें कि अगर आप पतली और लंबी हैं तो इस तरीके की फ्लेयर वाली ड्रेस आप पर खूब खिलेगी। साथ ही लुक को स्टाइलिश बनाने के लिए आप ब्रॉड बेल्ट को कैरी करें। इसी के साथ अगर आपको विंटर वियर ड्रेस के ये डिजाइंस और उनसे जुड़ी स्टाइलिंग टिप्स पसंद आए हो तो इस आर्टिकल को लाइक करना बिल्कुल भी न भूलें। साथ ही कमेंट कर अपनी राय हम तक पहुंचाए और ऐसे अन्य आर्टिकल को पढ़ने के लिए हरजिंदगी को फॉलो करें।जिंस के साथ आप ओवरकोट पहन सकती हैं। आप इस आउटफिट में कम्फर्टेबल फील करेंगी। ये आउटफिट्स ढीले-ढाले होते हैं। इस आउटफिट्स को कैरी कर अट्रैक्टिव नजर आ सकती हैं। चाहें तो आप इन आउटफिट्स के साथ हाई हिल कैरी कर सकती हैं। लॉन्ग कोट कैरी कर आप विंटर सीजन में स्टाइलिश लुक पा सकती हैं। आप इसके साथ बेल्ट भी कैरी कर सकती हैं। इस तरह के कोट महिलाओं को फैशनेबल लुक देते हैं।

अक्सर महिलाएं इस सीजन में जिंस कैरी करना पसंद करती हैं, ऐसे में आप जिंस के साथ ब्लेजर भी कैरी कर सकती हैं। पार्टी या त्योहार के दौरान आप साड़ी या सूट पहनती हैं, तो इसके साथ भी आप ब्लेजर कैरी कर सकती हैं।

ब्लेजर–अक्सर महिलाएं इस सीजन में जिंस कैरी करना पसंद करती हैं, ऐसे में आप जिंस के साथ ब्लेजर भी कैरी कर सकती हैं। पार्टी या त्योहार के दौरान आप साड़ी या सूट पहनती हैं, तो इसके साथ भी आप ब्लेजर कैरी कर सकती हैं।

बफर जैकेट–स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप बफर जैकेट कैरी कर सकती हैं। इस आउटफिट्स को आप जिंस या कुर्ती के साथ भी पहन सकती हैं। बफर जैकेट के साथ आप सर्दियों के मौसम में टीशर्ट भी कैरी कर सकती हैं।ये आपको फैशनेबल लुक देगा। **टर्टल नेक स्वेटर**–आप टर्टल नेक स्वेटर को स्कर्ट, पैंट आदि पर ट्राई कर सकती हैं। इसे पहन कर आप स्टाइलिश नजर आ सकती हैं। ये पहनने में भी आरामदायक है।कैजुअल कपड़े के साथ फर वाली जैकेट को कैरी कर सकती हैं। टीवी एक्ट्रेस हिना खान भी ये आउटफिट अक्सर कैरी करती हैं। इससे आपको क्यूट लुक मिलेगा और आप फैशनेबल नजर आएंगी। सर्दियों में आप वूलैन कैप ट्राई कर सकती हैं। इसे कैरी कर आप ठंड से बच सकती हैं और क्यूट लुक भी पा सकती हैं।इस मौसम में उलन स्कार्फ का काफी चलन है।ऐसे में आप इसे नेक लूप या रैप अराउंट की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपको स्टाइलिश लुक मिलेंगे। सर्दियों में शॉर्ट जैकेट्स भी अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं. प्रियंका चोपड़ा नेशॉर्ट लेदर जैकेट के साथ ट्यूब टॉप और लॉन्ग स्कर्ट वियर किया. हालांकि उनकी जैकेट शॉर्ट होते हुए भी ओवरसाइज थी, जो ट्रेंडिंग है. ऐसी जैकेट्स जींस के साथ भी बहुत अच्छी लगती हैं. ठंड के मौसम में स्टाइलिश दिखने के लिए आप सारा अली खान का ये स्टाइल भी कैरी कर सकती हैं.आप भी कुछ अलग वियर करना चाहती हैं तो सारा की तरह वुलन शॉर्ट स्कर्ट के साथ मैचिंग ओवरसाइज स्वेटर पहन सकती हैं. इससे आपको लुक काफी शानदार लगेगा. सर्दियों के मौसम में कई सारे फंक्शन और पार्टीज होती रहती हैं. ऐसे में फैशनेबल दिखने के लिए जान्हवी कपूर की तरह एंब्रायडरी ब्लेजर अपनी वार्डरोब में जरूर शामिल करें. ये ब्लेजर शॉर्ट ड्रेसेज के साथ ही जींस और ट्राउजर पर भी काफी अच्छा लगेगा. थोड़ा स्टाइल को बढ़ाना चाहती हैं तो बॉडीकॉन ड्रेस के साथ कैरी करें. सर्दियों में ब्राइट कलर्स लोग काफी पसंद करते हैं. आलिया का ये मल्टी कलर पुलओवर काफी स्टाइलिश लग रहा है.

अगर आप इसे बाहर आउटिंग के लिए भी पहनकर निकलेंगी को सबकी निगाहें आपके स्टाइल पर ही होंगी.

इस पैटर्न के पुलोवर इस विंटर में ट्राई कर सकती हैं.

कुंभ में साधु-संतों के लिए अमृत स्नान इतना महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है? यहां जानें इसका धार्मिक महत्व

प्रयागराज में पूरे 12 वर्षों के बाद महाकुंभ लगा है। कुंभ मेला में देश-विदेश से लाखों-करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु स्नान करने के लिए आ रहे हैं। कुंभ मेला भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं का अद्वितीय पर्व है, जिसका इतिहास हजारों साल पुराना है। महाकुंभ में नागा साधुओं की पेशवाई एक प्रमुख आकर्षण होती है, जो न केवल धार्मिक आस्था, बल्कि भारतीय वीरता और संघर्ष का प्रतीक है। इन साधुओं ने ऐतिहासिक रूप से सनातन धर्म की रक्षा के लिए कई आक्रमणों का सामना किया। कुंभ मेला न केवल एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि यह भारतीय समाज के सामूहिक आस्था और एकता की अभिव्यक्ति भी है, जो हर बार इस अद्वितीय पर्व के माध्यम से पुनः जीवित होती है।

महाकुंभ मेला में अमृत स्नान (शाही स्नान) का विशेष महत्व है। अमृत स्नान खास दिन, मुहूर्त और ग्रह-नक्षत्र के संयोग में किया जाता है। इस महाकुंभ के पहले अमृत स्नान के मकर संक्रांति के पर्व पर लगभग चार करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम स्नान किया। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा कि अगले अमृत स्नान यानी मौनी अमवस्या के पर्व पर लगभग 10 करोड़ श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचने वाले हैं। तो आइए जानते हैं साधु-संतों के लिए अमृत स्नान का इतना महत्व क्यों है।

साधु-संत के लिए अमृत स्नान (शाही स्नान) का क्या महत्व?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अमृत स्नान करने से मन की अशुद्धियां दूर होती हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं कहा जाता है कि अमृत स्नान करने से एक हजार अश्वमेध यज्ञ करने जैसा पुण्य फल मिलता है। कुंभ में अमृत स्नान के दिन प्रथम स्नान का अधिकार नागा साधुओं को है। बता दें कि नागा साधुओं को 'महायोद्धा साधु' भी कहा जाता है, क्योंकि प्राचीन काल में वे धर्म और समाज की रक्षा के लिए सेना के रूप में कार्य करते थे। अमृत स्नान के दिन नागा-साधु और अन्य विभिन्न अखाड़ों के साधु-संत अपने शिष्यों के साथ भव्य जुलूस निकालते हुए संगम में गंगा स्नान करने जाते हैं। अमृत स्नान कुंभ मेले का मुख्य आकर्षण है, जिसके लिए विशेष प्रबंध किए जाते हैं।

महाकुंभ 2025 में अमृत स्नान का तिथियां

महाकुंभ का पहला अमृत स्नान 14 जनवरी 2025 को मकर संक्रांति के दिन संपन्न हो चुका है। अब दूसरा अमृत स्नान मौनी अमावस्या के दिन किया जाएगा। मौनी अमावस्या 29 जनवरी को है। वहीं तीसरा और आखिरी अमृत स्नान 3 फरवरी को बसंत पंचमी के दिन किया जाएगा।

महाकुंभ मेले में आग, गीता प्रेस के 180 कॉटेज जले

प्रयागराज में महाकुंभ के मेला क्षेत्र में रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे आग लग गई। शास्त्री ब्रिज के पास सेक्टर 19 में गीता प्रेस के कैंप में ये आग लगी। गीता प्रेस के 180 कॉटेज आग में जल गए।अफसरों के मुताबिक, गीता प्रेस की रसोई में शाम 4 बजकर 10 मिनट पर छोटे सिलेंडर से चाय बनाते समय सिलेंडर लीक हो गया और आग लग गई। इसके बाद 2 सिलेंडर ब्लास्ट हो गए।आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियां भेजी गई थीं, जिन्होंने आग पर एक घंटे में (शाम 5 बजे) काबू पाया। एक संन्यासी के एक लाख रुपए के नोट भी जल गए। मेला सीएफओ (चीफ फायर ऑफिसर) प्रमोद शर्मा ने बताया कि आग से करीब 500 लोगों को बचाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर पहुंच कर हालात का जायजा

लिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी सीएम योगी को फोन कर घटना की पूरी जानकारी ली। आग लगने की घटना से कुछ देर पहले ही उन्होंने हेलिकॉप्टर से महाकुंभ मेला क्षेत्र का जायजा लिया था। ायर ऑपरेशन के लिए तैनात है AWT, 50 फायर फाइटिंग पोस्ट महाकुंभ नगरी में फायर ऑपरेशंस के लिए एडवांस्ड फीचर वाले 4 आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर (LWT) तैनात की गई हैं। इनमें वीडियो-थर्मल इमेजिनिंग जैसा एडवांस सिस्टम है। इसका इस्तेमाल बहुमंजिली और ऊंचाई वाले टेंट की आग बुझाने के लिए किया जाता है। LWT 35 मीटर की ऊंचाई तक आग बुझा सकती है।महाकुंभ मेला क्षेत्र को फायर फ्री बनाने के लिए यहां 350 से ज्यादा फायर ब्रिगेड, 2000 से ज्यादा ट्रेंड मैनपावर, 50 अग्निशमन केंद्र और 20 फायर पोस्ट बनाए गए हैं। अखाड़ों और टेंट में फायर प्रोटेक्शन इक्विपमेंट लगाए गए हैं।

सर्दियों में बच्चे पड़ते हैं बार-बार बीमार, तो उनके लंच बॉक्स में दें ये 4 हेल्दी रेसीपी

सर्दी ने दस्तक दे दी है और कई राज्यों में तो भीषण सर्दी पड़ रही है, ऐसे में सर्दी के मौसम में बीमार होना भी लाजमी है. खासकर, बच्चे जो स्कूल (School going kids) जाते हैं, बाहर ठंड में खेलते हैं उन्हें बीमार होने का खतरा सबसे ज्यादा होता है.

ऐसे में अगर आप अपने बच्चों की इम्यूनिटी (Immunity) ठंड में बढ़ाना चाहते हैं और बार-बार बीमार पड़ने से बचाना चाहते हैं, तो हम आपको बताते हैं चार हेल्दी, टेस्टी, न्यूट्रिशन और प्रोटीन से भरपूर चार हेल्दी टिफिन रेसिपी (Tiffin recipe) के बारे में, जिसे आप अपने बच्चों को हर रोज दे सकते हैं और सर्दी के मौसम में उनकी इम्यूनिटी को मजबूत बना सकते हैं.

वेजी उत्तपम

सूजी को दही में भिगोकर 15-20 मिनट के लिए रखें, इसमें गाजर, पनीर, प्याज और शिमला मिर्च जैसी सब्जी डालकर उत्तपम बनाएं. इसे देसी घी या ऑलिव ऑयल से सेंकें, इसमें कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन, A, b1, b2, b3, b6, b9, b12 और विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है.

केरट राइस

अगर आपके बच्चों को चावल खाना पसंद है, तो वही बोरिंग दाल चावल देने की जगह आप इस बार उनके लिए केरट राइस ट्राई करें. इसमें मौजूद विटामिन सी शरीर को एंटीबॉडी बनाने में मदद करते हैं और सर्दियों में इम्यूनिटी को मजबूत करते हैं. आप गाजर के साथ चावल में मटर, टमाटर, बींस जैसी सब्जियां भी डाल

सकते हैं.

क्विन्वा, मखाने और दही

क्विन्वा में फाइबर और कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो बच्चों के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है. ये उनकी हड्डियों को मजबूत करता है और डाइजेस्टिव सिस्टम में सुधार लाता है. आप प्लेन क्विन्वा बनाकर इसे दही और मखाने के रायते के साथ बच्चों को सर्व कर सकते हैं.

पनीर भुर्जी और अजवाइन पराठा

बच्चों के टिफिन के लिए पनीर भुर्जी एक इंस्टेंट और प्रोटीन से भरपूर रेसिपी है, जो जल्दी बन जाती है और बहुत ही स्वादिष्ट होती है. इसमें हाई क्वालिटी प्रोटीन पाया जाता है, इसके अलावा आप पराठे बनाने के लिए आटा में थोड़ा सा नमक और अजवाइन डालें, इससे बच्चों का डाइजेस्टिव सिस्टम बेहतर होता है. पराठे और भुर्जी के साथ आप उन्हें खीरा गाजर जैसे सलाद भी टिफिन में रख कर दे सकते हैं.

श्री अमित सांघी जी डी आई जी ग्वालियर संभाग संपादक मनोज चतुर्वेदी

श्री जयराज कुबेर पुलिस अधीक्षक अजाक ग्वालियर साथ मै संपादक मनोज चतुर्वेदी

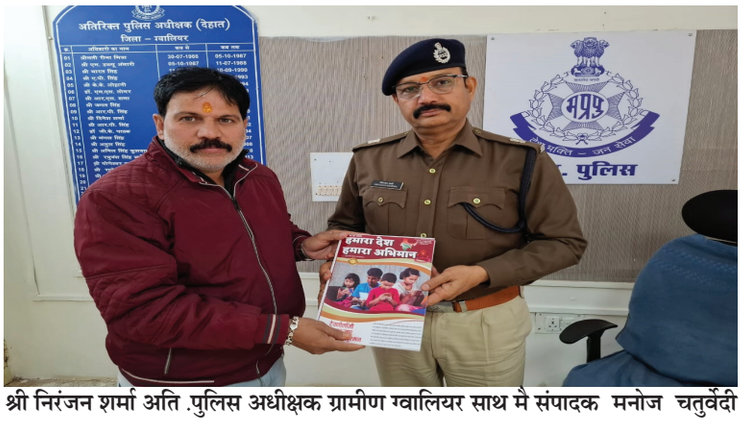

श्री निरंजन शर्मा अति .पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ग्वालियर साथ मै संपादक मनोज चतुर्वेदी

वरिष्ठ इतिहासकार और लेखक

भरत चतुर्वेदी एवं उनकी पत्नी के साथ विशेष चर्चा हमारा देश हमारा अभिमान पत्रिका के लिए वर्तमान स्थिति पर इतिहास का प्रभाव विषय पर साक्षात्कार किया|

आखिरी 7 दिनों में जेईई मेन के लिए ऐसे करें रिवीजन

जेईई मेन सेशन 2 की परीक्षा के लिए छात्रों के पास बेहद कम समय बचा है। 21 जनवरी 2025 को आयोजित की जाएगी। अब छात्रों को किसी नए विषय की पढ़ाई नहीं करनी चाहिए बल्कि पढ़े हुए पुराने टॉपिक्स के रिवीजन की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार छात्रों को बचे हुए 7 दिनों में रिवीजन के लिए कुछ अलग स्ट्रेटेजी अपनानी चाहिए। जेईई मेन सेशन 2 परीक्षा (JEE Main 2023 Session 2) में शामिल होने वाले छात्र नीचे दिए गए रिवीजन के जरूरी टिप्स को अपनाकर परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

1- नोट्स को हमेशा रखें पास

रिवीजन करते समय छात्रों को सबसे पहले अपने नोट्स की तरफ आगे बढ़ना चाहिए। हर छात्र अपनी तैयारी के दिनों में जरूरी विषयों के नोट्स बनाता है। ये नोट्स ही छात्रों को रिवीजन के समय काम आते हैं। परीक्षा से पहले ये नोट्स चेक जरूर कर लें ताकि जरूरी टॉपिक आपसे न छूटे।

2- बिल्कुल भी पैनिक न करें

सेशन 2 परीक्षा के लिए केवल 7 दिनों का समय बचा है। ऐसे में छात्रों के बीच तनाव होना लाजमी है लेकिन परीक्षा से पहले बिल्कुल भी पैनिक न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इससे आपकी तैयारी पर फर्क पड़ेगा और आप याद किया हुआ भी भूल जाएंगे। बिल्कुल रिलेक्स हो जाएं और उसके बाद ही रिवीजन की तरफ आगे बढ़े।

3- मॉक टेस्ट की लें मदद

जो भी छात्र जेईई मेन परीक्षा में शामिल होने वाले हैं वे इस बात का खास ध्यान रखें कि मॉक टेस्ट रिवीजन का सबसे अहम हिस्सा है। रिवीजन के दिनों में मॉक टेस्ट जरूर लगाएं और फिर पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्रों सॉल्व करने की कोशिश करें। अगर आप मॉक टेस्ट का इस्तेमाल करते हैं तो आपको अंदाजा हो जाएगा कि परीक्षा में किस तरह के प्रश्न में पूछे जाएंगे।

4- याद कर लें फॉर्मूले

फॉर्मूला साइंस का अहम हिस्सा है और हर स्टेप में इस्तेमाल होते हैं। छात्रों को सलाह दी जाती है कि सभी फार्मूले अच्छे से याद कर लें। अगर आप ऐसा करते हैं तो एग्जाम के दौरान होने वाली छोटी-छोटी गलतियों से बचा जा सकता है।

हमारा देश हमारा अभिमान

हर-हर महादेव

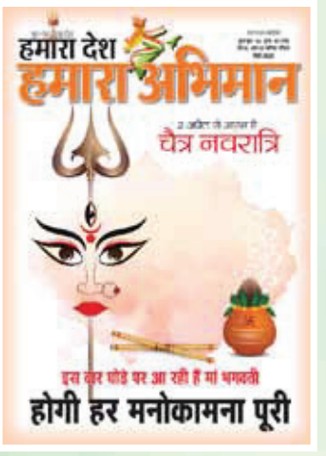

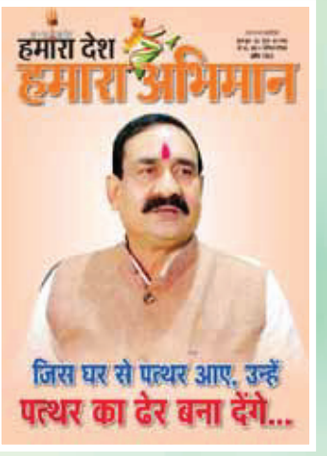

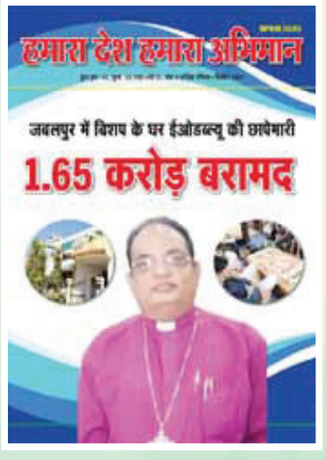

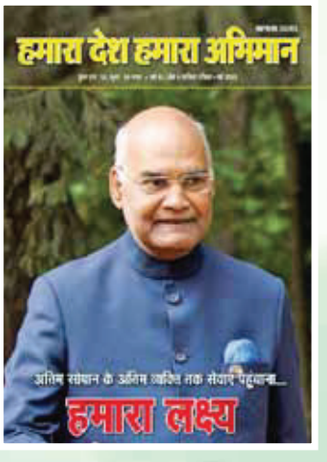

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें..

मनोज चतुर्वेदी : 98266 36922, 88392 59136